

योगी का सपा पर वार... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



ग्लोबल म्यूज़िक स्टेज पर.. 11

वर्ष - 02, अंक - 228 | गाजियाबाद / शुक्रवार 20 नवम्बर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

तूफान अकवान से पहले ओडिशा से 80 हजार लोग शिफ्ट

6 जिलों में 3 दिन स्कूल-आंगनवाड़ी बंद, 10 राज्यों में असर की आशंका, 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

विशाखापट्टनम/चेन्नई/भुवनेश्वर। चक्रवाती तूफान अकवान के खतरे को देखते हुए ओडिशा और आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों में प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। ओडिशा में करीब 80 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं, छह जिलों में 21 नवंबर तक स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। तूफान का असर देश के 10 राज्यों में देखने को मिल सकता है। इससे निपटने के लिए 74 रेस्क्यू टीमों को तैनात किया गया है।

मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, चक्रवात के आज आंध्र प्रदेश के नरसापुर और ओडिशा के पुरी के बीच तट से टकराने की आशंका है। इस दौरान हवा की रफ्तार 90 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। तेज हवाओं के साथ भारी बारिश और समुद्र में ऊंची लहरें उठने का खतरा है। इससे पहले गुरुवार को न्यूज एजेंसी एएनआई ने तूफान के तट से टकराने का अनुमान जताया था। चक्रवात के प्रभाव से ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में बारिश का दौर शुरू हो गया है। नौसेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और अन्य राहत एजेंसियां अलर्ट पर हैं। रेलवे ने भी एहतियातन तीन ट्रेनों के रवाना होने के समय में बदलाव किया है। मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है।



10 राज्यों में दिखेगा तूफान का असर

1. **आंध्र प्रदेश :** चक्रवात का सबसे ज्यादा असर आंध्र प्रदेश में होने की आशंका है। आज तटीय इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।
2. **ओडिशा :** आज और कल राज्य में भारी बारिश का अनुमान है। गंजाम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरी में ज्यादा असर हो सकता है। निचले इलाकों में जलभराव और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा है।
3. **तमिलनाडु :** उत्तरी तमिलनाडु में भी भारी बारिश हो सकती है। चेन्नई सहित तटीय इलाकों में जलभराव की आशंका है।
4. **पुडुचेरी :** पुडुचेरी और कराईकल में आज भारी बारिश और तेज हवाएं चलने का अनुमान है। समुद्र में ऊंची लहरें उठ सकती हैं। मछुआरों को समुद्र में जाने से रोका गया है।
5. **तेलंगाना :** राज्य के पूर्वी हिस्सों में आज और 21 नवंबर को भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। निचले इलाकों में जलभराव और स्थानीय बाढ़ का खतरा है।
6. **पश्चिम बंगाल :** दक्षिण 24 परगना, पूर्वी मिदनापुर, पश्चिमी मिदनापुर और झारग्राम में आज भारी बारिश हो सकती है।
7. **झारखंड :** आज और कल कुछ इलाकों में बारिश और कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है।
8. **छत्तीसगढ़ :** यहां तूफान सीधे नहीं टकराएगा, लेकिन आज और कल दक्षिणी और उत्तरी जिलों में बारिश हो सकती है।
9. **बिहार :** गया, नवादा समेत पांच जिलों में आज और 21 नवंबर को बारिश की संभावना है।
10. **मध्य प्रदेश :** राज्य के पूर्वी हिस्सों में अगले दो दिनों तक बारिश और आंधी का असर देखने को मिल सकता है।

ट्रम्प-जिनपिंग और पुतिन की पहली बार एक साथ मीटिंग

- जिनपिंग बोले- परमाणु हथियार इंसान के सिर पर लटकती तलवार, इन्हें खत्म करें



शेनझेन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प, चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने चीन के शेनझेन शहर में ऐतिहासिक बैठक की। यह पहली बार हुआ जब तीनों नेताओं ने एक साथ त्रिपक्षीय बैठक की।

मीटिंग में सबसे पहले परमाणु हथियारों के खतरों पर बातचीत हुई। जिनपिंग ने परमाणु हथियारों को इंसानियत के सिर पर लटकती तलवार बताया। उन्होंने कहा कि इन्हें पूरी तरह खत्म कर देना चाहिए।

पुतिन ने कहा कि रूस, चीन और अमेरिका तीनों ने दूसरे विश्व युद्ध में जीत हासिल की थी। इसलिए दुनिया में शांति और सुरक्षा बनाए रखने की जिम्मेदारी भी इन तीनों देशों की है। ट्रम्प ने कहा कि वे इस बात से बेहद खुश हैं कि तीनों देशों के बीच पहली बार त्रिपक्षीय बैठक हो रही है। यह इतिहास रचने जैसा है।

बैठक करीब 80 मिनट चली

चीन के सरकारी चैनल के मुताबिक, जिनपिंग, ट्रम्प और पुतिन के बीच हुई त्रिपक्षीय बैठक



खत्म होने के बाद ट्रम्प का काफिला किलिन विला से एयरपोर्ट के लिए रवाना हुआ। यह बैठक करीब 80 मिनट चली।

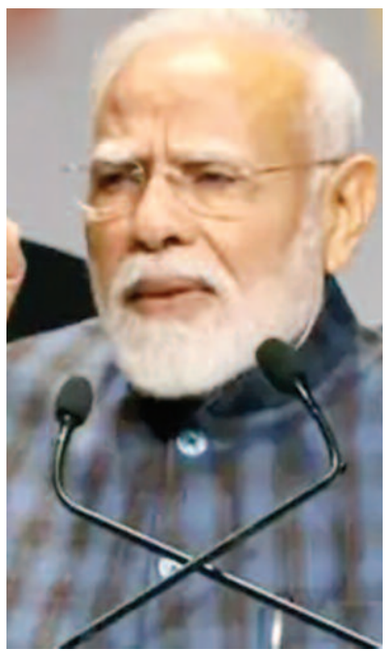
मोदी बोले- किसानों और कारोबारियों को गाली देने से देश नहीं बढ़ता

हमने 12 साल में इकोनॉमी बदली

राहुल ने कहा था- भारत आर्थिक संकट की ओर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि किसानों और कारोबारियों को गाली देने से देश आगे नहीं बढ़ता। उन्होंने कहा कि पिछले 12 साल में भारत की इकोनॉमी बदली है और 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। पीएम का यह बयान राहुल गांधी के आरोपों के एक दिन बाद आया है। राहुल ने बुधवार को न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में कहा था कि भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। इसके पीछे बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी खामियां हैं।

50 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले-पीएम मोदी ने कहा कि 1970 के दशक में गरीबी हटाओ का नारा दिया गया था, तब भारत की आबादी करीब 50 करोड़ थी। लेकिन अर्थव्यवस्था पिछले 12-13 साल में बदली है। आज 50 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले हैं। पीएम ने कहा कि कुछ कंपनियां विदेशों के लिए बेहतर और भारत के लिए कम गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाती हैं। इस सोच को बदलना होगा।



ग्लोबल मार्केट के अवसरों का फायदा उठाएं

प्रधानमंत्री ने कारोबारियों से घरेलू बाजार तक सीमित न रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि कंपनियों को दूसरे देशों की जरूरतों और ग्राहकों की पसंद समझकर उत्पाद तैयार करने चाहिए। मोदी ने कहा कि सरकार रिफॉर्म एक्सप्रेस के जरिए लगातार सुधार कर रही है। उन्होंने कारोबारियों से बिना झिझक अपनी समस्याएं और सुधारों से जुड़े सुझाव देने को कहा। सरकार उनके साथ खड़ी है। पीएम ने कहा कि कंपनियों को ऐसे उत्पाद बनाने चाहिए, जो ग्राहकों की जरूरतों के मुताबिक हों और इस्तेमाल में आसान हों। इसके लिए बेहतर रिसर्च और नई तकनीक अपनाना जरूरी है।



सोना 1.30 लाख के नीचे आज 1,179 सस्ता हुआ

- 7 दिन में दाम 12 हजार गिरे, हफ्तेभर में चांदी 24 हजार सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट जारी है। सोना पिछले 7 कारोबारी दिनों में करीब 12 हजार रुपए और चांदी करीब 24 हजार रुपए सस्ती हो चुकी है। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, गुरुवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,179 रुपए घटकर 1.30 लाख रुपए से नीचे आ गई। वहीं, एक किलो चांदी का भाव 2,158 रुपए गिरकर 1.62 लाख रुपए रह गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर मजबूत होने और बड़े निवेशकों के ऊंची कीमतों पर सोना-चांदी बेचने से इनके दाम गिर रहे हैं।

रिकॉर्ड हाई से से 2.18 लाख रुपए गिरी चांदी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.80



लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक चांदी 2.18 लाख रुपए यानी करीब 130% सस्ती हो गई है। वहीं, 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.33 लाख रुपए था, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 46 हजार रुपए यानी करीब 35% सस्ता हो चुका है।

राहुल अमेरिका में बोले-

2024 का लोकसभा चुनाव अवैध था..लेकिन चुनाव का कभी बायकॉट नहीं करेंगे, ऐसा करते ही लोकतंत्र खत्म हो जाएगा

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव वैध नहीं था। इसमें कई फर्जी मतदाता थे। उन्होंने दावा किया कि एक ब्राजीलियाई महिला, जो कभी भारत नहीं आई, उसने एक विधानसभा चुनाव में 23 बार वोट डाला। राहुल से पूछा गया कि चुनाव में गड़बड़ी के बावजूद विपक्ष उनका बायकॉट क्यों नहीं करता? इस पर उन्होंने कहा, 'भारतीय लोकतंत्र हमारे लिए पवित्र है। अगर हमने चुनावों का बायकॉट करने का फैसला किया, तो उसी पल भारतीय लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। हम लोकतंत्र को खत्म नहीं करना चाहते। हमारी स्ट्रैटजी है कि हम लड़ें और भारत के लोगों को बताएं कि देश में क्या चल रहा है।' राहुल गांधी ने यह बात गुरुवार को यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो में प्रोफेसर रॉबर्ट पेप के साथ हुए संवाद के दौरान कही।

बहिष्कार का कदम नहीं उठा रहे...

राहुल ने कहा कि हम जानबूझकर चुनावी बहिष्कार का कदम नहीं उठा रहे हैं और हमें भरोसा है। चुनाव आयोग खुद अब अंदर से हमें जानकारी दे रहा है। इसलिए यह ढांचा कब ढहेगा, यह सिर्फ समय की बात है। चुनाव आयोग में वरिष्ठ लोग अब कह रहे हैं कि हम यह और नहीं कर सकते।'



- भारत में हिंदुओं की हिस्सेदारी घटेगी, अमेरिका में दोगुनी हो जाएगी

इस्लाम 2035 तक दुनिया का सबसे बड़ा धर्म होगा

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर धार्मिक आबादी में हो रहे बदलावों को लेकर अमेरिका की प्यू रिसर्च सेंटर की नई रिपोर्ट सामने आई है। इसके मुताबिक, दुनिया की आबादी 2050 तक 9.30 अरब पहुंच सकती है, जो 2010 में करीब 6.90 अरब थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2010 के मुकाबले 2050 तक मुस्लिम आबादी करीब 73% बढ़ सकती है। यानी मुसलमानों की आबादी 1.6 अरब से बढ़कर लगभग 2.76 अरब हो जाएगी। 2020 से 2050 के बीच भारत में हिंदुओं की आबादी 17.6 करोड़ बढ़ने का अनुमान है। हालांकि, देश की कुल आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी घटने का अनुमान है। इसके बावजूद 2070 तक हिंदू भारत की कुल आबादी के तीन-चौथाई से ज्यादा बने रहेंगे। इस दौरान अमेरिका में हिंदुओं की आबादी दोगुनी हो जाएगी।



अमेरिका में 90 लाख हो जाएगी हिंदू आबादी

अमेरिका में भी हिंदुओं की आबादी दोगुने से ज्यादा होने का अनुमान है। 2020 में यहां करीब 40 लाख हिंदू थे, जिनकी संख्या 2070 तक बढ़कर 90 लाख हो सकती है। इस क्षेत्र की कुल आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से बढ़कर 2 प्रतिशत होने का अनुमान है। अफ्रीका और लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन ऐसे क्षेत्र होंगे, जहां हिंदुओं की कुल संख्या में गिरावट आने की संभावना है।

मुस्लिम महिलाओं के औसतन बच्चों की संख्या ज्यादा

प्यू रिसर्च सेंटर के मुताबिक, पिछले कुछ दशक में भारत की कुल प्रजनन दर में गिरावट आई है। हालांकि, मुस्लिम महिलाओं के औसतन बच्चों की संख्या हिंदू महिलाओं से अधिक है। इसके अलावा भारत में मुस्लिम आबादी का आयु वर्ग भी अपेक्षाकृत युवा है। इन दोनों कारणों से आने वाले दशकों में देश की आबादी में मुस्लिमों का अनुपात बढ़ने और हिंदुओं की हिस्सेदारी में मामूली कमी आने का अनुमान है। प्यू रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि 2035 तक इस्लाम दुनिया का सबसे बड़ा धर्म बन सकता है। फिलहाल दुनिया में 2.27 अरब ईसाई और 2.02 अरब मुस्लिम हैं। अनुमान है कि 2035 तक मुस्लिम आबादी बढ़कर 2.57 अरब और ईसाई आबादी 2.52 अरब हो जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, मुस्लिम महिलाओं की प्रजनन दर सबसे ज्यादा है। 2020 से 2025 के बीच मुस्लिम महिलाओं में प्रति महिला औसतन 3.1 बच्चे पैदा हुए, जबकि ईसाई महिलाओं में यह आंकड़ा 2.5 और अन्य धर्मों में 1.6 रहा। प्यू के अनुमान के मुताबिक, 2070 तक दुनिया में मुस्लिमों की आबादी 3.6 अरब से ज्यादा हो सकती है।

दाऊद के पुश्तैनी घर 'मुसाफिरखाना' पर बुलडोजर एक्शन रोका गया

बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेश, बीएमसी ने गुरुवार को कार्रवाई शुरू की थी

इमारत मस्जिद का हिस्सा भी था शामिल



मुंबई। मुंबई में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के के पुश्तैनी घर 'मुसाफिरखाना' को गिराने पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने 23 नवंबर तक इमारत की मौजूदा स्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। यह इमारत दक्षिण मुंबई के भिंडी बाजार इलाके की पाकमोडिया स्ट्रीट पर स्थित है। बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी ने गुरुवार को भारी पुलिस सुरक्षा के बीच इमारत को गिराने की कार्रवाई शुरू की थी। इमारत को गिराने की कार्रवाई सड़क चौड़ीकरण से भी जुड़ी है। यह मकान मस्जिद का हिस्सा है। बीएमसी ने कहा था कि इमारत का केवल जर्जर हिस्सा गिराया जाएगा। मस्जिद को नहीं तोड़ा जाएगा।

1939 में बनी थी इमारत, सी-1 श्रेणी में रखा गया

हाजी इस्माइल हाजी हबीब मुसाफिरखाना नाम की यह इमारत 1939 में बनी थी। बीएमसी ने इसे जर्जर और खतरनाक घोषित करते हुए सी-1 श्रेणी में रखा था। इस श्रेणी में ऐसी इमारतें आती हैं जिन्हें खतरनाक मानकर गिराना जरूरी होता है। बीएमसी ने 18 और 19 नवंबर को इमारत गिराने की योजना बनाई थी। कार्रवाई के लिए मौके पर बड़ी संख्या में निगम कर्मचारी और पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। पूरी इमारत को चारों तरफ से नीली टिन की चादरों से ढक दिया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, भारी पुलिस सुरक्षा के बीच तोड़फोड़ की कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से शुरू हुई थी।

भाखड़ा नहर पर पुल ढहा, दो ट्रक फंसे, भीषण आग

पटियाला , एजेंसी। पंजाब के पटियाला में गुरुवार सुबह भाखड़ा नहर पर बना एक पुल ढह गया। हादसे में दो ट्रक पुल के क्षतिग्रस्त हिस्से में फंस गए, जिसमें से एक में भीषण आग लग गई। हालांकि, गनीमत रही कि दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यह घटना सुबह करीब छह बजे पटियाला-संगरूर बायपास (एनएच-07) पर हुई। करीब 60 मीटर लंबा स्टील ट्रस पुल अचानक ढह गया, जिससे बालू से भरा एक ट्रक और दूसरा ट्रक बीच में ही अटक गए। एक ट्रक चालक सुखविंदर सिंह ने बताया कि दूसरे ट्रक के फंसते ही उन्होंने अपना वाहन रोकने का प्रयास किया, जिससे उनके पैर में मामूली चोट आई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमों ने आग पर काबू पाया और पुलिस ने स्थिति संभाली। हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। प्रभावित मार्ग पर यातायात को तत्काल मोड़ दिया गया। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने बताया कि वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए बाईं ओर के यातायात को सर्विस रोड पर मोड़ा गया है। घटनास्थल पर चौबीसों घंटे सुरक्षा कर्मी, संकेतक और रोशनी की व्यवस्था की जा रही है। पुल ढहने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चला है, लेकिन स्थानीय निवासियों के अनुसार, पुल पहले भी हिलता था और इसकी शिकायत अधिकारियों से की गई थी। स्थानीय निवासी पवन कुमार ने पुल को करीब एक दशक पुराना बताया। एनएचएआई के अनुसार, चार लेन वाले पटियाला बायपास खंड को 2018 में उसे सौंपा गया था और अब यह मार्ग उसके अल्पकालिक रखरखाव अनुबंध के तहत है। दुर्घटनाग्रस्त पुल का निर्माण सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने पंजाब लोक निर्माण विभाग की निगरानी में किया था। भारतीय किसान यूनियन (क्रांतिकारी) के जिला अध्यक्ष अवतार सिंह भी घटना की सूचना मिलते ही मदद के लिए घटनास्थल पर पहुंचे।

गोधरा कांड के सात दोषियों की पैरोल तीन सप्ताह बढ़ी

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात हाईकोर्ट ने 2002 के गोधरा ट्रेन जलाने के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे सात दोषियों की पैरोल तीन सप्ताह बढ़ाने का आदेश दिया है। इन दोषियों को इसी वर्ष जून-जुलाई में चार महीने की पैरोल दी गई थी। अवधि बढ़ाने के लिए उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि दोषियों ने अपनी सजा में छूट यानी रिमिशन के लिए राज्य सरकार के समक्ष आवेदन किया है, लेकिन उन पर अब तक फैसला नहीं हुआ है। राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि रिमिशन की अर्जियां अभी विचाराधीन हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि सजा माफी की अर्जियों पर निर्णय में देरी होना दोषियों की गलती नहीं है। इसी आधार पर अदालत ने सातों दोषियों की पैरोल अवधि तीन सप्ताह बढ़ाने का फैसला किया। मामले में आगे की कार्रवाई राज्य सरकार के स्तर पर लंबित रिमिशन अर्जियों के निर्णय पर निर्भर करेगी।

कोर्ट ने घर की कुर्की का दिया आदेश, नगीना सांसद को झटका

गाजियाबाद , एजेंसी। नगीना सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद को एक बड़ा झटका लगा है। विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने 17 नवंबर को सुनवाई में पेश नहीं होने पर सख्त रुख अपनाते हुए उनके घर की कुर्की का आदेश जारी कर दिया है। यह मामला साल 2018 में गाजियाबाद के साहिबाबाद थाना क्षेत्र स्थित वृंदावन गार्डन में एक शादी समारोह के दौरान हुई मारपीट और गाली-गलौज से जुड़ा है, जिसकी शिकायत धर्मेंद्र कुमार ने की थी। इससे पहले, इसी अदालत ने सांसद के खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी किया था। 17 नवंबर को उन्हें अदालत में मौजूद रहने को कहा गया था, ताकि उनके खिलाफ आरोप तय किए जा सकें। हालांकि, वह एक बार फिर गैरहाजिर रहे। बताया गया कि चंद्रशेखर आजाद मुंबई में संसदीय कार्यसमिति की पूर्व निर्धारित बैठक में शामिल होने के कारण अदालत नहीं पहुंच सके। उनके अधिवक्ता ने हाजिरी माफी का प्रार्थना पत्र भी दिया था। लेकिन, अदालत ने इस प्रार्थना पत्र को अस्वीकार करते हुए कुर्की की कार्रवाई का आदेश दिया। मामले में अगली सुनवाई 8 दिसंबर को होगी। फिलहाल, अपने खिलाफ आए इस आदेश पर चंद्रशेखर आजाद की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

योगी का सपा पर वार: गुंडे-माफिया कभी सीधे नहीं हो सकते



लखनऊ , एजेंसी। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर रोड शो के दौरान हुई 14 वर्षीय मासूम आर्यवर्धन सिंह की मौत को लेकर कड़ा प्रहार किया। मुख्यमंत्री ने सपा को माफिया पोषक करार देकर कहा कि गुंडे-माफिया कभी सीधे नहीं हो सकते और उन्हें केवल डंडे से ही सीधा किया जा सकता है, जो काम उनकी सरकार कर रही है। सीएम योगी ने अपनी बात को बल देकर एक तीखी तुलना की। उन्होंने कहा, जैसे कुत्ते की पूंछ कभी सीधी नहीं हो सकती, उसी तरह सपा के गुंडे-माफिया कभी सीधे नहीं हो सकते। इन्हें डंडे से ही सीधा किया जा सकता है। उन्होंने सपा के रोड शो में व्याप्त अराजकता पर सवाल उठाकर कहा कि उनकी सरकार ने बेहतर सड़कें माफिया पोषक पार्टी के गुंडों को अराजकता फैलाने के लिए नहीं बनवाई हैं, बल्कि विकास और सुशासन के लिए बनाई हैं।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर हरी नाराजगी जाहिर की कि दुर्घटना के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना के दो शब्द भी नहीं कहे। उन्होंने भावुक होकर पूछा, आखिर उस होनहार मासूम आर्यवर्धन की गलती क्या थी? योगी ने घोषणा की कि वह स्वयं पीड़ित परिवार के घर जाएंगे और उन्हें हर हाल में न्याय दिलाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में किसी भी कीमत पर अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और माफियापोषक पार्टी के गुंडों को उनकी सही जगह दिखाई जाएगी।

अपने निर्धारित कार्यक्रमों के तहत, मुख्यमंत्री योगी ने इससे पहले वानिकी विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया, जहां वनमंत्री अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय का नाम ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के नाम पर रखने की घोषणा की। इस कार्यक्रम के उपरांत, योगी आदित्यनाथ टाउनहॉल में जनचौपाल लगाएंगे और इसके बाद वे आर्यवर्धन के घर जाकर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाएंगे।

झारखंड में इबोला को लेकर अलर्ट, अस्पतालों को 24 घंटे स्क्रीनिंग के निर्देश

रांची, एजेंसी। झारखंड में इबोला वायरस के संभावित खतरे को देखकर राज्य की हेमंत सोरोन सरकार अलर्ट मोड पर आ गई है। हालांकि, अब तक राज्य में इबोला संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन एहतियात के तौर पर स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की और रिम्स, मेडिकल कॉलेजों, सदर अस्पतालों सहित सभी स्वास्थ्य संस्थानों को केंद्र सरकार की गाइडलाइन का पालन करने का निर्देश दिया। मंत्री अंसारी ने अस्पतालों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा है। संदिग्ध मरीज मिलने पर तत्काल रिपोर्टिंग, जांच, आइसोलेशन और उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड, पीपीई किट और जरूरी चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता के साथ स्वास्थ्यकर्मियों को संक्रमण से बचाव का प्रशिक्षण देने पर भी जोर दिया गया है। एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और भीड़भाड़ वाले इलाकों में निगरानी बढ़ाने तथा राज्य के सभी 24 जिलों में 24 घंटे स्क्रीनिंग और रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने को कहा गया है। इससे पहले 12 नवंबर को रांची स्थित रिम्स में इबोला से निपटने की तैयारियों को लेकर मॉक ड्रिल आयोजित की गई थी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इबोला के लक्षण संक्रमण के 2 से 21 दिनों के भीतर दिखाई दे सकते हैं। इनमें तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, कमजोरी, उल्टी और दस्त शामिल हैं। गंभीर स्थिति में रक्तस्राव भी हो सकता है। यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के खून और शरीर के तरल पदार्थों के सीधे संपर्क से फैलता है, हवा से नहीं। मंत्री ने लोगों से घबराने और अफवाहों पर ध्यान देने के बजाय सतर्क रहने तथा लक्षण दिखने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने की अपील की।

आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, अंतरिम जमानत बरकरार

● आजम ने कहा- देश आजाद है, लेकिन संविधान कैद

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अंतरिम जमानत रद्द करने से इंकार किया है। शीर्ष अदालत ने केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका खारिज की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट ने आजम खान को अंतरिम जमानत दी है और वह इसमें दखल नहीं देगा। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आगे की सुनवाई इस आदेश में की गई टिप्पणियों से प्रभावित हुए बिना की जाए। आजम को मंगलवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जमानत दी थी, इसके खिलाफ ईडी बुधवार को ही सुप्रीम कोर्ट पहुंची और तत्काल सुनवाई की मांग की। ईडी ने गिरफ्तारी के आधार की जानकारी ने देने के आजम के दावे को गलत बताया। हालांकि, ईडी के जल्द सुनवाई के अनुरोध पर जस्टिस जोयमाल्या बागची ने टिप्पणी की थी कि अगर वह अंतरिम जमानत पर बाहर रहते हैं, तब कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई करने का फैसला किया था। इसके पहले आजम गाजियाबाद की डासना जिला जेल से रिहा हुए। उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 31 अक्टूबर को रामपुर जेल के बाहर से गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी दो पैन कार्ड मामले में सात साल की सजा पर रोक लगने के बाद उनकी रिहाई के दौरान हुई। रामपुर पहुंचने पर आजम ने अपनी रिहाई पर खुशी जताकर कहा कि उनका यह यकीन मजबूत हुआ है कि देश आजाद है, लेकिन संविधान कैद है। हम सभी को मिलकर संविधान की आजादी की मांग करनी चाहिए। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि अगर मुर्गी, बकरी और भैंस चोरी करने वाला व्यक्ति ईडी का आरोपी हो सकता है और विश्वविद्यालय बना सकता है, तब उनकी अल्लाह से दुआ है कि हर गली में एक मुर्गी चोर पैदा हो ताकि वह विश्वविद्यालय बना सके।



कुंभ से पहले हरिद्वार की सभी सड़कें होंगी दुरुस्त, दिसंबर तक निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश



हरिद्वार (शिखर समाचार)। सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में कुंभ मेला नियंत्रण भवन सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्र सरकार की विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई। सांसद ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जाए और विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्वच्छ भारत मिशन, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, पोषण अभियान तथा रोजगार एवं स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति पर चर्चा हुई। सांसद ने कहा कि सरकारी योजनाएं केवल कागजों और आंकड़ों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उनका वास्तविक लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता के साथ काम करने के निर्देश दिए।

कुंभ-2027 की तैयारियों को देखते हुए सांसद ने राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों को सड़क निर्माण एवं मरम्मत के सभी आवश्यक कार्य दिसंबर के अंत तक पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनवरी से शुरू होने वाले कुंभ मेले में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं और तीर्थयात्रियों के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में आवागमन को सुगम बनाने के लिए सड़कों की स्थिति बेहतर करना जरूरी है।

सांसद ने वृद्धावस्था एवं विधवा पेंशन से वंचित पात्र लोगों को चिह्नित कर शीघ्र लाभ देने तथा योजनाओं से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण करने को कहा। उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक बालिकाओं को इससे जोड़ने के निर्देश भी दिए।

बैठक में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और परिवहन विभाग के प्रयासों की सांसद ने सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछले तीन माह से लगातार वाहन जांच अभियान चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, जिससे दुर्घटनाओं पर नियंत्रण की दिशा में बेहतर परिणाम सामने आए हैं।

बैठक में पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई और क्षतिग्रस्त सड़कों से जुड़ी समस्याओं पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए निदेशों का सभी विभागों से समयबद्ध अनुपालन कराया जाएगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, महापौर किरण जैसल, भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, विधायक अनुपमा रावत, विधायक वीरेंद्र कुमार जाति, नगर आयुक्त नंदन कुमार, मुख्य विकास अधिकारी डा. ललित नारायण मिश्र, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अनिल वर्मा, जिला विकास अधिकारी के.के. पंत सहित जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कैंट क्षेत्र को 48.44 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात, आठ नई घोषणाओं से खुलेगी विकास की राह

देहरादून (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को कोलागढ़ में आयोजित जनसभा में कैंट विधानसभा क्षेत्र के लिए 48.44 करोड़ रुपये की 23 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 29.41 करोड़ रुपये की लागत वाली 10 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 19.03 करोड़ रुपये की लागत वाली 13 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में विकास और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए आठ महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं।



मुख्यमंत्री ने शास्त्रीनगर नाले के पुनर्निर्माण को शीघ्र स्वीकृति देने, हरवंश कपूर राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में राजकीय महाविद्यालय खोलने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने तथा कांवली रोड के दोबारा चौड़ीकरण की कार्रवाई करने की घोषणा की। लोक निर्माण विभाग के माध्यम से पांच करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। यमुना कॉलोनी के वार्ड 23, इंद्रापुरम के वार्ड 41 और हिंदलोक कॉलोनी के वार्ड 43 में एक-एक नलकूप स्थापित किए जाएंगे। गोविंदगढ़ में चार करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पेयजल लाइन मजबूत करने और विजय पार्क की लगभग पांच करोड़ रुपये की पेयजल योजना को आगामी कार्ययोजनाओं में शामिल करने की भी घोषणा की गई। प्रेमनगर को नगर पालिका में शामिल करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।



मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून को आधुनिक सुविधाओं से युक्त सुव्यवस्थित शहर बनाना सरकार की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में चारधाम ऑल वेदर सड़क, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना और दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे जैसी परियोजनाओं से प्रदेश की संपर्क सुविधाओं का विस्तार हो रहा है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में तीन लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। अंत्योदय परिवारों को साल में तीन निःशुल्क गैस सिलेंडर, महिलाओं को सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत आरक्षण और 208 प्रकार की रोग संबंधी जांच निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। पिछले पांच वर्षों में 35 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। प्रदेश में 1,900 से अधिक नए उद्यम भी विकसित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार का लक्ष्य है। कार्यक्रम में विधायक सविता कपूर, महापौर सौरभ थपलियाल, जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोभाल, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. दीपक सैनी सहित जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

देहरादून चिड़ियाघर में बढ़ा वन्यजीवों का आकर्षण, सफेद बाघ तेजस के बाड़े का लोकार्पण

देहरादून (शिखर समाचार)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मालसी स्थित देहरादून चिड़ियाघर में सफेद बाघ तेजस के बाड़े का लोकार्पण कर उसे पर्यटकों के अवलोकन के लिए समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सफेद बाघ के आगमन से चिड़ियाघर का आकर्षण बढ़ेगा और यहां आने वाले पर्यटकों को वन्यजीवों को करीब से देखने का नया अनुभव मिलेगा। उत्तराखंड में पहली बार सफेद बाघ लाया गया है, जिससे वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों के लिए यह एक नया आकर्षण बनेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि देहरादून चिड़ियाघर प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है। यहां प्रतिवर्ष लगभग 8.50 लाख पर्यटक पहुंचते हैं और इससे सात करोड़ रुपये से अधिक की आय होती है। सफेद बाघ के आने से पर्यटकों की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना है।



इससे पहले भी चिड़ियाघर में अन्य प्रजातियों के दो बाघ लाए गए थे, जिनसे पर्यटकों का आकर्षण बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चिड़ियाघर केवल मनोरंजन और पर्यटन का केंद्र नहीं है, बल्कि वन्यजीव संरक्षण तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। यहां बच्चों और युवाओं को वन्यजीवों, वन संपदा, जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र को समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने बताया कि पहले बच्चों के लिए चिड़ियाघर में निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था की गई थी। अब कॉलेजों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को भी निःशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण से जुड़ी जानकारियां व्यावहारिक रूप से प्राप्त हो सकेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड भौगोलिक और पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील राज्य है। यहां प्रतिवर्ष विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में विकास कार्यों के साथ पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। राज्य सरकार पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन कायम रखते हुए विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की समृद्ध वन संपदा और जैव विविधता हमारी अमूल्य प्राकृतिक धरोहर हैं। इनका संरक्षण करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। नई पीढ़ी को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाने में चिड़ियाघर जैसे केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।



इस अवसर पर वन मंत्री सुबोध उनियाल, प्रमुख सचिव वन आर.के. सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक (हॉफ) कपिल लाल सहित वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने सीजेपी, कांग्रेस और आप सहित कई दलों को नोटिस भेजे

नई दिल्ली, एजेंसी । सुप्रीम कोर्ट ने रामलीला मैदान में होने वाले विरोध प्रदर्शनों को लेकर एक अहम कदम उठाया है। व्यापारियों द्वारा दायर एक याचिका के बाद, अदालत ने अभिजीत दीपके की कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी), कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) सहित कई राजनीतिक दलों को नोटिस जारी किया है। व्यापारियों का तर्क है कि अगर प्रदर्शनों के लिए रामलीला मैदान की अनुमति दी जाती है, तो उनके व्यापार करने के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। व्यापारी पहले भी कांग्रेस के 1 नवंबर को हुए प्रदर्शन को लेकर आपत्ति जता चुके हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाली एक बेंच ने इस मामले में सुनवाई की। इस बेंच में जस्टिस जॉयमाला बागची और जस्टिस वी मोहाना भी शामिल थीं। बेंच ने इससे पहले व्यापारी संगठनों से इन आंदोलनकारी समूहों को पक्षकार बनाने के लिए कहा था। 3 नवंबर को सीजेआई ने इस संबंध में निर्देश दिए थे। बुधवार को अदालत ने स्पष्ट किया कि विरोध करने के अधिकार और व्यवसाय चलाने के अधिकार के बीच संतुलन स्थापित होना बेहद ज़रूरी है। सीजेपी, आप और कांग्रेस के अलावा, ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन को भी नोटिस मिला है, जिसकी प्रमुख नेहा बोरा हैं। नेहा बोरा अक्सर कांग्रेस और सीजेपी दोनों के प्रदर्शनों में प्रमुख रूप से नजर आती रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस आयुक्त को भी नोटिस जारी किए हैं। ये नोटिस दिल्ली किराना कमेटी और दिल्ली आयरन एंड हार्डवेयर मर्चेंट एसोसिएशन की संशोधित याचिका पर दिए गए हैं। व्यापारियों की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने अदालत में अपनी दलीलें रखीं। बेंच ने कहा कि नई जोड़ी गई रिट याचिका को रिकॉर्ड पर लिया गया है और नए प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए गए हैं। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि प्रदर्शनकारियों के विरोध करने का अधिकार और दूसरों के मौलिक अधिकार, जैसे कि व्यापार करने का अधिकार, दोनों पर एक साथ विचार किया जाना चाहिए। रोहतगी ने अपनी दलील में बताया कि रामलीला मैदान के पास की थोक मंडियों में विरोध प्रदर्शनों के कारण कारोबारी गतिविधियां बाधित होती हैं। उन्होंने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि रामलीला मैदान को विरोध प्रदर्शन के लिए अधिसूचित स्थानों में से एक के रूप में क्यों रखा गया है, जबकि यह व्यावसायिक गतिविधियों का एक प्रमुख केंद्र है।

गाजियाबाद के एमएमएच कॉलेज में परीक्षा देने निकले भाई-बहन संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाले भाई-बहन गाजियाबाद स्थित एमएमएच कॉलेज में परीक्षा देने जाते समय संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। काफी तलाश के बाद भी जब उनका कोई सुराग नहीं लगा, तो पीड़ित पिता ने थाने पहुंचकर दोनों की गुमशुदगी दर्ज कराई है और पुलिस से बच्चों की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार, बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के गांव जैतपुर निवासी केशव का पुत्र यतीन कुमार (20) और पुत्री करुणा चौधरी (23) 17 नवंबर की सुबह घर से निकले थे।



दोनों को गाजियाबाद के चौधरी मोड़ स्थित एमएमएच कॉलेज में परीक्षा देनी थी। देर शाम तक जब दोनों घर वापस नहीं लौटे, तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। परिवार वालों ने रिश्तेदारी और अन्य संभावित स्थानों पर उनकी काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद पिता केशव ने बाबूगढ़ थाने पहुंचकर लिखित तहरीर दी, जिसके आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है। बाबूगढ़ थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की टीम गठित कर दी गई है और प्रकरण की जांच उपनिरीक्षक सूर्यप्रकाश सिंह को सौंपी गई है। पुलिस टीम कॉलेज परिसर, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और संभावित मार्गों के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ-साथ दोनों के मोबाइल नंबरों की लोकेशन के आधार पर उनकी तलाश में जुटी हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही दोनों को सकुशल बरामद कर लिया जाएगा।

बर्गर ऑर्डर में देरी पर दुकानदार पर जानलेवा हमला



हापुड़ (शिखर समाचार)। सदर कोतवाली क्षेत्र के अतरपुरा चौपला पर बुधवार देर रात बर्गर विक्रेता पर बाइक सवार तीन युवकों ने जानलेवा हमला कर दिया। ऑर्डर देने में देरी होने से भड़के युवकों ने दुकानदार पर ईंट और चाकू से हमला बोल दिया। लहूलुहान हालत में दुकानदार ने सामने स्थित पुलिस चौकी में घुसकर अपनी जान बचाई। चौकी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो हमलावरों को दबोच लिया, जबकि उनका एक साथी मौके से फरार हो गया। घायल दुकानदार को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, मूल रूप से मेरठ निवासी अंकित अतरपुरा चौक पर बर्गर व रोल बनाने की दुकान संचालित करता है। बुधवार देर रात तगासराय निवासी तीन युवक उसकी दुकान पर पहुंचे और ऑर्डर देने को कहा। बताया जा रहा है कि अंकित ने वहां पहले से खड़े ग्राहकों को पहले बर्गर दे दिया, जिस पर युवकों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि उन्हें पहले क्यों नहीं दिया गया। अंकित ने थोड़ा समय मांगा, तो युवक गुस्से में भड़क गए और गाली-गलौज करने लगे। पीड़ित दुकानदार ने गाली देने का विरोध किया, तो तीनों युवकों ने उसे जबरन दुकान से बाहर खींच लिया। आरोप है कि दो युवकों ने उस पर ईंटों से हमला शुरू कर दिया, जबकि तीसरे युवक ने दुकान से चाकू उठाकर उस पर वार कर दिया। हमले में लहूलुहान होकर अंकित बाहर की ओर भागा, लेकिन हमलावरों ने उसे सड़क पर गिरा लिया। किसी तरह जान बचाकर अंकित दौड़ता हुआ दुकान के सामने स्थित अतरपुरा पुलिस चौकी में जा घुसा। घटना के दौरान चौकी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए दो हमलावरों को मौके पर ही पकड़ लिया, जबकि एक आरोपी भाग निकलने में सफल रहा। घायल अंकित को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है तथा फरार तीसरे आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है।

गाजियाबाद में मतदाता जागरूकता को लेकर जनपद स्तरीय क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन



गाजियाबाद (शिखर समाचार)। निर्वाचक साक्षरता क्लब (ईएलसी) के तहत संचालित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को विकास भवन स्थित दुर्गा देवी सभागार में जनपद स्तरीय क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ जिला विकास अधिकारी प्रज्ञा श्रीवास्तव एवं जिला विद्यालय निरीक्षक बुद्ध प्रिय सिंह द्वारा किया गया। इससे पूर्व, बीते 17 नवंबर को जनपद के सभी पांचों विधानसभा क्षेत्रों में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को लोकतंत्र और मतदान प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रारंभिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। इनमें से प्रत्येक विधानसभा से निबंध प्रतियोगिता के लिए 10 और क्विज के लिए 10 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया था। इन्हीं चयनित विद्यार्थियों के बीच गुरुवार को जनपद स्तर पर अंतिम मुकाबला कराया गया। क्विज प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अत्यंत उत्साह और जोश के साथ प्रतिभाग किया, वहीं निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने मतदाताओं को जागरूक करने के उपायों तथा मतदाता सूची से जुड़े फॉर्म-4, फॉर्म-6 और फॉर्म-8 की उपयोगिता पर अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के समापन पर प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, साथ ही सभी प्रतिभागियों को भी सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। मुख्य अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और समाज में मतदान के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

कौन हैं IAS हिमांशु नागपाल? जिनकी एंट्री से गाजियाबाद नगर निगम में मच गई है हलचल! क्या अब बदल जाएगी शहर की तस्वीर?

जनसुनवाई में शिकायतकर्ता के फीडबैक पर टिकी अफसरों की जवाबदेही - सीएम ग्रिड सड़कों का खुद किया निरीक्षण

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद नगर निगम की कमान अब तेजतर्रार कब्र अधिकारी हिमांशु नागपाल के हाथों में आ गई है। चार्ज संभालते ही नए नगर आयुक्त ने अपने तेवर साफ कर दिए हैं। जहां एक ओर वे सड़कों की गुणवत्ता परखने खुद ग्राउंड जीरो पर उतर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जनसुनवाई में अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए शिकायतों के निस्तारण पर सीधा 'फीडबैक सिस्टम' लागू कर दिया है।

उनकी कार्यशैली को देखते हुए निगम के गलियारों से लेकर पूरे शहर में एक ही चर्चा है "आखिर कौन हैं ये हिमांशु नागपाल, जिनके आते ही निगम का सिस्टम 'टर्बो मोड' में आ गया है?"

° आखिर कौन हैं नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल?

अपनी सख्त कार्यप्रणाली, पारदर्शी प्रशासन और त्वरित फैसलों के लिए पहचाने जाने वाले कब्र हिमांशु नागपाल ने गाजियाबाद नगर निगम का कार्यभार संभालते ही यह संकेत दे दिया है कि अब निगम में ढिलाई की कोई गुंजाइश नहीं है। वे 'क्लोज रूम मीटिंग्स' के बजाय 'ऑन-साइट इंस्पेक्शन' और जनता से सीधे संवाद में यकीन रखते हैं। चार्ज संभालने के शुरूआती दिनों में ही उन्होंने जिस तरह से एक साथ तीन बड़े मोर्चों इंफ्रास्ट्रक्चर (सीएम ग्रिड), जनसुनवाई और राष्ट्रीय महत्व के स्वजनगणना अभियान पर कमान संभाली है, उससे साफ है कि वे हर विभाग की नब्ज पर सीधा हाथ रख रहे हैं।

° क्या अब नगर निगम में बदलेगा खेल?

गाजियाबाद जैसे तेजी से विकसित होते महानगर में नगर निगम की भूमिका सबसे अहम है, लेकिन शहरवासियों की शिकायतें भी कम नहीं रही हैं टूटी सड़कें, सीवर-जलकल की समस्याएं, अतिक्रमण और फाइलों का अटकना! अब सवाल उठ रहा है कि क्या हिमांशु



नागपाल इस पुराने ढर्रे को पूरी तरह बदल पाएंगे?

प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि उनके आने से नगर निगम की कार्यप्रणाली में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है:

° ग्राउंड पर सीधा एक्शन (सीएम ग्रिड प्रोजेक्ट)

नगर आयुक्त ने मोहन नगर क्षेत्र में सीएम ग्रिड योजना के तहत विकसित सड़कों का खुद निरीक्षण किया। पहले चरण में 33.95 करोड़ रुपये की लागत से बनी सड़कों की गुणवत्ता



परखने के बाद अब दूसरे चरण में 280 करोड़ रुपये से वसुंधरा जोन (इंदिरापुरम, वैशाली, कौशांबी) की सड़कों के कायाकल्प को रफ्तार दी जा रही है। उनका साफ निर्देश है कि भूमिगत यूटिलिटी सेवाओं, चौड़े फुटपाथ और हरियाली के साथ शहर के प्रमुख मार्गों को वर्ल्ड-क्लास बनाया जाए।

° 'फीडबैक' से तय होगी अफसरों की जवाबदेही:

'संभव जनसुनवाई' में नगर आयुक्त ने साफ कर दिया है कि केवल कागजों पर शिकायतों का निस्तारण नहीं चलेगा। निर्माण, स्वास्थ्य, उद्यान, प्रकाश और जलकल विभाग की समस्याओं के समाधान के बाद अब विभागीय टीम को शिकायतकर्ता से अनिवार्य रूप से फोन कर फीडबैक लेना होगा, ताकि हकीकत का पता चल सके।

° जन-जागरूकता की नई पहल:

अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी के रूप में उन्होंने 30 नवंबर तक चलने वाले 'स्वजनगणना अभियान' को जन-आंदोलन बना दिया है। स्कूलों की रैलियों, नुक्कड़ नाटकों और रंगोली के जरिए शहरवासियों को खुद पोर्टल पर विवरण दर्ज करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिसके बाद 1 दिसंबर से 4 जनवरी तक 3,577 प्रगणकों की टीम घर-घर दस्तक देगी।

° अफसरों में हड़कंप, जनता को 'नई हवा' की उम्मीद

नगर आयुक्त ने सभी विभागीय अधिकारियों को दो-टूक निर्देश दिए हैं कि किसी भी शिकायत को लंबित रखने के बजाय उसका तत्काल और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें। जनसुनवाई के अलावा अन्य दिनों में आने वाले शिकायती पत्रों को भी पोर्टल पर दर्ज कर उनकी सीधी निगरानी की जा रही है।

व्यापारियों और आम नागरिकों में अब यह उम्मीद जगी है कि नए नगर आयुक्त के आने से निगम के सिस्टम में नई ऊर्जा का संचार होगा। शहर के लोगों की जुबान पर अब यही बात है "अब काम लटकेगा नहीं, क्योंकि हर काम का फीडबैक सीधे नगर आयुक्त के पास जाएगा!"

हापुड़ में डीएम कविता मीना की अध्यक्षता में हुई जिला गन्ना समिति की समीक्षा बैठक

हापुड़ (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में गुरुवार को जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में जिला गन्ना समिति की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिले में आगामी गन्ना पेराई सत्र की तैयारियों, किसानों के बकाया गन्ना मूल्य भुगतान, सर्वे-सट्टा प्रक्रिया तथा गन्ना किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के त्वरित निस्तारण को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी कविता मीना ने जिला गन्ना अधिकारी तथा चीनी मिलों के प्रतिनिधियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश दिए कि जिले की चीनी मिलों में सुचारू एवं समयबद्ध रूप से गन्ना पेराई कार्य शुरू करते हुए किसानों का बकाया गन्ना मूल्य भुगतान प्राथमिकता के आधार पर कराया



जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों की आर्थिक मजबूती और उनके हितों की रक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए भुगतान प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पेराई सत्र के दौरान गन्ना क्रय केंद्रों और चीनी मिलों पर किसानों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि तौल व्यवस्था पारदर्शी रहे, क्रय केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो और सर्वे व सट्टा से संबंधित जो भी शिकायतें या समस्याएं सामने आएं, उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान किया जाए। उन्होंने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए।

खेल प्रतिभाओं के सम्मान से बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह, पालिका ने किया सम्मानित

बिजनौर (शिखर समाचार)। प्रदेश स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को नगर पालिका परिषद बिजनौर की ओर से सम्मानित किया गया। नगर पालिका के डॉ. भीमराव आंबेडकर सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में पालिकाध्यक्ष इंदिरा सिंह ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इनके जरिए अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। जिले की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए नगर पालिका स्तर से हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

समारोह में भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयोजक डॉ. बीरबल सिंह ने कहा कि जिला मुख्यालय पर खिलाड़ियों



की सुविधाओं के लिए एक और स्टेडियम की आवश्यकता है। इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए, ताकि जिले के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और अभ्यास की सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने उम्मीद जताई कि उचित संसाधन और मार्गदर्शन मिलने पर जिले के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के साथ एशियाई खेलों और ओलंपिक जैसी प्रतियोगिताओं में भी पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ा सकेंगे। इस अवसर पर प्रदेश स्तरीय मैराथन में प्रथम एवं द्वितीय स्थान हासिल करने वाले आदित्य वीर सिंह और नरेंद्र सिंह को सम्मानित किया गया। इनके अलावा एथलीट दिव्या पाल, निकेत खान, कोच तरुण शहरावत, खेल प्रतिभा प्रिया सिंह, प्रतीका राठी और अमित राठी को भी सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह, सभासद घनश्याम गुप्ता, राजकुमार, संजय बिश्नोई, प्रभाकर, प्रिंस, जुल्फिकार बेग, मानव सचदेवा, सुरेंद्र सिंह, शमशाद अहमद, लेखा परीक्षक वीरेंद्र कुमार, नदीम अहमद, सोनिका और नेहा शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

गाजियाबाद के वसुंधरा स्थित जेकेजी हाइट्स के दो फ्लैटों में लगी आग

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। वसुंधरा सेक्टर-18 स्थित बहुमंजिला सोसायटी जेकेजी हाइट्स के आठवें और नौवें फ्लोर पर गुरुवार दोपहर अचानक आग लग गई। ऊंचाई पर स्थित फ्लैटों में आग की लपटें और धुआं उठता देख सोसायटी में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग ने तत्काल मोर्चा संभाला और चार फायर टैंकरों तथा एक हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूर्ण रूप से बुझा दिया। दमकल कर्मियों की त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। अग्निशमन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर करीब 1:00 बजे फायर स्टेशन वैशाली को वसुंधरा सेक्टर-18 स्थित जेकेजी हाइट्स के आठवें और नौवें तल पर आग लगने की सूचना मिली। ऊंची इमारत होने के कारण विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके के लिए चार फायर टैंकर और एक आधुनिक हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म रवाना किया। घटनास्थल पर पहुंचने पर पाया गया कि सोसायटी के फ्लैट संख्या 801 और 901 आग की चपेट में हैं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ)



के नेतृत्व में अग्निशमन कर्मियों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म और अन्य उपकरणों की सहायता से दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों फ्लैटों में लगी आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। अधिकारियों ने बताया कि घटना के समय मौके पर फ्लैट संख्या 801 के स्वामी सौरभ पात्रा और फ्लैट संख्या 901 की स्वामिनी पारुल कश्यप उपस्थित थीं। दमकल टीम की तत्परता और सूझबूझ से आग को अन्य फ्लैटों में फैलने से रोक लिया गया, जिससे आसपास के दर्जनों परिवार सुरक्षित बच गए। घटना में कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ है। अग्निशमन विभाग की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की सोसायटी के निवासियों तथा स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा सराहना की गई।

गाजियाबाद के जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट में सुनीं जनसमस्याएं, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश



गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई का आयोजन कर आम नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। जनसुनवाई के दौरान विद्युत विभाग, राजस्व विभाग और समाज कल्याण विभाग सहित अन्य कई विभागों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं।

जिलाधिकारी ने मौके पर प्राप्त सभी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का समाधान पूर्ण गुणवत्ता और निर्धारित समयसीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए तथा निस्तारण प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब न बरता जाए।

अधिकारियों को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि आमजन की शिकायतों को संवेदनशीलता और गंभीरता से लेते हुए उनका निष्पक्ष निस्तारण किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी शिकायतकर्ता को अपने काम के लिए अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और प्रत्येक प्रकरण में नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं का समयबद्ध एवं संतोषजनक समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बिना अनुमति विज्ञापन लगाने वालों पर पालिका की कार्रवाई, नूरपुर रोड से हटाए अवैध होर्डिंग



बिजनौर (शिखर समाचार)। शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के साथ-साथ सार्वजनिक स्थलों पर अवैध रूप से लगाए जा रहे विज्ञापन बोर्डों पर अंकुश लगाने के लिए नगर पालिका परिषद बिजनौर ने अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में गुरुवार को पालिका प्रशासन की टीम ने नूरपुर रोड पर अभियान चलाकर बिना अनुमति लगाए गए होर्डिंग और विज्ञापन बोर्ड हटवा दिए। कार्रवाई के दौरान ऐसे विज्ञापन बोर्डों को निशाना बनाया गया, जिनके लिए नगर पालिका से निर्धारित अनुमति नहीं ली गई थी और न ही नियमानुसार शुल्क जमा कराया गया था। अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में पालिका अधिकारियों के साथ पुलिस प्रशासन की टीम भी मौजूद रही। अभियान के दौरान सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर अव्यवस्थित ढंग से लगाए गए विज्ञापन बोर्डों को हटाया गया। कार्रवाई में कर अधीक्षक नरेंद्र पाल सिंह यादव, सफाई निरीक्षक गोविंद चौधरी, टीएसआई रवि नैन सिंह सहित पुलिसकर्मी और नगर पालिका के कर्मचारी शामिल रहे। पालिका प्रशासन का कहना है कि शहर की सुंदरता और यातायात व्यवस्था को प्रभावित करने वाले अवैध विज्ञापनों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। बिना अनुमति और निर्धारित शुल्क जमा किए विज्ञापन बोर्ड लगाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने विज्ञापन कारोबार से जुड़े लोगों से अपील की है कि वे किसी भी स्थान पर होर्डिंग या विज्ञापन बोर्ड लगाने से पहले नगर पालिका से अनुमति प्राप्त करें और निर्धारित शुल्क जमा कर नियमों का पालन करें, ताकि शहर की व्यवस्था और सुंदरता बनाए रखने में सहयोग मिल सके।

नगीना-बढ़ापुर में 821 बूथों पर मतदाता सूचियां जारी, नए वोट बनवाने के लिए चार दिन विशेष अभियान

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत नगीना और बढ़ापुर विधानसभा क्षेत्रों के सभी 821 मतदान केंद्रों पर संशोधित मतदाता सूचियों का प्रकाशन कर दिया गया है। संबंधित बूथों पर बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने मूल और पूरक मतदाता सूचियां उपलब्ध करा दी हैं, ताकि मतदाता अपने नाम की जांच कर सकें और सूची में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर समय रहते सुधार करा सकें। उपजिलाधिकारी जितेंद्र सिंह वीरवाल ने बताया कि 18 नगीना विधानसभा क्षेत्र के 401 तथा 19 बढ़ापुर विधानसभा क्षेत्र के 420 मतदान केंद्रों पर मतदाता सूचियां प्रकाशित की गई हैं। पूरक सूचियों में उन युवाओं को शामिल करने की प्रक्रिया की गई है, जो



एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं। इसके अलावा विभिन्न कारणों से पूर्व में मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित रह गए पात्र लोगों को भी शामिल करने का अवसर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नए मतदाताओं के पंजीकरण और छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम शामिल कराने के लिए 21 व 22 नवंबर तथा 28 व 29 नवंबर को सभी मतदान केंद्रों पर विशेष अभियान चलाया जाएगा। इन दिनों बूथ स्तरीय अधिकारी पात्र युवाओं और अन्य छूटे हुए मतदाताओं से प्रपत्र-6 भरवाकर उनके नाम मतदाता सूची में शामिल कराने की प्रक्रिया पूरी करेंगे। उपजिलाधिकारी ने बताया कि मतदाता जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 20 और 21 नवंबर को एसडीएम परिसर में प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए नगीना और बढ़ापुर क्षेत्र के राशन विक्रेताओं को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि वे पात्र युवाओं की पहचान कर उन्हें मतदाता बनने के लिए प्रेरित कर सकें। उन्होंने अभियान में लगे कर्मचारियों को पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि कार्य में लापरवाही मिलने पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

श्याम बाबा की विशाल निशान शोभायात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, रंग-बिरंगे निशानों और जयकारों से गूंजा नगर

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। श्री खाटू श्याम कुटुम्ब सेवा परिवार मंदिर समिति ट्रस्ट (रजिस्टर्ड) के तत्वावधान में गुरुवार को नगर में श्याम बाबा की भव्य, विशाल एवं संगीतमय निशान शोभायात्रा निकाली गई। रंग-बिरंगे निशानों, भजनों की मधुर धुनों और 'हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा' के जयकारों से पूरा शहर श्याममय हो उठा। शोभायात्रा का शुभारंभ हापुड़ मोड़ स्थित श्री ठाकुरद्वारा मंदिर से हुआ। मंदिर प्रांगण में निशानों की विधिवत पूजा-अर्चना के उपरांत बाबा श्याम का भव्य श्रृंगार कर उन्हें सुसज्जित रथ पर विराजमान किया गया। श्री दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर के महंत नारायण गिरी और पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल ने बाबा की पावन जोत



प्रज्वलित कर यात्रा को रवाना किया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे श्याम प्रेमी हाथों में निशान लेकर उत्साहपूर्वक यात्रा में शामिल हुए। ढोल-नगाड़ों, शहनाई और डीजे पर बजते श्याम बाबा के भजनों पर बच्चे, युवा और बुजुर्ग झूमते नजर आए। यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों—दिल्ली गेट, चौपला, रमते राम रोड, जीटी रोड और चौधरी मोड़ होते हुए अम्बेडकर रोड स्थित श्याम मार्ग पर श्री बालाजी एवं खाटू श्यामजी मंदिर प्रांगण में पहुंचकर संपन्न हुई। मंदिर पहुंचने पर सभी श्रद्धालुओं ने श्याम बाबा को अपने निशान अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया, जिसके पश्चात सामूहिक भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री खाटू श्याम कुटुम्ब सेवा परिवार मंदिर समिति ट्रस्ट द्वारा मंदिर में बाबा की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से प्रत्येक वर्ष इस धार्मिक महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को सफल बनाने में ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामीण विकास और रोजगार सृजन में सहकारिता की अहम भूमिका

लखनऊ, एजेंसी। बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के अर्थशास्त्र विभाग की ओर से इफको के सहयोग से ग्रामीण विकास में सहकारिता की भूमिका और भविष्य की संभावनाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। इस दौरान मुख्य वक्ता प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के संयुक्त सचिव डॉ. के.के त्रिपाठी ने कहा सामूहिकता, सहभागिता और सहयोग की भावना ही सहकारिता का मूल आधार है। इस मौके पर आईआईएम अहमदाबाद के प्रो. संजय वर्मा और डॉ. बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के प्रो. वेद प्रकाश त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

रेलवे की जटिल समस्याओं को दूर करेगा आईआईटी

कानपुर, एजेंसी। भारतीय रेल की जटिल समस्याओं, परिचालन व्यवस्था को बेहतर करने में आईआईटी कानपुर मदद करेगा। आईआईटी ने रेलवे की सूचना प्रौद्योगिकी और डेटा प्रबंधन से जुड़े कार्यों को देखने वाले सेंटर फॉर रेलवे इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स (सीआरआईएस) के साथ समझौता किया है। समझौते के तहत दोनों संस्थान रेलवे से जुड़ी जटिल समस्याओं का समाधान खोजने के लिए ऑप्टिमाइजेशन, ऑपरेशंस रिसर्च और डेटा एनालिटिक्स के क्षेत्र में मिलकर शोध एवं तकनीकी कार्य करेंगे। संस्थान के डीन आरएंडडी (रिसर्च एंड डेवलपमेंट) प्रो. जयंधरन जी राव और सीआरआईएस के प्रबंध निदेशक जीवीएल सत्य कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किया। वैज्ञानिकों की टीम स्टार्टअप्स के साथ मिलकर रेलवे की वास्तविक जरूरतों और चुनौतियों को समझेगी और उनके लिए वैज्ञानिक एवं तकनीकी समाधान विकसित करेगी। प्रो. जयंधरन ने बताया कि इस साझेदारी में ऑप्टिमाइजेशन और ऑपरेशंस रिसर्च की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इन तकनीकों के माध्यम से रेलवे की जटिल प्रक्रियाओं का गणितीय और वैज्ञानिक विश्लेषण कर उन्हें अधिक प्रभावी बनाने के विकल्प तलाशे जा सकेंगे। डेटा एनालिटिक्स के जरिए रेलवे से जुड़े बड़े पैमाने पर उपलब्ध आंकड़ों का अध्ययन कर उपयोगी निष्कर्ष निकाले जा सकेंगे।

आधुनिक लॉन्ड्री में धुलेंगे कपड़े, यमुना किनारे बंद होंगे धोबीघाट

आगरा, एजेंसी। यमुना को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए अब नदी किनारे संचालित हो रहे परंपरागत धोबीघाट पूरी तरह बंद किए जाएंगे। इसके विकल्प के रूप में नगर निगम ने झरना नाले के पास करीब दो करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक लॉन्ड्री तैयार कराई है। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर निर्मित इस प्लांट में एक बार में 200 किलो कपड़े धुल सकेंगे। नगर निगम प्रशासन ने प्लांट के संचालन के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है। नदी किनारे धुलाई बंद होने से कामगारों की आजीविका प्रभावित न हो, इसके लिए निगम की टीम बुधवार को यमुना में कपड़े धोने वाले धोबी समाज के लोगों को चिह्नित करने के लिए पहुंची। उनकी सूची तैयार की गई है। सूचीबद्ध कामगारों को आधुनिक प्लांट में रियायती दरों पर कपड़े धोने की सुविधा मिलेगी। अपर नगर आयुक्त शिशिर कुमार ने बताया कि लाभार्थियों की सूची तैयार होते ही प्लांट शुरू करा दिया जाएगा। शहर में धोबीघाटों के लिए चिह्नित जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायतें भी मिली हैं। निर्धारित भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए जल्द ही अभियान चलाया जाएगा। आधुनिक लॉन्ड्री शुरू होने से यमुना किनारे कपड़े धोने से होने वाला प्रदूषण रुकेगा और धोबी समाज को बेहतर विकल्प मिलेगा। घाटों के लिए चिह्नित जमीन पर कब्जे की शिकायतों की जांच कराकर अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया जाएगा।

दुकानदार के पैन कार्ड से दो राज्यों में किया 36.97 करोड़ का कारोबार

अलीगढ़, एजेंसी। शहर के छोटे कन्फेक्शनरी दुकानदार के पैन कार्ड, आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों का दुरुपयोग कर जालसाजों ने दो राज्यों में फर्जी जीएसटी फर्में पंजीकृत करा लीं। इन फर्मों के जरिये वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 36.97 करोड़ रुपये का कारोबार दर्शाया गया है। अब एसएसपी के आदेश पर इस मामले में गांधी पार्क थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। बापू नगर निवासी शुभम कुमार वार्ष्णेय छर्रा अड्डा छिपैटी बाजार में कन्फेक्शनरी की छोटी दुकान चलाते हैं। उन्होंने पुलिस से शिकायत की उन्होंने कभी अपने नाम से जीएसटी पंजीकरण नहीं कराया और न ही इसके लिए कोई आवेदन किया। 31 अगस्त 2026 को जब वह इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने के लिए पोर्टल पर पहुंचे तो उनके पैन नंबर से जुड़ीं दो जीएसटी फर्मों का विवरण दिखाई दिया। जालसाजों ने शुभम के दस्तावेजों का इस्तेमाल कर उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में एसके एंटरप्राइजेज और दिल्ली के बवाना नॉर्थ में कुमार ट्रेडिंग के नाम से फर्जी पंजीकरण कराया है। इन दोनों फर्मों के खातों से वित्तीय वर्ष 2025-26 में करीब 37 करोड़ रुपये का टर्नओवर दिखाया गया है। पीड़ित कारोबारी ने एसएसपी को दिए प्रार्थना पत्र में किसी भी तरह के लेन-देन, टैक्स चोरी या वित्तीय अनियमितता से साफ इन्कार किया है। गांधी पार्क पुलिस अब इस बात की पड़ताल कर रही है कि एक ही व्यक्ति के पैन पर दो राज्यों में जीएसटी पंजीकरण कैसे हुआ, बैंक खाते किसके नियंत्रण में थे और इन फर्मों के जरिए फर्जी बिलिंग या इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का खेल किसने खेला है। आशंका है कि दुकानदार ने अपने कागजात किसी अन्य काम के लिए इस्तेमाल किए या दिए थे। वहां से उसके कागजात लेकर यह फर्जीवाड़ा किया गया है। एसपी सिटी आदित्य बंसल का कहना है कि इस मामले में शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। जांच के बाद पूरा मामला सामने आएगा।

निवेश, उद्योग और नवाचार को बढ़ावा, एफडीआई नीति में संशोधन

जमीन गिरवी रखकर कर्ज जुटाने की सुविधा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने विदेशी और घरेलू निवेश को आकर्षित करने के लिए अपनी एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश), विदेशी पूंजी निवेश और फॉर्च्यून ग्लोबल-500 व फॉर्च्यून इंडिया-500 निवेश प्रोत्साहन नीति-2023 में दूसरा संशोधन किया है। इस संशोधन के तहत, निवेशक अब आवंटित औद्योगिक जमीन को परियोजना के वित्तपोषण के लिए कोलेटरल (गारंटी) के रूप में इस्तेमाल कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त, 3000 करोड़ रुपये या इससे अधिक निवेश वाली रणनीतिक अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को विशेष प्रोत्साहन पैकेज देने का भी प्रावधान किया गया है।



निवेशकों के लिए वित्तीय संसाधन जुटाना आसान : संशोधित नीति के अनुसार, औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र के लिए चिह्नित जमीन पर अपफ्रंट लैंड सब्सिडी लेने वाली इकाइयों को मौजूदा बंधक व्यवस्था के विकल्प के रूप में सब्सिडी के बराबर अपरिवर्तनीय बैंक गारंटी या राज्य सरकार द्वारा निर्धारित समतुल्य वित्तीय प्रतिभूति जमा करने की सुविधा मिलेगी। इससे निवेशकों को आवंटित जमीन को परियोजना के वित्तपोषण के लिए गिरवी रखने का मार्ग प्रशस्त होगा। यह कदम निवेशकों के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने की प्रक्रिया को आसान बनाएगा और बड़े निवेश प्रस्तावों को प्रोत्साहित करेगा।

आईआईटी कानपुर का नोएडा में डीप टेक यू हब : कैबिनेट ने नवाचार, अनुसंधान और अत्याधुनिक तकनीक आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी कानपुर के नोएडा परिसर में डीप टेक यू हब की स्थापना और भवन निर्माण के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। इस परियोजना पर कुल 281.03 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि परियोजना के तहत ईपीसी मोड में भवन निर्माण कराया जाएगा और इसे दो साल में पूरा करने का लक्ष्य है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में इसके लिए 100 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। डीप टेक यू हब को सेक्शन-8 कंपनी के रूप में पंजीकृत संस्था के तौर पर स्थापित किया जाएगा।

औद्योगिक विवाद संशोधन विधेयक-2020 वापस लेगी यूपी सरकार : राज्य सरकार उप्र. औद्योगिक विवाद (संशोधन) विधेयक 2020 को केंद्र सरकार से वापस ले रही है। औद्योगिक संबंध संहिता-2020 के अनुरूप विधेयक का एक प्रावधान नहीं होने के कारण केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसे वापस लेने की अपेक्षा की थी।

कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। श्रमिकों के कल्याण और उद्योगों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए श्रम कानूनों में व्यापक बदलाव की प्रक्रिया के तहत राज्य सरकार ने उप्र. औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 में संशोधन का प्रस्ताव तैयार किया था। केंद्र सरकार ने पाया कि विधेयक की धारा 6 (ज) में प्रस्तावित संशोधन औद्योगिक संबंध संहिता 2020 के अनुरूप नहीं है, इसलिए विधेयक वापस लेने की अपेक्षा की गई थी।

अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज : 3000 करोड़ रुपये या इससे अधिक के निवेश वाली रणनीतिक अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को जरूरत के आधार पर विशेष प्रोत्साहन पैकेज देने पर प्राधिकृत समिति विचार कर सकेगी, हालांकि इस पर अंतिम फैसला कैबिनेट का होगा। यह नीति निवेशकों के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने की प्रक्रिया को आसान बनाने और बड़े निवेश प्रस्तावों को प्रोत्साहित करने का प्रयास है।

संतों की संगति से बदल जाता है मनुष्य का जीवन, ईश्वर भक्ति ही कल्याण का श्रेष्ठ मार्ग : आत्मानुभवी महाराज

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव जन्धेड़ा समसपुर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत ज्ञान एवं संस्कार कथा का आध्यात्मिक वातावरण में समापन हो गया। समापन अवसर पर प्रसिद्ध भागवताचार्य आत्मानुभवी महाराज ने श्रद्धालुओं को सत्संगति, सदाचार और ईश्वर भक्ति का महत्व बताते हुए कहा कि अच्छी संगति से नास्तिक और दुगुर्णों से घिरा मनुष्य भी श्रेष्ठ मानव बन सकता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार पारस के स्पर्श से लोहा सोना बन जाता है और गंदे नाले का जल समुद्र में मिलकर समुद्र का स्वरूप प्राप्त कर लेता है, उसी प्रकार संतों की संगति मनुष्य के जीवन को बदल देती है।



आत्मानुभवी महाराज ने कहा कि मानव जीवन स्वयं एक सद्ग्रंथ है, जिसमें समस्त कलाओं और गुणों के विकास की अपार संभावनाएं हैं। आज से 5224 वर्ष पूर्व कुरुक्षेत्र के मैदान में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को योग का उपदेश दिया था, जो आज भी पूरे संसार के लिए संजीवनी के समान है। सत्य की एक चिंगारी भी प्रज्वलित हो जाए तो वह पाप रूपी ईंधन को जलाकर भस्म कर सकती है। उन्होंने कहा कि काम, क्रोध, लोभ, मोह और ईर्ष्या जैसे विकार मनुष्य के भीतर ही मौजूद हैं। इसलिए अपने हृदय को पवित्र बनाना ही उसकी सबसे बड़ी साधना है। शांति और क्रांति दोनों मनुष्य के भीतर ही निवास करती हैं। सत्संगति जहां आंतरिक शांति को प्रकट करती है, वहीं कुसंगति जीवन में गलत प्रवृत्तियों को जन्म देती है। कर्म, यज्ञ, तप, जप, दान, व्रत और नियम कल्याण के साधन हैं, लेकिन ईश्वर भक्ति सबसे श्रेष्ठ मार्ग है। मनुष्य जन्म ईश्वर का दिया हुआ अनमोल खजाना है, जिसका सदुपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में प्रद्युमन शर्मा, पंडित जय भगवान शर्मा, चौधरी शिशुपाल, चंद्रपाल, अंकुर, परीक्षित सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

छोटे दलों को अपने हिस्से की सीटें दे सकती है सपा, विपक्षी गठबंधन को मजबूती देने की रणनीति

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में भाजपा के खिलाफ विपक्षी गठबंधन को मजबूती व व्यापकता देने के लिए समाजवादी पार्टी अलग रणनीति पर काम कर रही है। वह पुराने छोटे साथी दलों को साथ रखने के लिए अपने कोटे की सीटें दे सकती है। क्षेत्रों में सीमित जनाधार वाले इन दलों को कुछ सीट देकर सपा को लाभ की उम्मीद है। साथ ही, इस कदम के जरिये वह अपने प्रतिद्वंद्वी भाजपा के साथ-साथ सहयोगी कांग्रेस को भी राजनीतिक संदेश देना चाहती है।

सूत्रों के मुताबिक आम आदमी पार्टी (आप), महान दल और अपना दल (कमेरावादी) सपा मुखिया अखिलेश यादव के संपर्क में हैं। कांग्रेस के साथ सीट वितरण तय हो जाने के बाद सपा इन दलों को अपने कोटे से कुछ सीटें दे सकती है। सपा मुखिया अखिलेश यादव कह चुके हैं कि साथ छोड़कर जाने वाले दलों और विधायकों को दोबारा साथ नहीं लेंगे। उनका इशारा खास तौर पर सुभासपा की ओर था जो भाजपा नीत एनडीए की घटक है और भाजपा से अधिक-से-अधिक सीटें चाहती है।

आप दर्जन भर सीट पर कर रही तैयारी : आप व सपा के बीच तालमेल को लेकर बात हुई है। पंजाब में सत्ताधारी आप का मुकाबला भाजपा



के साथ-साथ कांग्रेस से भी है जबकि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस व सपा का गठबंधन है। ऐसे में सपा के लिए चुनौती है कि वह कांग्रेस के प्रतिद्वंद्वी को कैसे समायोजित करती है।

दिलचस्प है कि कांग्रेस ने स्वामी प्रसाद मौर्य को अपने साथ रखा हुआ है जो सपा को निशाने पर लिए हुए हैं। मौर्य भी दावा कर रहे हैं कि वह कांग्रेस कोटे से अपने लिए सीटें मांगेंगे, न कि सपा से। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व आप मुखिया अरविंद केजरीवाल के भी अखिलेश से घनिष्ठ संबंध हैं। आप दर्जन भर सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। ऐन वक्त पर सपा उसे चार-पांच सीटें दे सकती है। ममता की पार्टी तृणमूल का यूपी में कोई जनाधार नहीं है लेकिन उसे एक या दो सीट मिल सकती है।

ओबीसी वोटों के लिए अपना दल व महान दल का साथ : महान दल, सपा के साथ पहले भी रह चुका है। बीच में उनके संबंध बिगड़े थे। अब फिर महान दल के सुर बदले हैं और सपा के संपर्क में है। उसकी 10-12 सीटों पर निगाहें हैं। इनमें बिल्सी, सहसवान, दातागंज शामिल हैं। यह दल मध्य प्रदेश चुनाव में सपा के साथ गठबंधन में तब आया जब सपा-कांग्रेस गठबंधन टूट गया। वहीं, अपना दल (कमेरावादी) 2022 के चुनाव में सपा के साथ था। पार्टी नेता पल्लवी पटेल सपा के टिकट पर विधायक बनी थीं। सपा इन दोनों दलों को मिलाकर छह-सात सीटें देने के मूड में है।

इंदिरा गांधी की जयंती पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि, उनके विचारों को अपनाने का लिया संकल्प

शामली (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कैंप कार्यालय पर गुरुवार को देश की पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न इंदिरा गांधी की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए और उनके योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान मिष्ठान वितरित कर उनके आदर्शों एवं विचारों पर चलने का संकल्प भी लिया गया।



कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि इंदिरा गांधी का जीवन संघर्ष, दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस और निर्णय क्षमता का प्रतीक रहा है। उन्होंने भारतीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई और देश के नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने दृढ़ता के साथ निर्णय लेकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की पहचान मजबूत करने का प्रयास किया। उनका राजनीतिक जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक रहेगा।

वैभव गर्ग ने कहा कि इंदिरा गांधी को उनकी राजनीतिक दृढ़ता, नेतृत्व क्षमता और देश के प्रति समर्पण के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उनका व्यक्तित्व महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके जीवन से साहस, आत्मविश्वास, संघर्षशीलता और जनसेवा की भावना की सीख मिलती है।

उन्होंने कार्यकताओं से उनके विचारों को आत्मसात करते हुए समाज और देश की सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर वैभव गर्ग, ओमवीर उपाध्याय, पंडित नरेंद्र शर्मा, डा. श्रीपाल सिंह, सोहिल धीमान, सुभाष चन्द्र, सुरेश पाल सैनी, पुनीत शर्मा, विनोद कुमार अत्री और रविन्द्र आर्य सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खुद को बी टीम कहे जाने पर चंद्रशेखर ने दी योगी को चुनौती, कहा- बिजनौर आकर मुझसे लड़ लें चुनाव

लखनऊ, एजेंसी। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष एवं नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बिजनौर से चुनाव लड़ने की चुनौती दी है। उन्होंने बुधवार को जारी अपने बयान में कहा कि सामाजिक परिवर्तन मोर्चा न किसी की बी-टीम है और न किसी के इशारे पर राजनीति करता है। अपनी राजनीतिक विफलताओं को छिपाने के लिए दूसरों पर बी-टीम का ठप्पा लगाने के बजाय मुख्यमंत्री को बिजनौर से चुनाव लड़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य बहुजन समाज के हक, सम्मान और सत्ता में हिस्सेदारी सुनिश्चित करना है। सामाजिक परिवर्तन मोर्चा बहुजन समाज और महान जनता की टीम है। हमें किसी के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं। हमारा राजनीतिक भविष्य जनता तय करेगी, सत्ता में बैठे लोग नहीं। हमारी अपनी विचारधारा, अपना संघर्ष और स्वतंत्र राजनीतिक पहचान है।

एक टीवी चैनल में बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में भाजपा तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। वहीं असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों इंडी गठबंधन की बी टीम हैं। इनके राजनीतिक एजेंडे और गतिविधियों से सपा-कांग्रेस को मदद मिलती है। समाज को बांटकर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की जा रही है। बंटोगे तो कटोगे का संदेश ध्रुवीकरण के लिए नहीं, बल्कि समाज को सतर्क और एकजुट रहने के लिए है।

जनसमस्याओं के समाधान पर कम, श्रेय लेने की होड़ पर ज्यादा जोर; खतौली में बदहाल व्यवस्थाओं से लोग परेशान

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। जनसमस्याओं को उठाना लोकतंत्र में राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, लेकिन खतौली में अब जनहित के मुद्दों को लेकर सक्रियता दिखाने के साथ नाम और प्रचार हासिल करने की होड़ भी नजर आने लगी है। जनता की परेशानियों को लेकर ज्ञापन सौंपने, धरना-प्रदर्शन करने और अधिकारियों से मुलाकात करने के बाद तस्वीरें सोशल मीडिया पर प्रसारित कर अपनी सक्रियता का प्रदर्शन किया जा रहा है। हालांकि इन प्रयासों के बाद समस्याओं का स्थायी समाधान कितना हो रहा है, यह बड़ा सवाल बना हुआ है।

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक सड़क, बिजली, पानी, सफाई, जलभराव, राशन, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी समस्याएं लोगों को परेशान कर रही हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों और संगठनों के प्रतिनिधि समय-समय पर इन मुद्दों को उठाते हुए अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हैं और कार्रवाई की मांग करते हैं। जनसमस्याओं को सामने लाना सराहनीय है, लेकिन केवल ज्ञापन और प्रचार तक



सीमित रहने के बजाय उनके समाधान के लिए लगातार प्रयास करना भी जरूरी है। आम नागरिकों को तस्वीरों और दावों से अधिक अपनी परेशानियों ो राहत मिलने की अपेक्षा रहती है।

खतौली में प्रशासनिक आदेशों और बार-बार शिकायतों के बावजूद यातायात, अतिक्रमण और सफाई जैसी समस्याएं बरकरार हैं। नगर के प्रमुख जानसठ तिराहे पर अवैध रूप से संचालित बस अड्डे और डग्गामार वाहनों के जमावड़े से यातायात प्रभावित रहता है। व्यवस्था सुधारने के लिए हाल ही में यहां यातायात पुलिस की तैनाती भी की गई है, लेकिन समस्या के स्थायी समाधान की जरूरत बनी हुई है। विभिन्न मार्गों पर गन्ने से लदे वाहनों की लंबी कतारें, अतिक्रमण, खाद्य पदार्थों की अव्यवस्थित व्यवस्था और पथ प्रकाश की समस्या भी लोगों के लिए परेशानी का कारण है।

जानसठ रोड पर बने ऊपरी पुल के आसपास सफाई और प्रकाश व्यवस्था की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। इस संबंध में कई बार आवाज उठाई जा चुकी है और अधिकारियों को ज्ञापन भी दिए गए हैं, लेकिन अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं दे रहा। मुख्य स्थानों पर ठेले लगाने पर रोक के लिए निषेध क्षेत्र के सूचना पट्ट लगा दिए गए हैं, इसके बावजूद अतिक्रमण और अव्यवस्थित ठेलों की समस्या बनी हुई है। ऐसे में नगरवासियों का सवाल है कि बार-बार शिकायतों और आश्वासनों के बावजूद उन्हें इन समस्याओं से कब राहत मिलेगी। जनहित के मुद्दों पर सक्रियता तभी सार्थक होगी, जब प्रचार से आगे बढ़कर जिम्मेदार लोग और प्रशासन धरातल पर स्थायी समाधान सुनिश्चित करेंगे।

कुंभ-2027 के लिए हरिद्वार में विकास कार्यों ने पकड़ी रफ्तार, मेलाधिकारी ने परखी तैयारियां

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ-2027 को लेकर धर्मनगरी हरिद्वार में अवस्थापना सुविधाओं के विकास और सौंदर्यीकरण का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। श्रद्धालुओं को बेहतर आवागमन, स्नान और जनसुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सड़कों, फुटपाथों, चौराहों, पुलों और घाटों के सुधार एवं अनुरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। गुरुवार को मेलाधिकारी सोनिका ने जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, अपर मेलाधिकारी नंदन कुमार और अन्य अधिकारियों के साथ मेला क्षेत्र के विभिन्न स्थानों का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने सड़कों के नवीनीकरण, फुटपाथ निर्माण और चौराहों के सुधार कार्यों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवागमन में बाधा बन रहे विद्युत पोलों को तत्काल स्थानांतरित कराने को कहा। आइरिस पुल के निकट एडमिन रोड, बैरागी कैंप, राष्ट्रीय राजमार्ग की सर्विस लेन और शंकराचार्य चौक मार्ग के जंक्शन पर यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने तथा आसपास सौंदर्यीकरण कराने के निर्देश दिए गए। आइरिस पुल और महिला मिलन मंदिर के बीच उपलब्ध भूमि पर पार्क विकसित करने, स्नान के लिए घाट को व्यवस्थित करने तथा प्रवेश द्वार के पास पुराने कमरों को प्रसाधन और कपड़े बदलने के कक्ष के रूप में तैयार करने को कहा गया। आइरिस पुल से शंकराचार्य चौक तक सड़क सुधार और अतिक्रमण रोकने के लिए नियमित निगरानी के निर्देश भी दिए गए। मेलाधिकारी ने कनखल मार्ग पर सड़क और फुटपाथ निर्माण, डाम कोठी रोड के चौड़ीकरण तथा घाटों के अनुरक्षण कार्यों का



निरीक्षण किया। पंतद्वीप में उत्तराखंड अवसंरचना विकास बोर्ड की परियोजनाओं के साथ शौचालय और अन्य जनसुविधाओं की व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा। पंतद्वीप से लालजीवाला तक पैदल आवागमन के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग के ऊपर पैदल पुल बनाने की कार्रवाई तेजी से आगे बढ़ाने की अपेक्षा की। बैरागीवाला और दक्षद्वीप में सड़क, बिजली, पेयजल, पुलों और घाटों से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने शेष निर्माण निर्धारित समय में और तय मानकों के अनुरूप पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में एचआरडीए सचिव प्रत्यूष सिंह, उप मेलाधिकारी मनजीत सिंह, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता डीपी सिंह, अधिशासी अभियंता योगेश कुमार, पीआईयू के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुश, यूपीडीसीसी के परियोजना प्रबंधक आशीष भट्ट, एचआरडीए के उद्यान अधिकारी ए.आर. जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

दहेज में 10 लाख रुपये नकद व कार की मांग को लेकर विवाहिता का उत्पीड़न

जेवर (शिखर समाचार)। कोतवाली क्षेत्र के गांव हिमायुपुर निवासी एक विवाहिता ने अपने ससुराल पक्ष के लोगों पर अतिरिक्त दहेज में 10 लाख रुपये नकद और एक कार की मांग पूरी न होने पर मारपीट व मानसिक उत्पीड़न करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में पीड़िता टिंकल ने बताया कि मूल रूप से ग्राम हसनपुर (अलीगढ़) निवासी उसके पिता महेश ने करीब दो वर्ष पूर्व उसका विवाह हिमायुपुर निवासी सुशील के साथ अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान-दहेज देकर किया था। आरोप है कि विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज से संतुष्ट नहीं थे और उसका अधिकांश खर्च भी मायके वाले ही उठाते आ रहे हैं। ससुरालीजन आए दिन उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देते थे और उसे मायके भेज देते थे। पीड़िता के अनुसार, बीते मंगलवार को जब उसका भाई उससे मिलने ससुराल आया, तो आरोपी पति ने अतिरिक्त दहेज के रूप में 10 लाख रुपये नकद तथा एक थार या स्कॉर्पियो कार लाने की मांग रख दी। साथ ही धमकी दी कि जब तक यह मांग पूरी नहीं होगी, तब तक उसे घर में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। जेवर कोतवाली पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी पति सुशील, सास, ससुर और दो ननदों के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हरिद्वार पहुंचने पर राज्यसभा सांसद दिनेश आर्य का जोरदार स्वागत, मिशन-2027 के लिए कार्यकर्ताओं को दिया एकजुटता का संदेश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। उत्तराखंड से नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद दिनेश आर्य पहली बार हरिद्वार स्थित वेदमंदिर आश्रम पहुंचे। यहां भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से अभिनंदन कर अपनी खुशी जाहिर की और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर चर्चा की। गुरुवार को आयोजित स्वागत कार्यक्रम में स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि भाजपा में समर्पित और मेहनती कार्यकर्ताओं को हमेशा आगे बढ़ने का अवसर दिया जाता है।



दिनेश आर्य का राज्यसभा सांसद निर्वाचित होना इसी प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि उनके माध्यम से केंद्र सरकार की योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को आम लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। राज्यसभा सांसद दिनेश आर्य ने स्वागत के लिए सभी कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे। उनका प्रयास विकास कार्यों को आगे बढ़ाने और जनहित से जुड़े मुद्दों को सदन में प्रभावी ढंग से उठाने का रहेगा। उन्होंने कहा कि मिशन-2027 को सफल बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को धरातल पर उतरकर संगठन को मजबूत करना होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य सरकार केंद्र की विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को आम जनता तक पहुंचाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कार्यकताओं से संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर राज्य मंत्री डॉ. जयपाल सिंह चौहान, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष जसवीर चौधरी, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कविंद्र चौधरी, धर्मेंद्र प्रधान, मास्टर धर्मेंद्र चौहान, जिला महामंत्री संजीव चौधरी, पार्षद सतविंदर सिंह, युद्धवीर सैनी, मनीष सैनी, अंकित सैनी, अधिवक्ता सनी चौहान, जगराम चौहान और अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष तेलूराम वाल्मीकि सहित अनेक कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

कुंभ-2027 में सनातन संस्कृति और सामाजिक एकता का संदेश देगा संत समाज : रविंद्रपुरी



हरिद्वार (शिखर समाचार)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पदाधिकारियों ने निरंजनी अखाड़ा पहुंचकर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष डा. रविंद्रपुरी महाराज से मुलाकात की। इस दौरान कुंभ-2027 की तैयारियों, संतों की भूमिका और धार्मिक आयोजन को दिव्य एवं भव्य स्वरूप प्रदान करने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। डा. रविंद्रपुरी महाराज ने मां मनसा देवी का चित्र भेंटकर और शॉल ओढ़ाकर अतिथियों का स्वागत किया। डा. रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि कुंभ मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हिंदू समाज को सांस्कृतिक रूप से एकजुट करने का महत्वपूर्ण अवसर भी है। मेले के दौरान अखाड़ों के संत-महापुरुष समाज को धार्मिक मार्गदर्शन देने के साथ सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता और एकता के प्रति जागरूक करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रयागराज की तर्ज पर सभी अखाड़ों और धार्मिक संस्थाओं के सहयोग से हरिद्वार कुंभ को दिव्य और भव्य स्वरूप में संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र और उत्तराखंड सरकार संतों एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं कर रही हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वयं कुंभ के निर्माण एवं विकास कार्यों पर नजर बनाए हुए हैं। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए अखाड़ा परिषद मेला प्रशासन के साथ निरंतर संपर्क में है। विहिप के राष्ट्रीय संरक्षक एवं राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी रहे बड़े दिनेश ने कहा कि कुंभ विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक समागम और सनातन संस्कृति की विशिष्ट पहचान है। मेले के दौरान विहिप की ओर से विभिन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संगठन के संयुक्त केंद्रीय मंत्री हरीशंकर और राज्यमंत्री नितिन गौतम ने कहा कि कुंभ जैसे विशाल आयोजन में करोड़ों श्रद्धालुओं की भागीदारी से सामाजिक समरसता और एकता की भावना मजबूत होती है। इस अवसर पर निरंजनी अखाड़े के सचिव रामरतन गिरी, महंत राज गिरी सहित अनेक संत-महात्मा मौजूद रहे।

गौतमबुद्धनगर में प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने की विकास कार्यों व कानून व्यवस्था की समीक्षा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री एवं जनपद के प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में कानून व्यवस्था, राजस्व और मुख्यमंत्री के विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि इनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। समीक्षा के दौरान मंत्री बृजेश सिंह ने निवास, आय और जाति प्रमाण पत्र जैसी राजस्व सेवाओं को पारदर्शी व सरल बनाने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को आयुष्मान कार्ड निर्माण में तेजी लाने और चिकित्सा सुविधाएं बेहतर करने को कहा गया, वहीं कृषि एवं सिंचाई विभाग को उर्वरक, बीज और नहरों में टेल तक पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। लोक निर्माण विभाग को सड़क निर्माण व मरम्मत कार्य मानकों के अनुरूप समय पर पूरा करने, जल जीवन मिशन के तहत हर घर स्वच्छ पेयजल पहुंचाने और विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने को कहा गया। उद्योग विभाग को निवेश एमओयू धरातल पर उतारने तथा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना और 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना का लाभ पात्र युवाओं व कारीगरों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा शिक्षा, गौशाला संचालन, वृक्षारोपण और आवास योजनाओं की भी समीक्षा की गई। कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने पुलिस अधिकारियों को जनपद में शांति व्यवस्था कायम रखने, महिला सुरक्षा को मजबूत बनाने और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण रखने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सुझावों को कार्ययोजना में शामिल कर प्राथमिकता से हल किया जाए। बैठक में सांसद डॉ. महेश शर्मा, दादरी विधायक तेजपाल नागर, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह, जिला पंचायत प्रशासक अमित चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, ज्वाइंट सीपी संकल्प शर्मा, सीडीओ भाल चंद्र त्रिपाठी और एडीएम अजीत कुमार सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।





गौतमबुद्धनगर में 20 नवंबर से संचालित होंगे ईवीएम प्रदर्शन केंद्र

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने और मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया से अवगत कराने के लिए जनपद में 20 नवंबर से ईवीएम प्रदर्शन केंद्र संचालित किए जाएंगे। गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट स्थित वेयरहाउस से मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में ईवीएम और वीवीपैट मशीनें निकालकर रिजर्व वेयरहाउस में सुरक्षित रखवाई गईं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि कलेक्ट्रेट मुख्यालय सहित 61-नोएडा, 62-दादरी और 63-जेवर तहसील में स्थापित ये केंद्र प्रतिदिन सुबह 10 से शाम 5 बजे तक खुलेंगे। यहां मतदाताओं को ईवीएम से मतदान करने और वीवीपैट के जरिए वोट की पुष्टि करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। सभी केंद्रों पर आने वाले मतदाताओं का विवरण रजिस्टर में दर्ज होगा और साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को भेजी जाएगी।



उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रतिदिन प्रदर्शन के बाद कंट्रोल यूनिट का डेटा क्लियर कर वीवीपैट स्लिप को श्रेडिंग मशीन से नष्ट किया जाएगा। मशीनों के रखरखाव व रिजर्व स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरों से 24 घंटे निगरानी और पुलिस बल की तैनाती की गई है। तहसील स्तर पर एसडीएम को रोजाना केंद्रों की निगरानी व प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए हैं।

इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री धर्मेंद्र कोरी, सपा जिला प्रभारी अनूप तिवारी, विधानसभा अध्यक्ष रोहित गुर्जर, कांग्रेस जिला सचिव प्रिंस भाटी, बसपा से मुकेश राठी, टीनू प्रशांत, सूरज पाल, सीपीआई(एम) से गंगेश्वर दत्त सहित एडीएम अजीत कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कुमार सिंह व एसडीएम सदर आशुतोष गुप्ता मौजूद रहे।

सड़कों पर धूल उड़ाने वाली दो सफाई कंपनियों पर ग्रेनो प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने मैकेनिकल स्वीपिंग मशीन से सड़कों की सफाई के दौरान मानकों की अनदेखी कर धूल उड़ाने वाली दो कार्यदायी कंपनियों पर एक-एक लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है। सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का संज्ञान लेते हुए प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. बलकार सिंह के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने यह सख्त कार्रवाई की है। दोनों कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन कार्यदिवस के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है तथा संतोषजनक जवाब न मिलने पर उन्हें ब्लैकलिस्ट करने की भी चेतावनी दी गई है।

प्रशासनिक जानकारी के अनुसार, शहर की सड़कों को धूल मुक्त रखने के उद्देश्य से ट्रक माउंटेड मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनें तैनात की गई हैं। हालांकि, सफाई के दौरान नियमानुसार पानी का छिड़काव न किए जाने के कारण मशीनों के पीछे भारी मात्रा में धूल का गुबार उड़ने की शिकायतें सोशल मीडिया पर सामने आई थीं। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार द्वारा 18 नवंबर को मैसर्स एंटनी वेस्ट हैंडलिंग सेल लिमिटेड और मैसर्स यदुवंशी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड को नोटिस जारी किया गया।

नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण की रोकथाम को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी), केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) के दिशानिर्देशों के तहत सफाई से पूर्व पानी का छिड़काव एवं आवश्यक सावधानियां बरतना अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर प्रत्येक फर्म पर एक-एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है, जिसकी वसूली उनके आगामी बिलों के भुगतान में कटौती कर की जाएगी।



इस संबंध में प्राधिकरण के उपमहाप्रबंधक विजय रावल ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि शहर में वायु प्रदूषण फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति या कार्यदायी संस्था को बख्शा नहीं जाएगा और नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार की कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

आईएमए की बैठक में वरिष्ठ चिकित्सकों का सम्मान, सीएमओ ने आईसीयू संचालन के नियमों की दी जानकारी

सहारनपुर (शिखर समाचार)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की सहारनपुर शाखा की नवगठित कार्यकारिणी की पहली सामान्य सभा की बैठक जीपीओ रोड स्थित एक सभागार में आयोजित की गई। कार्यक्रम में चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वरिष्ठ चिकित्सकों को शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शेर सिंह कक्कड़ ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मानद सचिव डॉ. अनुपम मलिक ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए संगठन की आगामी गतिविधियों की जानकारी दी।

इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. केए जैन, डॉ. सुरेंद्र मोहन गुप्ता और डॉ. पूनम कुमार को चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। आईएमए अध्यक्ष डॉ. डीके गुप्ता, डॉ. अनुपम मलिक, डॉ. विकास अग्रवाल और डॉ. सौम्या जैन ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट किए।



मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शेर सिंह कक्कड़ ने चिकित्सकों को गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) स्थापित करने और उसका संचालन करने से संबंधित शासनादेशों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आईसीयू संचालन में निर्धारित सरकारी नियमों का पालन करने, आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने और मरीजों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

बैठक में चिकित्सा के विभिन्न विषयों पर वैज्ञानिक व्याख्यान भी आयोजित किए गए। डॉ. मयंक नौटियाल ने जठरांत्र एवं यकृत-पित्त संबंधी शल्य चिकित्सा पर व्याख्यान देते हुए नई तकनीकों, रोबोटिक सर्जरी और आधुनिक उपचार पद्धतियों की जानकारी दी। प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति रैना ने गंभीर एंडोमेट्रियोसिस के शल्य चिकित्सा प्रबंधन पर विचार रखे। उन्होंने उपचार के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और बेहतर परिणामों के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं पर प्रकाश डाला। व्याख्यान के बाद चिकित्सकों ने सवाल-जवाब के माध्यम से अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. डीके गुप्ता ने की। अंत में मानद वैज्ञानिक सचिव डॉ. सौम्या जैन ने सभी अतिथियों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया। बैठक में कोषाध्यक्ष डॉ. विकास अग्रवाल, डॉ. रविकान्त निरंकारी, डॉ. संजीव अग्रवाल, डॉ. सीमा अग्रवाल, डॉ. सुधीर अग्रवाल, डॉ. रिक्की चौधरी, डॉ. मोहन पांडे, डॉ. अनिल मालिक, डॉ. साक्षी मलिक, डॉ. खलीउल्ला खान, डॉ. नरेंद्र खन्ना, डॉ. स्वर्णजीत सिंह, डॉ. महेश गोयल, डॉ. उदयराज सिंह, डॉ. संजय यादव, डॉ. कुणाल जैन, डॉ. नागपाल, डॉ. संजीव मित्तल, डॉ. आरएन बंसल, डॉ. वंदना आर्य, डॉ. नरेश नौसरान, डॉ. उत्कर्ष, डॉ. नीरज आर्य, डॉ. महेश ग्रोवर, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. पूजा खन्ना, डॉ. अनिता मलिक, डॉ. रजनीश सिंघल, डॉ. जीबी लाल, डॉ. सीएस चोपड़ा, डॉ. रविन्द्र राणा और डॉ. प्रशांत खन्ना सहित अनेक चिकित्सक उपस्थित रहे।

आधी रात को आग ने उजाड़ा परिवार, मां और दो मासूम बेटियों की जिंदा जलकर मौत



थानाभवन/शामली (शिखर समाचार)। शामली जिले के ब्लॉक क्षेत्र के गांव कैड़ी में बुधवार आधी रात एक मकान में अचानक आग लगने से दर्दनाक हादसा हो गया। आग की चपेट में आकर एक महिला और उसकी दो मासूम बेटियों की मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक तीनों गंभीर रूप से झुलस चुकी थीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव कैड़ी निवासी साजिद पुत्र स्वर्गीय नियाजू के मकान में बुधवार आधी रात अचानक आग लग गई। आग लगने की सूचना डायल 112 के माध्यम से बाबरी थाना पुलिस को मिली। थाना प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की सहायता से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। आग की लपटें तेज होने के कारण दमकल विभाग की टीम को भी बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। हादसे के समय मकान के एक हिस्से में साजिद की पत्नी साजिदा (32), बड़ी बेटी अदन (13) और छोटी बेटी माहिरा (11) सो रही थीं। आग की चपेट में आने से तीनों बुरी तरह झुलस गईं। पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से तीनों को शामली अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मकान के दूसरे हिस्से में सो रहे साजिद और उसके दो अन्य बच्चे सुरक्षित बताए गए हैं। प्रारंभिक जानकारी में आग लगने की वजह बिजली का तार टूटने से निकली चिंगारी बताई जा रही है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। एक ही परिवार की तीन सदस्यों की मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है।

जनगणना-2027 में डीएम ने खुद ऑनलाइन दर्ज कराई जानकारी, लोगों से भी की स्वगणना की अपील

सहारनपुर (शिखर समाचार)। जनगणना-2027 को लेकर चलाए जा रहे स्वगणना अभियान में जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान ने ऑनलाइन माध्यम से अपनी और अपने परिवार से संबंधित जानकारी दर्ज कर सहभागिता की। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे 16 से 30 नवंबर 2026 तक चलने वाली स्वगणना प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि स्वगणना के माध्यम से नागरिक स्वयं ऑनलाइन अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इससे जनगणना की प्रक्रिया को सुगम बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वे अपने माता-पिता, परिवार के बुजुर्गों और आसपास रहने वाले पड़ोसियों को स्वगणना कराने में सहयोग दें। कई बुजुर्गों को



ऑनलाइन प्रक्रिया की जानकारी या तकनीकी सुविधा उपलब्ध नहीं होती, ऐसे में युवा उनकी सहायता कर अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन स्वगणना पूरी होने के बाद संबंधित व्यक्ति को एक स्वगणना पहचान संख्या (आईडी) प्राप्त होगी। इसे सुरक्षित रखना आवश्यक है, क्योंकि घर-घर जनगणना के लिए पहुंचने वाले कर्मचारी जानकारी का सत्यापन करते समय इस पहचान संख्या को साझा करने के लिए कह सकते हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना देश की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है और इसकी सफलता के लिए प्रत्येक नागरिक का सहयोग जरूरी है। स्वगणना से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए जनगणना हेल्पलाइन नंबर 1855 अथवा जिला स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 05921-297112 पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने सभी जनपदवासियों से निर्धारित अवधि में स्वगणना पूरी करने की अपील की।

खंडहर में छिपाकर रखते थे चोरी की बाइकें, कांधला पुलिस ने 15 वाहन किए बरामद

शामली (शिखर समाचार)। शामली की कांधला पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर 14 मोटरसाइकिल और एक स्कूटी समेत कुल 15 चोरी के वाहन बरामद किए हैं। आरोपी चोरी के वाहनों को ग्राम गढ़ी रमकोर के पास नहर पटरी पर सिंचाई विभाग के एक खंडहर में छिपाकर रखते थे। गुरुवार को पुलिस लाइन में आयोजित पत्रकार वार्ता में पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने मामले का खुलासा किया।

एसपी ने बताया कि 12 नवंबर को कांधला क्षेत्र में शुक्ला वाली मस्जिद के पास और 25 अगस्त को गढ़ी अब्दुल्ला खां क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाएं हुई थीं। दोनों



मामलों में मुकदमे दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। इसी क्रम में देर रात कांधला पुलिस ग्राम असदपुर-जिड़ाना नहर पटरी पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में आरोपियों की पहचान मोहित सैनी पुत्र सतपाल निवासी मोहल्ला रायजादगान, कस्बा कांधला और रवि कुमार पुत्र ओम सिंह निवासी गांव चढ़ाव, थाना कांधला के रूप में हुई। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की एक स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने गढ़ी रमकोर स्थित सिंचाई विभाग के खंडहर से 13 अन्य मोटरसाइकिल और एक स्कूटी बरामद की।

एसपी के अनुसार बरामद वाहनों में एक मोटरसाइकिल गढ़ीपुख्ता और एक कांधला थाने में दर्ज चोरी के मुकदमों से संबंधित है। शेष वाहनों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। गिरफ्तार आरोपी मोहित सैनी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ चोरी, मारपीट, शस्त्र अधिनियम और गैंगस्टर अधिनियम सहित विभिन्न मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया है।

संपादकीय

तीन महाशक्तियों की एक मेज, क्या बदल जाएगी दुनिया की तस्वीर?

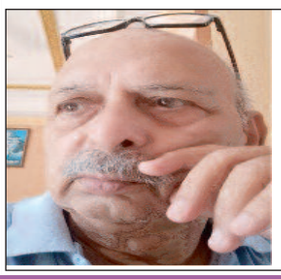
दुनिया की राजनीति में कुछ क्षण ऐसे होते हैं, जिनका महत्व तत्काल दिखाई देने वाली घटनाओं से कहीं अधिक व्यापक होता है। चीन के शेनजेन में 19 नवंबर 2026 को ऐसा ही एक क्षण देखने को मिला, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहली बार औपचारिक त्रिपक्षीय बातचीत के लिए एक साथ बैठे। दूसरे विश्व युद्ध के बाद दुनिया की तीन सबसे बड़ी परमाणु शक्तियों के राष्ट्राध्यक्षों का इस तरह एक मंच पर आना अपने आप में असाधारण कूटनीतिक घटना है। रेड कार्पेट पर हाथ मिलाते, मुस्कुराते और एक-दूसरे के साथ तस्वीर खिंचवाते तीनों नेताओं की छवियों ने दुनिया का ध्यान खींचा। शी जिनपिंग का स्वयं हवाई अड्डे पहुंचकर ट्रंप का स्वागत करना भी इस मुलाकात की अहमियत को दशार्ता है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में मुस्कान और हाथ मिलाने से अधिक महत्व उन फैसलों का होता है, जो बंद कमरों में लिए जाते हैं और जिनका असर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचता है।

इस मुलाकात की सबसे बड़ी वजह तीनों देशों की असाधारण सामरिक ताकत और उनके बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा है। अमेरिका लंबे समय से वैश्विक व्यवस्था में अपना नेतृत्व बनाए रखना चाहता है, चीन आर्थिक और सैन्य शक्ति के बल पर विश्व राजनीति में अपनी भूमिका बढ़ा रहा है, जबकि रूस यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बावजूद अपनी रणनीतिक हैसियत कायम रखने की कोशिश कर रहा है। तीनों देशों के हित कई मोर्चों पर एक दूसरे से टकराते हैं, लेकिन यह भी सच है कि दुनिया की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और परमाणु भविष्य से जुड़े कई सवाल ऐसे हैं, जिनका समाधान इन तीनों की भागीदारी के बिना संभव नहीं है। यही कारण है कि शेनजेन की बैठक को केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं माना जा सकता। इस बैठक का सबसे गंभीर पहलू परमाणु हथियारों का नियंत्रण है। अमेरिका और रूस के बीच परमाणु हथियारों को सीमित करने वाली अंतिम प्रमुख संधि न्यू स्टार्ट फरवरी 2026 में समाप्त हो चुकी है। इससे दुनिया में परमाणु प्रतिस्पर्धा के अनियंत्रित होने की आशंका बढ़ी है। ट्रंप ने तीनों देशों से परमाणु हथियारों के भंडार में कमी लाने और प्रसार रोकने के लिए सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। रूस और अमेरिका के पास चीन की तुलना में कहीं अधिक व्यापक परमाणु भंडार हैं, जबकि चीन अपनी सैन्य क्षमता का विस्तार कर रहा है। बीजिंग पहले ही संकेत दे चुका है कि वह ऐसे किसी समझौते में आसानी से शामिल नहीं होगा, जिसमें उसकी स्थिति अमेरिका और रूस के समान मानकर उस पर समान सीमाएं लगा दी जाएं। ऐसे में परमाणु निरस्त्रीकरण की दिशा में सहमति बनाना आसान नहीं होगा। फिर भी बातचीत शुरू होना इस दौर की सबसे बड़ी जरूरत है, क्योंकि परमाणु युद्ध में किसी एक देश की जीत नहीं, पूरी मानवता की हार होगी। यूक्रेन युद्ध भी इस त्रिपक्षीय बातचीत का महत्वपूर्ण विषय बना। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से जारी संघर्ष ने यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था को अस्थिर किया है और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी दबाव डाला है। ट्रंप पहले से इस युद्ध को समाप्त कराने की इच्छा जताते रहे हैं। पुतिन के साथ उनकी अलग बैठक में भी यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा हुई। रूसी पक्ष ने इसे सकारात्मक बातचीत बताया। पुतिन का मानना है कि तीनों देशों के कुछ साझा हित हैं और संघर्षों के समाधान में सहयोग की संभावनाएं मौजूद हैं। लेकिन शांति का रास्ता केवल बड़े नेताओं की सहमति से नहीं निकल सकता। यूक्रेन की संप्रभुता, सुरक्षा और वहां के नागरिकों की इच्छाओं को नजरअंदाज करके कोई भी समझौता स्थायी नहीं हो सकता।

~ मौलिक चिंतन ~

खुशी की तलाश में हैं, तो किसी दुःखी को खुश करने का प्रयास करें, निराश नहीं होंगे, खुशी जरूर मिलेगी।

~~~~~~~~~



© विनय संकोची

युवाओं में बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य ख़तरों को रेखांकित करना समय की मांग



किशन सनमुखदास

एक ज़माना था जब हमारे घरों में माताएं लकड़ी और कोयले से जलते चूल्हे पर रोटी और चावल पकाते और हम सामने बोरा बिछाकर बैठ देखते थे और पलभर में थाली में भोजन परोसा जाता था और हम ग्रहण कर बाहर प्रकृति की गोद में खटिया पर बैठकर या झाड़ों के बीच चक्कर लगाते या अपने कार्य पर चले जाते थे। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र आज भी यह देखता हूं कि यही प्रक्रिया हमारे बड़े बुजुर्गों, पिछली पीढ़ियों और कई गांव शहरों में आज भी शुरू है,और खासियत है कि ऐसे लोगों में किसी भी प्रकार की बीमारी का कोई लक्षण नहीं था, पाश्चात्य संस्कृति का कोई लक्षण नहीं था, सीमित जिंदगी और सुखी जिंदगी की वह स्थिति, आज उस ज़माने की बात करें कर कहते हैं न जाने कहां गए वो दिन इस प्रकार की पुरानी यादों की बात वरिष्ठ नागरिक करते हैं तो सुनकर बहुत आश्चर्य और अच्छा लगता है, उत्साह होता है कि ऐसी सुखी जिंदगी जीने की, यह थी टिकाऊ जीवन शैली।

साथियों बात अगर हम वर्तमान जीवन शैली की करें तो इसके लिए उपरोक्त पुरानी टिकाऊ जीवन शैली की चर्चा करना बेहद ज़रूरी था जिसकी प्रित्यक्ष रिपोर्टिंग मैंने बुजुर्गों से की इसी जीवन शैली को बहुत नजदीक से देख करके किया, मैं खुद अनेक वर्षों तक बुजुर्गों के साथ में रहा हूं।

साथियों बात अगर हम वर्तमान निष्क्रिय जीवन शैली और अस्वास्थकर आहार की करें तो वर्तमान में हम देख रहे हैं कि अनेक चाइनीस फूड, पिज़्ज़ा जैसे सैकड़ों ऐसे फास्ट फूड हैं जिसपर आहार के रूप में हमारी निर्भरता बढ़ गई है हमनें हर दिन या हर दूसरे तीसरे दिन इनको ग्रहण करने के का प्रचलन कायम कर दिए हैं।हालांकि यह फास्ट फूड ग्रहण करने का हमारा विरोध या टीकाटिप्पणी नहीं है परंतु हमारा उद्देश्य अस्वास्थ्यकर आहरों की आदत से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना है क्योंकि अगर हम दशकों पुराने ज़माने और आज के जमाने की निरंतर बढ़ती खाई, अस्वास्थ्यता, बीमारियों का प्रकोप, स्वास्थ्य स्थिरता, शारीरिक कष्ट इत्यादि सैकड़ों स्वास्थ्य खतरों की करें तो यह समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है।

अगर हम खासकर वर्तमान पीढ़ी, देश का भविष्य बच्चों और युवाओं को इस बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य खतरों को रेखांकित नहीं करा पाए तो यह गैप बहुत बढ़ जाएगी और हमारी ओरिजिनल भारतीय आहार संस्कृति, टिकाऊ जीवन शैली, विलुप्तता की ओर बढ़ने लगेगी इसलिए समय आ गया है कि हम युवाओं में इसके प्रति जागरूकता अभियान चलाकर उन्हें सचेत करें।

साथियों बात अगर हम पुरानी टिकाऊ जीवन शैली और वर्तमान जीवन शैली के अंतर की करें तो हमने कई बार सुना होगा,, दादा जी तुम तो पुरानी मज़बूत हड्डियों से बने हो! तुम्हारे पास पुराने ही घी मक्खन की ताकत है!! तुम पुराने ज़माने के सोने के अंडे खाए, लाभ पाए हो, इत्यादि इत्यादि बातें हम करते हैं जो बिल्कुल सच है परंतु यह असर कोई शक्तिशाली विटामिन का नहीं बल्कि टिकाऊ जीवन शैली, स्वास्थ्यकर आहार, नियमित कसरत, अपार मेहनत, प्रकृति की गोद में बिताए लम्हों की ताकत है जो स्वास्थ्य और शरीर को मजबूत और टिकाऊ बनाए हुए हैं इसीलिए हर बड़े बुजुर्ग का कर्तव्य है कि वह अपने मार्गदर्शन से एक सामाजिक टीम खड़ी कर युवाओं को हेल्दी फूड स्वस्थ्य आहार की आदत, पाश्चात्य जीवन शैली का त्याग, तेजी से बदलती जलवायु परिवर्तन के घातक परिणामों से सबक जैसे अनेक मुद्दों को रेखांकित कर युवाओं को मार्गदर्शन, जन जागरण अभियान चलाकर प्रेरित करें।

साथियों बात अगर हम अस्वास्थ्यकर आहार के खतरों पर देश में बने कानूनों, नियमों, विनियमों, राज्य स्तरीय कानूनों, शासन, प्रशासन की करें तो हालांकि उपभोक्ता कानून सहित अनेक नियमों कानूनों में इस संबंध में सख्त धाराएं हैं परंतु ज़रूरत उस सख्ती के साथकानून लागू करनें की, जनता को जागृत करने की, अधिकारियों में जांबाजी और जज्बे की, जिसके बल पर कुछ कानून का सहारा, कुछ जनजागरण का सहारा, प्रोत्साहन, सतर्कता इत्यादि के बल पर हम इन से बचकर एक टिकाऊ जीवन शैली,स्वास्थ्यकर आहार, आदतों को अपनाकर अपने शरीर, स्वास्थ्य, जीवन को सुरक्षित और सकारात्मक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम दिनांक 10 अप्रैल 2022 को माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो इस विषय पर उन्होंने भी कहा, भारत में गैर-संचारी रोगों में वृद्धि की चिंताजनक रूझान को रेखांकित करते हुए उन्होंने निजी क्षेत्र में चिकित्सा संस्थाओं से लोगों, विशेष रूप से युवाओं के बीच एक निष्क्रिय जीवन शैली और अस्वास्थ्यकर आहार की आदतों से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से निष्क्रिय जीवन शैली का त्याग करने और स्वस्थ जीवन जीने का तरीका अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी और तेजी से बदलती जलवायु हमें हमारी आदतों और जीवन के तरीके के बारे में कई सबक सिखाती है। उन्होंने प्रकृति की गोद में अधिक समय व्यतीत करने और अधिक टिकाऊ जीवन शैली अपनाने की अपील की।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि युवाओं में बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य ख़तरों को रेखांकित करना समय की मांग आओ अस्वास्थ्यकर आहरों की आदत से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करें निष्क्रिय जीवन शैली और अस्वास्थ्यकर आहार की आदतों से उत्पन्न ख़तरों के बारे में जागरूकता पैदा करना ज़रूरी।

तो क्या ट्रंप के 'कूटनीतिक मायाजाल' में फंस जाएंगे पुतिन और जिनफिंग?



कमलेश पांडेय

दुनिया को अपने शब्द जाल में फंसाकर, साम-दाम-दंड-भेद की रणनीति अपनाकर 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का स्वप्न संजोए राष्ट्रपति ट्रंप अपने इरादों में कितना कामयाब होंगे, यह तो गुजश्ता वक्त ही बताएगा। लेकिन भारत की कूटनीतिक स्वायत्ता और ग्लोबल साउथ की अगुवाई वाली रणनीति से अमेरिका इतना परेशान हो गया कि अब उन्हीं देशों के साथ टेबल की मेज पर बैठा हुआ है, जिनके खिलाफ वह अनवरत षड्यंत्र रचते आया है।

ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर रूस और चीन की क्या अंतर्राष्ट्रीय मजबूरी है जो वे वैश्विक रूप से प्रभुत्वहीन हो चुके अमेरिका के साथ मेज साझा कर रहे हैं! कहीं ऐसा तो नहीं कि भारत की कूटनीतिक व रणनीतिक स्वायत्तता से ये दोनों भी भीतर ही भीतर विचलित हो रहे हैं। मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय दुनियादारी में भारत, अपने समकक्ष देशों यथा- फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका के अलावा यूरोपीय संघ, मध्यपूर्व के देशों और आशियान देशों के साथ जो समझदारी भरे रिश्ते विकसित कर रहा है, इससे भी अमेरिका, रूस और चीन का चिंतित होना स्वाभाविक है।

ऐसे में अमेरिका, रूस और चीन के बीच उभरता त्रिकोणीय कूटनीतिक समीकरण केवल तीन महाशक्तियों के नेताओं की मुलाकात का विषय नहीं है, बल्कि इसके पीछे वैश्विक शक्ति संतुलन, रणनीतिक साझेदारियों, आर्थिक हितों और छोटे-बड़े देशों के भरोसे की बड़ी लड़ाई भी दिखाई देती है। ये देश नहीं चाहते कि इनके समानांतर कोई नया देश खड़ा हो और वह उनकी आवाज बने जिनका शोषण करते रहना इनकी नीतिगत फितरत है।

यही वजह है कि इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या ट्रंप, रूस और चीन को आपसी मतभेदों, क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और अपने-अपने सहयोगियों के हितों के बीच इस तरह उलझा सकते हैं कि दोनों देशों की विश्वसनीयता प्रभावित होने लगे?

भले ही यह एक विचारणीय भू-राजनीतिक परिकल्पना है। हालांकि, इसे किसी प्रमाणित अमेरिकी डीप स्टेट योजना का नाम देना अभी उचित नहीं होगा, जबतक कि पूरा खेल स्पष्ट न हो जाए। वैसे भी ट्रंप कब क्या कहेंगे, कब पलटीमार देंगे, भरोसे के साथ कुछ नहीं कहा जा सकता। इन सबके पीछे उनका स्वार्थ कितना साधता है, सबकुछ इसी बात पर निर्भर करता है।

पहला सवाल यह है कि ट्रंप की रणनीति का संभावित केंद्रीय सूत्र क्या है? तो जवाब होगा कि ट्रंप की विदेश नीति में व्यक्तिगत कूटनीति, आर्थिक सौदेबाजी और शक्ति प्रदर्शन को काफी महत्व मिलता है। रूस और चीन के साथ बातचीत के संभावित उद्देश्यों को निम्नलिखित तीन स्तरों पर समझा जा सकता है:- एक, रूस को साधनाः यूक्रेन युद्ध में समझौते के लिए पुतिन पर कूटनीतिक प्रभाव बनाना और मॉस्को के साथ अमेरिका के संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करना, ताकि उसे लाभ होता रहे। दो, चीन को साधनाः व्यापार, तकनीक, दुर्लभ खनिजों और ताइवान जैसे मुद्दों पर बीजिंग से रियायतें हासिल करना, ताकि उनके उद्योगों के लिए रियायती कच्चा माल मिलता रहे। तीन, दोनों को एक मंच पर लानाः परमाणु हथियार नियंत्रण, ईरान और वैश्विक सुरक्षा के मुद्दों पर ऐसी बातचीत करना जिसमें अमेरिका अपनी भूमिका केंद्रीय बनाए रखना चाहे। हालांकि, इन सबमें एक महत्वपूर्ण विरोधाभास भी है। वह यह कि चीन और रूस की निकटता अमेरिका की उस पुरानी रणनीति को कमजोर करती है जिसमें दोनों महाशक्तियों के बीच मतभेदों का लाभ उठाकर वाशिंगटन अपनी स्थिति मजबूत करता था।

दूसरा सवाल है कि रूस और चीन के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने सहयोगियों का भरोसा बनाए रखना होगा। खासकर भारत और ईरान आदि जैसे उभरते देशों का। यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, जो इसप्रकार है- एक, रूस की विश्वसनीयताः यदि पुतिन अमेरिका के साथ किसी बड़े समझौते में यूक्रेन, ईरान या अन्य रणनीतिक साझेदारों के हितों को नजरअंदाज करते दिखाई देते हैं, तो मॉस्को के सहयोगियों के बीच उसकी प्रतिबद्धताओं को लेकर सवाल उठ सकते हैं। दो, चीन की विश्वसनीयताः यदि शी जिनपिंग अमेरिका के साथ किसी समझौते में ताइवान, ईरान या अपने दूसरे रणनीतिक साझेदारों के मुद्दों पर ऐसी रियायत देते हैं जिसे सहयोगी अपने हितों के विरुद्ध समझें, तो चीन की साझेदारी की विश्वसनीयता पर बहस हो सकती है। लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है। रूस और चीन अपने सहयोगियों के साथ संबंधों को केवल अमेरिका के साथ बातचीत के आधार पर तय नहीं करते। उनके आर्थिक, सैन्य, राजनीतिक और क्षेत्रीय हित भी इसमें महत्वपूर्ण हैं।

तीसरा सवाल यह है कि क्या ट्रंप दोनों महाशक्तियों को एक-दूसरे के विरुद्ध इस्तेमाल कर सकते हैं? तो यहां 1970 के दशक की अमेरिकी त्रिकोणीय कूटनीति याद आती है। तब अमेरिका ने सोवियत संघ और चीन के बीच मतभेदों का लाभ उठाकर बीजिंग के साथ संबंध बेहतर किए थे। इससे वाशिंगटन को मॉस्को के मुकाबले कूटनीतिक लाभ मिला था। लेकिन 2026 की परिस्थितियां बिल्कुल अलग हैं। वह यह कि रूस और चीन के बीच रणनीतिक साझेदारी पहले से अधिक मजबूत है। दोनों देश अमेरिकी प्रभुत्व को लेकर कई मुद्दों पर समान चिंताएं रखते हैं। दोनों के आर्थिक और कूटनीतिक हित एक-दूसरे से जुड़े हैं। अमेरिका के सहयोगी देशों के साथ भी उसके संबंधों में कई बार अनिश्चितता दिखाई देती है। फिर भी आज अमेरिका के लिए रूस और चीन के बीच पुराने जमाने जैसी दरार पैदा करना आसान नहीं है।

चौथा सवाल क्या यही अमेरिकी डीप स्टेट का गेम प्लान है? क्योंकि ट्रंप भी अब इनके सामने घुटने टेक चुके हैं। मिड टर्म चुनावों में अपनी रिपब्लिकन पार्टी की हुई फजीहत से बौखलाए हुए भी हैं। लिहाजा इस सवाल को तीन अलग-अलग अवधारणाओं में समझना जरूरी है:- एक, डीप स्टेटः स्थायी प्रशासनिक, सुरक्षा और संस्थागत नेटवर्क का प्रभाव। दो, अमेरिकी रणनीतिक प्रतिष्ठानः विदेश नीति, रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संस्थान एवं नीति निर्माता। तीन, ट्रंप की व्यक्तिगत कूटनीतिः नेताओं से सीधे बातचीत और द्विपक्षीय सौदेबाजी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में सत्ता बदलने के बावजूद राष्ट्रीय सुरक्षा संस्थानों, रक्षा प्रतिष्ठानों और विदेश नीति से जुड़े स्थायी हित बने रहते हैं। लेकिन यह मान लेना कि इन सभी संस्थानों का कोई एक गुप्त और सर्वसम्मत गेम प्लान है, मौजूदा उपलब्ध प्रमाणों से पुष्ट नहीं होता। इसलिए डीप स्टेट की परिकल्पना को एक राजनीतिक व्याख्या के रूप में देखना चाहिए, स्थापित तथ्य के रूप में नहीं।

पांचवां सवाल यह है कि क्या 19 नवंबर की त्रिपक्षीय बैठक के पांच बड़े सवाल का संतुलित जवाब मिलेगा? चूंकि, ट्रंप, पुतिन और शी जिनपिंग की शेनझेन में प्रस्तावित त्रिपक्षीय बैठक पर पूरी दुनिया की नजरें बनी हुई हैं, क्योंकि इस बैठक से जुड़े पांच महत्वपूर्ण सवाल हैं:- एक, क्या यूक्रेन युद्ध के समाधान पर कोई साझा रास्ता निकलेगा? दो, क्या चीन को अमेरिका-रूस परमाणु हथियार नियंत्रण वार्ता में शामिल करने की कोशिश सफल होगी? तीन, क्या ईरान के मुद्दे पर रूस और चीन अमेरिकी दृष्टिकोण के करीब आएंगे? चार, क्या अमेरिका ताइवान के मुद्दे पर चीन को कोई राजनीतिक आश्वासन देगा? पांच, क्या तीनों महाशक्तियां अपने सहयोगियों के हितों को ध्यान में रखकर कोई समझौता करेंगी? बैठक के एजेंडे और प्रारूप को लेकर बातचीत जारी थी, क्योंकि तीनों नेताओं के अलग-अलग उद्देश्यों और संभावित हितों को रेखांकित किया है।

छठा सवाल है कि भारत के लिए इसका क्या अर्थ है? चूंकि भारत के लिए यह घटनाक्रम विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि रूस भारत का पुराना रक्षा और ऊर्जा साझेदार है। अमेरिका भारत का महत्वपूर्ण तकनीकी, आर्थिक और रणनीतिक साझेदार है। चीन के साथ भारत के सीमा और क्षेत्रीय सुरक्षा संबंधी मुद्दे हैं। ईरान और मध्य एशिया भारत के संपर्क एवं ऊर्जा हितों के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वह किसी एक महाशक्ति के कूटनीतिक समीकरण का हिस्सा बनने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर सभी प्रमुख शक्तियों से संबंध बनाए रखे। सातवां और अंतिम सवाल यह है कि असली लड़ाई भरोसे और रणनीतिक विश्वसनीयता की है। वास्तव में, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी देश की ताकत केवल उसकी सैन्य या आर्थिक क्षमता से तय नहीं होती। उसकी प्रतिबद्धताओं पर सहयोगियों का भरोसा भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। यदि रूस या चीन अमेरिका के साथ किसी समझौते में अपने रणनीतिक सहयोगियों के हितों की अनदेखी करते हैं, तो उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठ सकते हैं। दूसरी ओर, यदि ट्रंप अपने सहयोगियों और प्रतिद्वंद्वियों दोनों के साथ अनिश्चित सौदेबाजी करते हैं, तो अमेरिका की अपनी विश्वसनीयता भी प्रभावित हो सकती है।

हिंसा, शोषण और अभाव से मुक्त हो भारत का बचपन

विश्व बाल दिवस



ललित गर्ग

विश्व बाल दिवस का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा जब भारत में ऐसा वातावरण बने जहां हर बच्चा सुरक्षित हो, सुना जाए, सम्मान पाए, पढ़ सके, खेल सके, अपनी प्रतिभा विकसित कर सके और बिना भय के सपने देख सके। हमें बच्चों को अपने सपनों के अनुसार जीने का अवसर देना होगा, अपने सपनों के अनुसार ढालने का नहीं। बचपन किसी राष्ट्र की प्रतीक्षा करती हुई सुबह है। यदि उस सुबह पर हिंसा, शोषण, भूख और भय के बादल छा गए तो विकसित भारत का सूर्योदय अधूरा रहेगा।

हम में से प्रत्येक को बच्चों के अधिकारों की वकालत करने, उन्हें बढ़ावा देने, उनके शोषण को रोकने, उनका समग्र विकास करने और बच्चों का उत्सव मनाने के लिए एक प्रेरणादायी अवसर के रूप में विश्व बाल दिवस है, यह उस समाज की आत्मपरीक्षा का अवसर है, जो अपने भविष्य को बच्चों की आंखों में देखता है। 20 नवंबर को मनाया जाने वाला यह दिवस हमें याद दिलाता है कि बच्चे केवल परिवार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। वर्ष 2026 की थीम ÷मेरा दिन, मेरे अधिकार, मेरा भविष्य'है। इसी बुनियादी प्रश्न को सामने रखती है कि क्या हमारे बच्चों को वास्तव में अपने अधिकारों के साथ जीने, सपने देखने और अपना भविष्य गढ़ने का अवसर मिल रहा है? भारत में बचपन की तस्वीर विरोधाभासों से भरी है। एक ओर महानगरों के वातानुकूलित कमरों में पलते बच्चे आधुनिक शिक्षा, तकनीक और सुविधाओं से घिरे हैं, तो दूसरी ओर फुटपाथ, झुग्गियों, कारखानों, ढाबों और खेतों में ऐसे बच्चे भी हैं जिनके हाथों में किताब की जगह औजार हैं। किसी बच्चे के लिए बचपन खेल, शिक्षा और परिवार का स्नेह है, तो किसी के लिए भूख, श्रम, हिंसा और असुरक्षा से जूझने का नाम। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना की भी परीक्षा है।

सबसे गंभीर चुनौती बाल हिंसा और मानसिक दबाव की है। हिंसा का अर्थ केवल बच्चे को पीटना नहीं है। लगातार डांटना, अपमानित करना, डराना, उसकी तुलना दूसरे बच्चों से करना, उसकी इच्छा और प्रतिभा को नकारना तथा हर समय परिणाम का दबाव बनाना भी हिंसा के ही रूप हैं। आज अनेक अभिभावक चाहते हैं कि उनका बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या किसी प्रतिष्ठित पेशे में जाए। महत्वाकांक्षा गलत नहीं, लेकिन जब माता-पिता की अधूरी इच्छाओं का बोझ बच्चे के कंधों पर रख दिया जाता है, तब शिक्षा विकास का माध्यम न रहकर तनाव का कारण बन जाती है। स्कूल भी इससे अछूते नहीं हैं। अनुशासन के नाम पर अपमान, डर और कठोरता बच्चे के व्यक्तित्व को भीतर से तोड़ सकती है। जिस विद्यालय में बच्चे को प्रश्न पूछने, गलती करने और फिर सीखने का अवसर मिलना चाहिए, वहां भय का वातावरण उसकी रचनात्मकता को कुंठित कर देता है। हमें यह समझना होगा कि डर से आज्ञाकारी बच्चा तो बनाया जा सकता है, लेकिन आत्मविश्वासी नागरिक नहीं।



भारत में बाल मजदूरी, बाल तस्करी, यौन शोषण और भिक्षावृत्ति जैसी समस्याएं आज भी हमारी सामूहिक चेतना एवं राजनीतिक नेतृत्व पर प्रश्नचिह्न हैं। आर्थिक मजबूरी के कारण अनेक बच्चे शिक्षा से दूर होकर श्रम की दुनिया में पहुंच जाते हैं। कुछ खतरनाक उद्योगों और असुरक्षित कार्यस्थलों पर काम करने के लिए विवश होते हैं। कई बच्चे तस्करी के जाल में फंसकर अपने परिवार और बचपन दोनों से दूर हो जाते हैं। सबसे पीड़ादायक स्थिति उन बच्चों की है जिन्हें अपराध, भीख या यौन शोषण के अंधेरे में धकेल दिया जाता है। इन परिस्थितियों में उनसे केवल उनका वर्तमान नहीं छीना जाता, बल्कि भविष्य की संभावनाएं भी छीन ली जाती हैं। गरीबी बचपन की सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन गरीबी से भी बड़ी समस्या है अवसरों की असमानता। यदि किसी गरीब परिवार का बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षित वातावरण से वंचित रहता है तो वह अपनी प्रतिभा का पूरा उपयोग कैसे करेगा? विकसित भारत का सपना तभी वास्तविक होगा जब विकास की रोशनी गांव, झुग्गी, श्रमिक परिवार और वंचित समुदाय के बच्चे तक पहुंचेगी। किसी राष्ट्र की प्रगति का सही पैमाना उसके सबसे कमजोर बच्चे की स्थिति है।

इसलिए बाल अधिकारों को केवल कानून की पुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय घर, स्कूल और समाज की संस्कृति का हिस्सा बनाना होगा। बच्चे को यह विश्वास होना चाहिए कि वह अपनी समस्या बिना भय के माता-पिता, शिक्षक अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति से कह सकता है। परिवार में संवाद की परंपरा विकसित करनी होगी। माता-पिता को बच्चों के साथ केवल उनकी पढ़ाई और परीक्षा की बात नहीं करनी चाहिए, बल्कि उनके डर, मित्रता, सपनों, असफलताओं और भावनाओं को भी सुनना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में भी बड़ा परिवर्तन आवश्यक है। शिक्षा का लक्ष्य केवल अंक और रोजगार नहीं, बल्कि संवेदनशील, आत्मनिर्भर, नैतिक और मानसिक रूप से स्वस्थ मनुष्य बनाना होना चाहिए। बच्चों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों, संविधान, लैंगिक सम्मान, डिजिटल सुरक्षा, आत्मरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया जाना चाहिए। सरकार को बाल संरक्षण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ बाल श्रम, तस्करी और यौन अपराधों के विरुद्ध तंत्र को और मजबूत करना होगा। गरीब बच्चों की शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य को आर्थिक सहायता से जोड़ना भी जरूरी है। हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि बच्चों की सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। पड़ोस में किसी बच्चे से दुर्व्यवहार हो रहा हो, किसी दुकान या कारखाने में बाल मजदूर दिखाई दे, कोई बच्चा लगातार भय में जी रहा हो या उसके साथ शोषण की आशंका हो, तो ÷हमें क्या लेना-देना है÷ कहकर आगे बढ़ जाना सामाजिक अपराध के प्रति मौन स्वीकृति है। बच्चे की रक्षा के लिए समाज को संवेदनशील प्रहरी बनना होगा।

विश्व बाल दिवस के अवसर पर बच्चों के सामने उभरती नई चुनौतियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) भी एक गंभीर विषय बनकर सामने आई है। एआई शिक्षा, रचनात्मकता और ज्ञान-विस्तार का प्रभावी साधन हो सकता है, लेकिन उसका अनियंत्रित और अत्यधिक उपयोग बच्चों की सोचने-समझने की मौलिक क्षमता, कल्पनाशक्ति, एकाग्रता और निर्णय लेने की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकता है। चैटबॉट पर अत्यधिक निर्भरता बच्चों को स्वयं प्रश्न पूछने, उत्तर खोजने और गलतियों से सीखने की प्रक्रिया से दूर कर सकती है। साथ ही, एआई से बने भ्रामक या अनुपयुक्त कंटेंट, डीपफेक, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन शोषण, निजता के खतरे और बच्चों के मानसिक संसार पर बढ़ते डिजिटल दबाव जैसी चुनौतियां भी चिंता का विषय हैं। इसलिए आज आवश्यकता केवल बच्चों को एआई से परिचित कराने की नहीं, बल्कि उन्हें एआई के सुरक्षित, संतुलित और विवेकपूर्ण उपयोग की शिक्षा देने की है, ताकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों की बुद्धि का विकल्प नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा और रचनात्मकता को विकसित करने का सहायक माध्यम बने।

विश्व बाल दिवस का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा जब भारत में ऐसा वातावरण बने जहां हर बच्चा सुरक्षित हो, सुना जाए, सम्मान पाए, पढ़ सके, खेल सके, अपनी प्रतिभा विकसित कर सके और बिना भय के सपने देख सके। हमें बच्चों को अपने सपनों के अनुसार जीने का अवसर देना होगा, अपने सपनों के अनुसार ढालने का नहीं। बचपन किसी राष्ट्र की प्रतीक्षा करती हुई सुबह है। यदि उस सुबह पर हिंसा, शोषण, भूख और भय के बादल छा गए तो विकसित भारत का सूर्योदय अधूरा रहेगा। इसलिए आज जरूरत केवल बाल दिवस मनाने की नहीं, बल्कि बचपन को बचाने की है। जिस दिन भारत के हर बच्चे की आंखों में भय की जगह विश्वास, हाथों में श्रम की जगह किताब और होंठों पर शिकायत की जगह मुस्कान होगी, उसी दिन हम कह सकेंगे कि हमने विश्व बाल दिवस की भावना को वास्तव में आत्मसात किया है।
~~~~~~~~~



बदलते मौसम भयानक हो सकता है जोड़ों का दर्द, इन आसान तरीकों से अभी से करें बचाव

मौसम में धीरे-धीरे बदलाव आने लगा है। बदलते मौसम में अक्सर जोड़ों में जकड़न, दर्द या सूजन की शिकायत बढ़ जाते हैं। ठंड के मौसम की शुरुआत भी होने लगी है। यह समस्या बदलते मौसम में ज्यादा बढ़ जाती है। आयुर्वेद में बताया है कि जब शरीर में वात दोष बढ़ता है, तो वह जोड़ों में सूखापन और कठोरता पैदा करता है। इसी वजह से कई लोगों को गठिया या जोड़ों दर्द की पुरानी तकलीफ पैदा हो जाती है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, सर्दी या नमी वाले दिनों में शरीर की ऊष्मा कम हो जाती है, जिससे रक्त प्रवाह धीमा पड़ने लगता है। जिस वजह से जोड़ों में जकड़न और सूजन बढ़ जाती है। हल्का दर्द अचानक तीव्र हो जाता है।

जोड़ों के दर्द से राहत देंगी ये आयुर्वेदिक उपाय

– जोड़ों के दर्द से आराम पाने के लिए सुबह गुनगुने तिल या सरसों के तेल से जोड़ों की हल्के मालिश करें।

– नहाने से पहले शरीर पर तेल की मालिश करें और रक्त संचार भी बेहतर होता और मांसपेशियां की जकड़न कम हो जाती है।

– सर्दियों के दौरान नहाने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें, इस दौरान ठंडे पानी से नहाने बचना जरुरी है।

– भोजन में अदरक, हल्दी, लहसुन और मेथी शामिल करें। इन सभी चीजों में नैचुरल सूजनरोधी गुण होते हैं।

– ज्यादा देर बैठे या खड़े न रहें, बीच-बीच में एक्सरसाइज करें।

नहीं जमती दूध में मोटी मलाई तो ये टिप्स करेंगे आपका काम आसान

हर घर में दूध रोज आता है लेकिन दूध पर जमने वाली मोटी मलाई का भी लोग कई तरह से इस्तेमाल करते हैं। जितनी मलाई मोटी होगी उतनी ही खाने में भी स्वाद लगेगी। इसके अलावा मलाई से बहुत से लोग घर में घी भी निकालते हैं। दूध की मलाई जितनी मोटी होगी उतना ही घी अच्छी क्वालिटी का होगा। लेकिन बहुत सी महिलाओं की शिकायत होती है कि उनके दूध से मलाई अच्छी तरह से नहीं जम पाती। ऐसे में आपको आज कुछ ऐसे आसान टिप्स बताते हैं जिनके जरिए आप घर के दूध से मोटी मलाई निकाल सकते हैं...

धीमी आंच पर उबालें दूध

ज्यादातर घरों में दूध को मीडियम और फुल फ्लेम पर ही गर्म किया जाता है। परंतु यदि आप दूध में से मोटी मलाई जमाना चाहते हैं तो दूध को 5-10 मिनट के लिए धीमी आंच पर उबालें।

उबाल आते न बंद करें गैस

दूध में उबाल आते हुए आप इस बात का ध्यान रखें कि गैस को एकदम से बंद न करें। दूध को उबालने के बाद कुछ मिनट के लिए कम आंच पर उबालें। इसके बाद ही गैस बंद करें। इस तरीके से भी दूध में मोटी मलाई जमेगी।

जाली से ढकें दूध

दूध को उबालने के बाद पूरी प्लेट से दूध को ढकने की जगह आप जाली से दूध को ढकें। इस तरीके से दूध आसानी से ठंडा भी होगा और उसमें मलाई भी मोटी जमेगी। पूरी प्लेट से दूध को ढक देने से भाप अच्छे से नहीं निकल पाती जिसके कारण मलाई भी मोटी नहीं जम पाती। ऐसे में आप दूध को जाली से ही ढकें।

सामान्य तापमान

दूध को सामान्य तापमान पर ठंडा करना आवश्यक है। गर्म दूध को फ्रिज में बिल्कुल भी न रखें। ठंडा दूध होने पर बर्तन को बिना हिलाए-जुलाए धीरे से फ्रिज में रखें। इससे दूध में मलाई मोटी जमेगी।

मलाई को निकालकर करें दूध का इस्तेमाल

दूध को जब भी इस्तेमाल करना है तो पहले उसमें जमी पूरी मलाई को निकाल लें। इसके बाद ही दूध का इस्तेमाल करें। इससे दूध में मलाई जमी रहेगी और बार-बार दूध का इस्तेमाल भी आप कर सकते हैं।





मुंह की बदबू से लेकर मसूड़ों की सूजन तक, अमरूद के पत्तों में छिपा है हर समस्या का राज

आज के समय में अधिकतर लोगों को छाले, मसूड़ों में सूजन, दांतों में दर्द और मसूड़ों से खून आने जैसी ओरल हेल्थ से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिसकी वजह से कई लोग परेशान रहते हैं। हालांकि इस समस्या से राहत पाने के लिए आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों में से एक और औषधीय गुणों से भरपूर अमरूद के पत्ते लाभकारी माने जाते हैं। अमरूद के पत्तों से बने माउथ वॉश का इस्तेमाल करने से मुंह की कई समस्याओं से राहत मिल सकती है।

बता दें कि अमरूद के पत्तों में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुए पाए जाते हैं। जोकि मुंह के स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि ओरल हेल्थ से जुड़ी समस्याओं से राहत के लिए अमरूद के पत्तों से माउथ वॉश कैसे बनाएं और इससे क्या फायदे मिलते हैं।

अमरूद के पत्तों का माउथवॉश

इसके लिए एक गिलास पानी में 4-5 अमरूद के पत्ते, 1/4 छोटी चम्मच नमक और 2-3 लौंग डालकर इसको तब तक उबालें, जब तक पानी आधा न रह जाए। फिर इसमें 1 चम्मच नारियल का तेल मिला दें। अब इस माउथ वॉश से कुल्ला करें।

माउथ वॉश के फायदे

एक्सपर्ट के मुताबिक अमरूद के पत्तों में कई तरह के औधषीय गुण पाए जाते हैं। इसके पत्तों का माउथवॉश का इस्तेमाल करने से मुंह का स्वास्थ्य दुरुस्त होने के साथ कई स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं।

मुंह की बदबू से राहत

अमरूद के पत्तों और लौंग में एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। इस माउथ वॉश का इस्तेमाल करने से बैक्टीरिया खत्म होती है और मुंह की बदबू से भी राहत मिलती है। इसका इस्तेमाल करने से फ्रेश फील होता है।

छालों से दे राहत

बता दें कि अमरूद के पत्तों में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। ऐसे में इस माउथ वॉश का इस्तेमाल करने से मुंह के संक्रमण से बचाव होता है और छालों की समस्या से भी राहत मिलती है। वहीं इस माउथ वॉश के इस्तेमाल से मुंह के पीएच को बैलेंस रखने में सहायता मिलती है।

कैविटीज से बचाव

इस नेचुरल माउथ वॉश के इस्तेमाल से दांतों के दर्द को कम करने, कैविटीज से बचाव करने, दांतों के पीलेपन को कम करने और इनको हेल्दी बनाए रखने में सहायता मिलती है।

मसूड़ों की मजबूती

अक्सर लोगों को मसूड़ों में ब्लीडिंग और सूजन होने की समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में इस नेचुरल माउथ वॉश का इस्तेमाल करने से मसूड़ों की सूजन कम होती है। साथ मसूड़ों को टाइट कर मजबूती देने, ब्लीडिंग से बचाव करने और इंफेक्शन से बचाव करने में सहायता मिलती है।

दांतों होंगे हेल्दी

अमरूद के पत्ते, लौंग और नारियल तेल से बना माउथ वॉश से दांतों को मजबूती मिलती है। इससे दर्द और सूजन भी कम होती है। साथ ही इस माउथ वॉश के इस्तेमाल से दांतों को नेचुरली साफ करने में मदद मिलती है।

पुरानी से पुरानी खांसी और जमे कफ को बाहर निकाल देगा ये देसी नुस्खा, सर्दियों में बेहद फायदेमंद



अक्टूबर का महीना खत्म होते-होते ठंड ने दस्तक दे दी है। यह मौसम जितना सुहावना होता है, उतनी ही परेशानियां भी साथ लाता है। खासकर खांसी, जुकाम और सीने में जमे कफ की समस्या लगभग हर घर में देखने को मिलती है। कई बार दवाइयां लेने के बाद भी इन समस्याओं से राहत नहीं मिलती। ऐसे में आयुर्वेदिक और देसी नुस्खे बेहद असरदार साबित हो सकते हैं।

अपनाएं ये देसी नुस्खा

पुरानी खांसी और जमे हुए कफ को निकालने के लिए यह नुस्खा बेहद कारगर है। इसके लिए सबसे पहले एक नींबू को धीमी आंच पर करीब 20 मिनट तक गर्म करें। इसके बाद उसे बीच से काट लें। अब एक चम्मच में आधा चम्मच नींबू का रस, आधा चम्मच अदरक का रस, एक चम्मच शहद और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर अच्छी तरह से मिश्रण तैयार करें। इसे धीरे-धीरे चाटें। इस घरेलू मिश्रण का म्युकोलिटिक ऐक्शन सीने में जमा हुए कफ को ढीला करता है और पुरानी से पुरानी खांसी से राहत दिलाता है।

सर्दियों में इन बातों का रखें ध्यान

संक्रमण से बचाव

सर्दियों के मौसम में संक्रमण (इंफेक्शन) का खतरा काफी बढ़ जाता है। इस दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। समय-समय पर हाथ धोते रहें, और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से पहले मास्क पहनें। जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर होती है, उन्हें ठंड के मौसम में खास सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि ऐसे लोगों को बार-बार खांसी-जुकाम और सर्दी से जुड़ी समस्याएं घेर सकती हैं।

रोज पिएं हल्दी वाला दूध

सर्दियों के मौसम में हर रात सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीना बेहद फायदेमंद माना जाता है। हल्दी में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण शरीर की इम्युनिटी को बूस्ट करते हैं और आपको खांसी, जुकाम तथा गले की खराश जैसी मौसमी समस्याओं से बचाते हैं। यह न केवल शरीर को भीतर से मजबूत बनाता है, बल्कि सर्द मौसम में गर्माहट भी बनाए रखता है।

पौष्टिक आहार लें

सर्दियों के मौसम में शरीर को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन बेहद जरूरी है। अपने दैनिक भोजन में हरी सब्जियां, दालें, मौसमी फल और घर का बना ताजा खाना शामिल करें। इससे शरीर को जरूरी विटामिन और मिनरल्स मिलते हैं जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। इस मौसम में जंक फूड, तली-भुनी या बहुत मसालेदार चीजों से परहेज करें, क्योंकि ये पाचन को प्रभावित कर सकती हैं और सर्दी-जुकाम की समस्या बढ़ा सकती हैं।

यह नुस्खा सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी चिकित्सकीय सलाह का विकल्प नहीं है। अगर आपको लगातार खांसी या सीने में दर्द जैसी समस्या है, तो किसी योग्य चिकित्सक या विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

रात भर मुंह में रखकर सोएं तुलसी का पत्ता, मिलेंगे गजब स्वास्थ्य लाभ

तुलसी का भारतीय घर में धार्मिक महत्व तो है ही लेकिन क्या आपको पता है कि ये एक औषधि भी है। आज भी हमारी दादी मां- नानी मां भी सर्दी- खांसी या कोई भी वायरल होने पर तुलसी का काढ़ा आदि पीने की सलाह देती हैं। बता दें तुलसी की पत्तियों में एंटी-बैक्टीरियल, एंटा- सेप्टिक और एंटीऑक्सीडेंट्स गुण पाए जाते हैं। आयुर्वेद की मानें तो ये कई बीमारियों का इलाज है।

पाचन तंत्र होता है बेहतर

अगर आपको गैस और एसिडिटी की दिक्कत रहती है, तो रोजाना मुंह में तुलसी के 2 पत्ते रखकर सोएं। इससे पाचन तंत्र स्ट्रांग बनेगा।

तनाव से मुक्ति

तुलसी की पत्तियों में भरपूर मात्रा में अडैप्टोजेन होता है, जो स्ट्रेस लेवल को कम करने में मददगार है। तुलसी की पत्तियां नर्वस सिस्टम को रिलैक्स करती हैं। इसे खाकर सोने से मन शांत होता और बेहद पॉजिटिव महसूस होता है।

सिर दर्द होता है गायब

सर्दी- जुकाम से मिलती है राहत

तुलसी की पत्तियों में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो वायरस का जड़ से खत्म कर देते हैं। रातभर इन्हें मुंह में रखकर सोने से सर्दी-जुकाम से राहत मिलती है।



अगर आपको लगातार सिर में दर्द रहता है और इस वजह से नींद भी नहीं आती है तो अपने मुंह में पत्ते रखकर सोएं। इसमें मौजूद गुण सिर के दर्द को कम करते हैं।

ब्लड शुगर रहता है कंट्रोल में

जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है उन्हें तुलसी का सेवन जरूर करना चाहिए। इससे शरीर में इंसुलिन हार्मोन के उत्पादन बढ़ता है और ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

इम्यूनिटी होता है बूस्ट

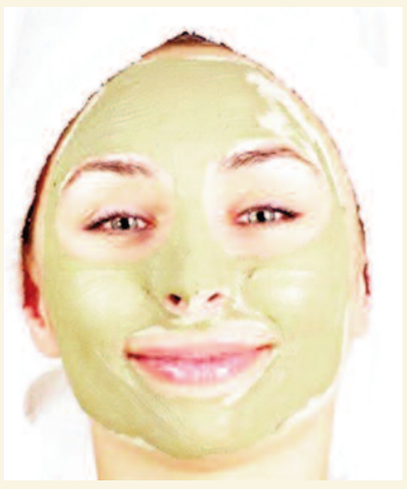
तुलसी की पत्तियों में मौजूद विटामिन सी एक पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट है। रोजाना इसे मुंह में रखकर सोने से शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

चेहरे पर कैसे लगाएं मुल्तानी मिट्टी? इस तरह मिलेंगे बेहतर रिजल्ट्स

चेहरे की खूबसूरती और नेचुरल ग्लो बढ़ाने के लिए मुल्तानी मिट्टी का उपयोग कई लगो करते हैं। यह स्किन से ऑयल और गंदगी हटाकर उसे साफ, मुलायम और फ्रेश बनाती है।

चेहरे पर चमक बनाए रखने के लिए लोग तरह-तरह की चीजों का उपयोग करते हैं। कई लोग मार्केट से महंगे-महंगे प्रोडक्ट्स खरीदकर उपयोग करते हैं, तो कुछ लोग घर में ही मौजूद चीजों को लगाते हैं। ऐसे में अगर आप भी स्किन को मुलायम और चमकदार बनाना चाहते हैं, तो मुल्तानी मिट्टी का उपयोग कर सकते हैं।

मुल्तानी मिट्टी को चेहरे पर लगाने से कई तरह के फायदे होते हैं। इसका फेस पैक स्किन को गहराई से साफ करता है और चेहरे से एक्स्ट्रा ऑयल को कंट्रोल भी करता है।



हालांकि, कई बार लोग इसका गलत तरीके से उपयोग कर लेते हैं, जिससे स्किन ड्राई या रफ हो सकती है। अगर आप भी अपने चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगा रहे हैं, तो कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें।

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाने का तरीका

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाने के लिए सबसे पहले चेहरे को सही से साफ कर लें, ताकि स्किन के पोर्स खुल जाएं और गंदगी साफ हो सके। अब आप एक बाउल में दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी लें और इसमें अपनी स्किन टाइप के मुताबिक कुछ चीजें मिला लें। आप इसके लिए किसी डॉक्टर से भी परामर्श ले सकते हैं।

अगर आपकी स्किन ड्राई है, तो आप मुल्तानी मिट्टी के साथ दूध या गुलाबजल का उपयोग कर सकते हैं। अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो इसके साथ आप नींबू का रस या एलोवेरा जेल का उपयोग कर सकते हैं। वहीं, नॉर्मल स्किन के लिए साफ पानी या दही बेहतर होता है।

चेहरे पर कैसे लगाएं मुल्तानी मिट्टी

मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक तैयार करने के बाद आप किसी मुलायम ब्रश या फिर उंगलियों की मदद से इसे चेहरे पर समान रूप से लगाएं। अब इसे करीब 10-15 मिनट तक सूखने दें। इसके बाद इसे साफ पानी से धो लें। चेहरे से फेस पैक हटाने के बाद कोई हल्का मॉइस्चराइजर जरूर लगाएं। इससे त्वचा में नमी बनी रहती है।



एंथ्रोपिक ने आईपीओ से रचा इतिहास, निवेशकों का एआई पर गहरा भरोसा

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी एंथ्रोपिक ने दुनिया का सबसे बड़ा आईपीओ पेश कर शेयर बाजार में इतिहास रचा है। निवेशकों की जबरदस्त मांग के चलते कंपनी के शेयर शुरुआती अनुमानित मूल्य 70-78 डॉलर से कहीं अधिक, 83 डॉलर प्रति शेयर पर अलॉट किए गए हैं। यह एआई तकनीक में बढ़ते वैश्विक भरोसे का स्पष्ट संकेत है, हालांकि कंपनी के सामने अब भी कई बड़ी चुनौतियां हैं।

नैस्डैक पर एएनटी टिकर के तहत कारोबार शुरू करने जा रहे एंथ्रोपिक के एआई मॉडल क्लॉड, विशेषकर क्लॉड कोड की सॉफ्टवेयर डेवलपर्स के बीच लोकप्रियता ने इस सफलता में अहम भूमिका निभाई है। कंपनी की फाइलिंग के अनुसार, 31 अक्टूबर 2026 तक उसका सालाना राजस्व रन रेट 81 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, और 1 लाख डॉलर से अधिक राजस्व वाले ग्राहकों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई है। हालांकि, इस अभूतपूर्व वृद्धि के साथ बड़ी लागतें भी जुड़ी हैं। एआई मॉडल बनाने और चलाने के लिए आवश्यक विशाल कंप्यूटिंग क्षमता व डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च लगातार बढ़ रहा है। 2026 की पहली छमाही में लगभग 9 अरब डॉलर और तीसरी तिमाही में 5 अरब डॉलर के खर्च के कारण कंपनी को तीसरी तिमाही में 567 मिलियन डॉलर का ऑपरेटिंग लॉस हुआ। अमेज़ॉन व गूगल के साथ 900 अरब डॉलर के कंप्यूटिंग खर्च की प्रतिबद्धता भविष्य में भी बड़े निवेश की आवश्यकता दर्शाती है। साथ ही, एंथ्रोपिक को एआई सुरक्षा व तकनीक के तेजी से विकास से जुड़े सवालों से भी निपटना है। अब निवेशकों की नजर नैस्डैक पर एंथ्रोपिक के शेयरों की लिस्टिंग और उनके शुरुआती प्रदर्शन पर टिकी है।

कार्नेलियन का फ्लेक्सी कैप फंड जल्द,निवेशकों को मिलेगा निवेश का मौका

सेबी के पास ड्राफ्ट जमा, 500 रुपए से शुरू कर सकेंगे निवेश

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए खुशखबरी! कार्नेलियन म्यूचुअल फंड एक नई फ्लेक्सी कैप स्कीम कार्नेलियन फ्लेक्सी कैप फंड लाने की तैयारी में है।

इसके लिए ड्राफ्ट दस्तावेज बाजार नियामक सेबी को सौंप दिए गए हैं। यह फंड निवेशकों को विभिन्न बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों- लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप में निवेश का व्यापक अवसर प्रदान करेगा। यह एक ओपन-एंडेड स्कीम होगी, जिसका अर्थ है कि निवेशक अपनी सुविधा अनुसार इसमें कभी भी पैसा लगा या निकाल सकते हैं। फंड मैनेजर के पास बाजार की परिस्थितियों के अनुसार लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों के शेयरों के बीच निवेश आवंटित करने का पूरा लचीलापन होगा। निवेशक इस स्कीम में न्यूनतम 500 रुपये से शुरुआत कर सकेंगे, जिसके बाद एक रुपये के गुणक में अतिरिक्त निवेश संभव होगा। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की न्यूनतम राशि भी 500 रुपये रखी गई है, जिसमें दैनिक, साप्ताहिक, मासिक और तिमाही जैसे कई विकल्प उपलब्ध होंगे। दैनिक एसआईपी के लिए कम से कम 30 किस्तों और अन्य विकल्पों के लिए 12 किस्तों की आवश्यकता होगी।

चंदा कोछड़ को बड़ी राहत, हाई कोर्ट ने मुकदमे की मंजूरी रद्द की

निदेशक मंडल को नहीं था अधिकार, आरबीआई के पास है मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का हक

नई दिल्ली ।

बंबई उच्च न्यायालय ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक चंदा कोछड़ को वीडियोकॉन ऋण मामले में बड़ी राहत प्रदान की है।

न्यायालय ने उन पर मुकदमा चलाने के लिए बैंक के निदेशक मंडल द्वारा दी गई मंजूरी को रद्द कर दिया है, यह कहते हुए कि यह अधिकार निदेशक मंडल के पास नहीं बल्कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास था। अदालत ने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम (पीसी एक्ट) के तहत किसी बैंक के प्रबंध निदेशक के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का अधिकार बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत केवल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास है, न कि बैंक के निदेशक मंडल के पास। न्यायालय ने यह भी पाया कि 15 मई, 2023 के मंजूरी आदेश में तथ्यों पर उचित विचार नहीं किया गया था और सबूतों की स्वतंत्र जांच नहीं हुई थी। इसके परिणामस्वरूप, उच्च न्यायालय ने मंजूरी और मामले में विशेष सीबीआई अदालत की ओर से की गई आगे की सभी कार्रवाइयों को रद्द कर दिया। सीबीआई की ओर से इस फैसले पर 8 सप्ताह की रोक लगाने की मांग को भी अदालत ने खारिज कर दिया। चंदा कोछड़ ने पीसी एक्ट की धारा 19 के तहत दी गई इस मंजूरी को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 989, निफ्टी 286 अंक उछला

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज वाहन और बैंक शेयरों में में हुई खरीदारी से भी बाजार को बल मिल मिला। विदेशी फंड्स की लगातार आवक और कमोडिटी की कीमतों में नरमी से भी बाजार ऊपर आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 989.94 अंक उछलकर 83,021.75 पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 286.35 अंक बढ़कर 25,514.30 पर बंद हुआ था।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स पैक में सबसे ज्यादा मारुति सुजुकी के शेयर 7.58 फीसदी उछले। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा , एक्सिस बैंक , हिंदुस्तान यूनिलीवर , भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर भी उछले। वहीं दूसरी तरफ, आईटी शेयरों में गिरावट रही। , टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) के शेयर सबसे अधिक गिरे। बाजार की इस तेजी के पीछे विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी का भी बड़ा हाथ रहा। विदेशी निवेशकों ने बुधवार को 5,866.78 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।

वहीं आज एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि चीन का शंघाई एएसएफ कंपोजिट और हॉन्गकॉन्ग



का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में भी ज्यादातर तेजी रही।

अमेरिकी बाजारों की बात करें तो उसमें मिला-जुला रुख रहा। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 1.11 फीसदी गिरा, एसएंडपी 500 में 0.23 फीसदी की गिरावट आई, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.42 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ था। वहीं इससे पहले आप सुबह भारतीय शेयर बाजारों में मुनाफावसूली का दबाव देखने को मिल रहा। बेंचमार्क इंडेक्स लगातार दूसरे सेशन में गिर गया है। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 81700 के नीचे फिसल गया है। निफ्टी भी कमजोरी के चलते 25100 तक फिसला।

सोने के भाव में गिरावट,चांदी भी फिसली

सोने का भाव 1,28,858, चांदी का भाव लगभग 1,60,325 रुपए

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर में लगातार मजबूती और फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में तेज बढ़ोतरी की आशंका से सोने-चांदी की कीमतों पर दबाव पड़ रहा है। खबर लिखे जाने के समय दोनों के भाव गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 1,494 रुपये की गिरावट के साथ 1,28,320 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,29,814 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 956 रुपये की गिरावट के साथ 1,28,858 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,59,700 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 2,401 रुपये की गिरावट के साथ 1,60,325 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,60,734 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 997 रुपये की गिरावट के साथ 1,59,737 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के भाव सुस्ती के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 3,730.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,741.90 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 26.80 डॉलर की गिरावट के साथ 3,715.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

ईपीएफओ की नई योजना, रिटायरमेंट के बाद पीएफ किस्तों में मिलेगा

- सेवानिवृत्ति के बाद भी खाते में रहेगा पैसा, मिलेगा ब्याज

नई दिल्ली।

रिटायरमेंट के बाद भविष्य निधि (पीएफ) का पैसा एक साथ निकालने के बजाय अब धीरे-धीरे निकालने की सुविधा मिल सकती है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) इसके लिए सिस्टमैटिक विदड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) लाने पर विचार कर रहा है, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद भी आपके पैसे पर ब्याज मिलता रहेगा और नियमित आय सुनिश्चित होगी। ईपीएफओ रिटायरमेंट फंड से पैसा निकालने के लिए अपने सदस्यों को अधिक विकल्प देने की तैयारी में है। प्रस्तावित एसडब्ल्यूपी योजना के तहत, कर्मचारी अपनी जरूरत के अनुसार पीएफ खाते से किस्तों में पैसा निकाल सकेंगे। यह मौजूदा व्यवस्था से अलग होगा, जहां कर्मचारी 55 साल की उम्र में रिटायर होने पर पूरी राशि एकमुश्त निकाल सकते हैं। एसडब्ल्यूपी से यह सुनिश्चित होगा कि रिटायरमेंट के बाद भी आपका फंड निवेशित रहे और उस पर ब्याज मिलता रहे, जिससे आपको नियमित आय का विकल्प मिलेगा। इन अहम प्रस्तावों पर अंतिम निर्णय लेने के लिए ईपीएफओ के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकाय, सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठक 19 नवंबर को होने वाली है।

म्यूचुअल फंड निवेशकों का रुझान बदला, लार्जकैप फंडों ने स्मॉलकैप को पछाड़ा

बीते एक महीने में लार्जकैप फंडों ने दिया 9.8 फीसदी का शानदार रिटर्न

नई दिल्ली ।

बीते एक महीने में भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है, जहां लार्जकैप फंडों ने निवेशकों को शानदार रिटर्न देकर स्मॉलकैप और मिडकैप फंडों को काफी पीछे छोड़ दिया है। इस अवधि में लार्जकैप फंडों ने जहां 9.8 फीसदी का प्रभावशाली रिटर्न दिया, वहीं स्मॉलकैप फंडों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उन्हें केवल 0.7 फीसदी का रिटर्न मिला। मिडकैप फंडों ने 4 फीसदी का रिटर्न दर्ज किया। रिटर्न के साथ-साथ, निवेशकों के रुझान में भी स्पष्ट बदलाव आया है, जिसमें लार्जकैप फंडों में शुद्ध निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जबकि स्मॉलकैप फंडों से निवेश घटा है। अक्टूबर 2026 की एक रिपोर्ट के अनुसार बीते एक महीने में भारतीय शेयर बाजार ने शानदार वापसी की और भारतीय इक्विटी फंड का औसत प्रदर्शन 6 फीसदी रहा। इसके विपरीत, वैश्विक इक्विटी फंड और सोने-चांदी में निवेश करने वाले फंडों में गिरावट देखी गई। रिपोर्ट बताती है कि लार्जकैप म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश 9,634 करोड़ रुपये से बढ़कर 13,887 करोड़ रुपये हो गया, जो लगभग 44 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। वहीं, स्मॉलकैप फंड में शुद्ध निवेश 8,071 करोड़ रुपये से घटकर 5,152 करोड़ रुपये रह गया, जिसमें लगभग 36 फीसदी की गिरावट आई। जानकारों का मानना है कि इस



तेजी के पीछे विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में वापसी और उनका बड़ी कंपनियों के शेयरों पर केंद्रित ध्यान एक प्रमुख वजह रहा। वैश्विक स्तर पर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)से जुड़ी कंपनियों में अत्यधिक निवेश पर सवाल उठने और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण ब्याज दरों में वृद्धि की आशंकाओं ने सोने-चांदी जैसी परिसंपत्तियों पर दबाव डाला।

ऐसे माहौल में निवेशकों ने भारत जैसे उभरते बाजारों का रुख किया, जहाँ उन्हें स्थिर बड़ी कंपनियों में निवेश सुरक्षित लगा।

डीएसपी और यूनियन म्यूचुअल फंड में आईडीसीडब्ल्यू का ऐलान, मिलेगा आय वितरण

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। डीएसपी म्यूचुअल फंड और यूनियन म्यूचुअल फंड ने अपनी दो लोकप्रिय स्कीम्स में इनकम डिस्ट्रीब्यूशन कम कैपिटल विदड्रॉल (आईडीसीडब्ल्यू) के तहत भुगतान करने की घोषणा की है। यह कदम निवेशकों को आय वितरण का एक अवसर प्रदान करेगा। डीएसपी म्यूचुअल फंड ने अपनी डीएसपी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड स्कीम के रेगुलर और डायरेक्ट, दोनों प्लान के आईडीसीडब्ल्यू विकल्प में 0.55 रुपये प्रति यूनिट देने का ऐलान किया है। वहीं यूनियन म्यूचुअल फंड ने यूनियन अग्रेसिव हाइब्रिड फंड के रेगुलर और डायरेक्ट प्लान के आईडीसीडब्ल्यू विकल्प में 0.10 रुपये प्रति यूनिट देने की घोषणा की है। इन दोनों स्कीम्स के लिए रिकॉर्ड डेट 19 नवंबर निर्धारित की गई है। गौरतलब है कि बाजार नियामक सेबी ने अप्रैल 2021 से लाभांश (डिविडेंड) का नाम बदलकर आईडीसीडब्ल्यू कर दिया था। उदाहरण के तौर पर, डीएसपी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड की 10,000 यूनिट पर 5,500 रुपये और यूनियन अग्रेसिव हाइब्रिड फंड की उतनी ही यूनिट पर 1,000 रुपये का भुगतान होगा।

खुदरा कर्ज में बूम, पर कुछ श्रेणियों में बढ़ रही डिफॉल्ट की चिंता

नई दिल्ली ।

देश में खुदरा कर्ज का बाजार तेजी से फल-फूल रहा है, पर इसकी चमक के पीछे कुछ श्रेणियों में बढ़ते डिफॉल्ट (किस्त चुकाने में देरी) की चिंताएं भी मंडरा रही हैं। एक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, खासकर गोल्ड लोन, कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन और पर्सनल लोन में शुरुआती दबाव के संकेत मिल रहे हैं। सितंबर के अंत तक देश का कुल खुदरा कर्ज पोर्टफोलियो सालाना आधार पर 18.8 फीसदी बढ़कर 185.2 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। गोल्ड लोन 60.6 फीसदी की वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली कर्ज श्रेणी बनकर उभरा। इसके बाद सिक्योर्ड बिजनेस लोन (45.2 फीसदी) और कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन (44.5 फीसदी) का स्थान रहा। हालांकि, इस वृद्धि के साथ ही कुछ चिंताजनक रुझान भी सामने आए हैं।

गोल्ड लोन में 31 से 90 दिन तक किस्त बकाया रहने के मामले



जून के 0.9 फीसदी से बढ़कर सितंबर में 1.3 फीसदी हो गए हैं। वहीं, 31 से 180 दिन तक की बकाया कर्ज की हिस्सेदारी भी 1.3 फीसदी से बढ़कर 1.6 फीसदी हो गई है।

यह स्थिति बढ़ती आर्थिक अनिश्चितता के बीच कर्ज लेने वालों पर बढ़ते वित्तीय दबाव को उजागर करती है।

यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर लागू करने के प्रस्ताव फिलहाल टला

आगामी चुनावों और व्यापारी विरोध के चलते केंद्र का निर्णय

नई दिल्ली ।

डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने वाले यूपीआई ग्राहकों और दुकानदारों के लिए बड़ी राहत की खबर है।

केंद्र सरकार ने यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) यानी पेमेंट प्रोसेसिंग फीस लागू करने के प्रस्ताव को फिलहाल टालने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आगामी विधानसभा चुनावों और देशभर में व्यापारी संगठनों के मुखर विरोध के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। यह प्रस्ताव 2,000 रुपये से अधिक के चुनिंदा मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर 0.4 फीसदी एमडीआर लगाने का था। 75,000 रुपये या अधिक के लेनदेन पर यह शुल्क अधिकतम 300 रुपये तक सीमित रखने का प्रावधान था। हालांकि, 2,000 रुपये तक के मर्चेंट पेमेंट और व्यक्ति-से-व्यक्ति ट्रांसफर पर कोई शुल्क नहीं लगना था। छोटे व्यापारियों (मासिक 1 लाख रुपए तक क्यूआर कोड भुगतान) को भी एमडीआर से छूट का प्रस्ताव था। सरकार इस फैसले को 2027 के विधानसभा चुनावों के बाद तक टाल सकती है, जिसमें अगले साल उत्तर प्रदेश, पंजाब जैसे राज्यों में चुनाव हैं। दिवाली से पहले 15 अक्टूबर को इसे लागू करने की योजना भी टल गई थी। व्यापारी संगठनों ने नो यूपीआई डे का ऐलान कर विरोध किया था, जिसे वित्त मंत्री से बातचीत के बाद वापस ले लिया गया। एनपीसीआई छोटे व्यापारियों को डिजिटल पेमेंट से जोड़ने के लिए यूपीआई व्यापार सक्षम योजना भी चला रहा है।

वेतन वृद्धि से मांग बढ़ाएं, निजी निवेश को गति द-डीईए सचिव

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य हेतु सार्वजनिक-निजी भागीदारी पर भी दिया जोर

नई दिल्ली।

आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) की सचिव अनुराधा ठाकुर ने गुरुवार को उद्योग जगत से वेतन में ठहराव की स्थिति दूर करने का आग्रह किया। फिक्की के वार्षिक सम्मेलन में उन्होंने कहा कि वेतन बढ़ने से मांग को प्रोत्साहन मिलेगा और अर्थव्यवस्था के विस्तार का सकारात्मक चक्र मजबूत होगा। ठाकुर ने देश की आर्थिक वृद्धि बनाए रखने के लिए निजी निवेश बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, यह देखते हुए कि अप्रैल से निवेश गतिविधियों में तेजी दिख रही है और विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक सुधार के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने भारत को अपनी विकास यात्रा के महत्वपूर्ण दौर में बताया, जहां सार्वजनिक-निजी भागीदारी और उद्योग, सरकार व समुदायों के बीच सहयोग से आर्थिक वृद्धि को गति मिल सकती है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का जिक्र करते हुए उन्होंने मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों को इसे हासिल करने का अवसर बताया। ठाकुर ने पिछले दशक के सुधारों, जैसे जीएसटी, की सराहना की और सुधारों की प्रक्रिया जारी रखने पर जोर दिया। डीईए सचिव ने उद्योग जगत से सरकार के साथ मिलकर काम करने और सार्वजनिक-निजी भागीदारी, मांग बढ़ाने व कर्मचारियों की स्थिति बेहतर बनाने जैसे क्षेत्रों में सहयोग का आग्रह किया। विश्व बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए ठाकुर ने बताया कि अत्यधिक गरीबी 2011 के 27.1 फीसदी से घटकर 2023 में 2.6 फीसदी रह गई है, जो सरकारी प्रयासों की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने उद्योगों से विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में सरकार के साथ साझेदारी मजबूत करने का आह्वान किया।

मस्क का हुआंग को समर्थन, प्रतिभाशाली सीईओ बताया

जेनसेन हुआंग को हटाना, एन वि डिया की बड़ी भूल- उनकी जगह कोई नहीं ले सकता

ऑस्टिन ।

स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने एनवीडिया के पूर्व प्रमुख जेन्सेन हुआंग के समर्थन में खुलकर बात की है, उन्हें माइकल जॉर्डन जैसा प्रतिभाशाली उद्यमी बताते हुए अपनी कंपनी में काम पर रखने तक की पेशकश कर डाली।

हालांकि, एनवीडिया का बोर्ड हुआंग को वापस लाने के किसी भी विचार के खिलाफ अडिग है, खासकर राष्ट्रीय सुरक्षा और कथित चीनी जासूस के साथ उनके संबंधों को लेकर बढ़ते विवाद के बीच। मस्क ने यहां एक स्थानीय अखबार के डील बुक समिट में बोलते हुए एनवीडिया के इस कदम की तुलना शिकागो बुल्स द्वारा माइकल जॉर्डन को जीत के बीच टीम से निकाले जाने से की, और हुआंग को इतिहास के सबसे प्रतिभाशाली उद्यमी सीईओ में से एक बताया। उन्होंने कहा कि हुआंग अकेले ही कई लोगों का काम संभालते हैं, सप्लाई चेन का प्रबंधन करते हैं और उनके पास दशकों के गहरे व मजबूत संबंध हैं।

मस्क ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह निश्चित रूप से हुआंग को काम पर रखेंगे, क्योंकि उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। इसके विपरीत, एनवीडिया बोर्ड ने हुआंग की बहाली की संभावना को सिरे से खारिज कर दिया है और एक स्थायी उत्तराधिकारी की तलाश शुरू कर दी है।

अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों, जिनमें हाउस लीडर हकीम जेफ़रीज़ भी शामिल हैं, ने एनवीडिया के फैसले का समर्थन किया है।

जेफ़रीज़ ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए हुआंग की वापसी को अस्वीकार्य बताया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में आया है जब जेन्सेन हुआंग कथित चीनी जासूस ऐलिस हुआंग के साथ अपने संबंधों को लेकर 1 दिसंबर को हाउस की तीन कमेटियों के सामने गवाही देने वाले हैं।

बोर्ड ने पूर्व प्रमुख से जुड़े विवाद के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों और निर्यात नियंत्रण नियमों के अनुपालन की निगरानी के लिए एक नई समिति बनाने की भी घोषणा की है।

कृषि क्षेत्र में महिला शक्ति की भारत की गरीबी उन्मूलन में निर्णायक भूमिका

आईसीएआर का मुख्य जोर महिला सशक्तीकरण और नवाचार पर



भुवनेश्वर ।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने हाल ही में विश्व बैंक की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए खुलासा किया कि पिछले 12-13 वर्षों में भारत में 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। इस अभूतपूर्व उपलब्धि में कृषि क्षेत्र से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं का योगदान असाधारण रहा है, जिसे दुनिया में अपनी तरह का सबसे तेज और बड़ा प्रयास बताया गया है। जाट ने केंद्रीय महिला कृषि संस्थान (सीआइडब्ल्यूए) द्वारा आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय कृषि मेले को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि आईसीएआर का मुख्य जोर महिला सशक्तीकरण और नवाचार पर है। संस्थान कृषि क्षेत्र में महिलाओं से संबंधित शोध के लिए समर्पित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब महिलाओं को केवल कठिन शारीरिक श्रम तक सीमित रखने के बजाय उन्हें नवाचार और कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखला, जिसमें खाद्य प्रसंस्करण और विपणन शामिल है, से जोड़ने पर बल दिया जा रहा है। अे धिकारी ने बताया कि आईसीएआर शोध से जुड़ी कमियों को पहचान कर उन्हें दूर करने की दिशा में काम कर रहा है।

सब कुछ तय, बस ऐलान बाकी!

IPL 2027 में रोहित शर्मा फिर संभालेंगे MI की कमान? देख लीजिए ये पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2027 से पहले मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं. हार्दिक पंड्या ट्रेड के जरिए टीम से बाहर हो चुके हैं और अब रोहित शर्मा की कप्तानी में वापसी की चर्चाएं तेज हो गई हैं. इस बीच फ्रेंचाइजी के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने इन अटकलों को और हवा दे दी है. मुंबई इंडियंस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है. इसमें रोहित शर्मा की तस्वीर बैकग्राउंड में नजर आ रही है और उनके पीछे 'मुंबईचा राजा' लिखा है. इसका मतलब है मुंबई का राजा. फ्रेंचाइजी ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'सीजन 17 मुंबईचा राजा के लिए ब्लू एंड गोल्ड में! पलटन, TATAIPL 2027 के लिए तैयार?' इस पोस्ट के सामने आते ही फैन्स ने रोहित को दोबारा कप्तान बनाने की मांग शुरू कर दी. कई फैन्स ने कमेंट में 'कैप्टन रोहित शर्मा' और 'कैप्टन रोहित शर्मा के दौर में एक बार फिर तैयार' लिखा. हालांकि, मुंबई इंडियंस ने अभी आधिकारिक तौर पर कप्तान के नाम का ऐलान नहीं किया है.

रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के सबसे सफल कप्तानों में शामिल हैं. उनकी कप्तानी में टीम ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में कुल पांच आईपीएल खिताब जीते थे. उन्होंने 2013 से 2023 तक टीम की कप्तानी की. इसके बाद 2024 से 2026 के बीच हार्दिक पंड्या ने यह जिम्मेदारी संभाली. अब हार्दिक के टीम



से बाहर होने के बाद रोहित की कप्तानी में वापसी की संभावना जताई जा रही है.

MI ने 16 खिलाड़ियों को किया रिटेन – मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2027 के लिए रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, तिलक वर्मा, नमन धीर, रयान रिकेल्टन, शेरफेन रदरफोर्ड, क्विंटन डिकॉक, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, शार्दुल ठाकुर, राज बावा, मिचेल सैंटनर, अश्वनी कुमार और रघु शर्मा को रिटेन किया है. वहीं, अर्शदीप सिंह ट्रेड के जरिए टीम से जुड़े हैं. फ्रेंचाइजी ने ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, एएम गजनफर, अथर्व अंकोलेकर, केशव महाराज, मोहम्मद इजहार, दानिश मालवेर, मयंक मार्कंडे, मयंक रावत, महीपाल लोमरोर, रॉबिन मिंज, रुचित अहिर और कृष्ण भगत को रिलीज किया है. हार्दिक पंड्या भी ट्रेड के जरिए टीम से बाहर हुए हैं. मुंबई इंडियंस के पास अब 32.6 करोड़ रुपये का पर्स बचा है. टीम के पास कुल 9 स्लॉट खाली हैं, जिनमें 2 विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं.

पोलार्ड बने हेड कोच, उथप्पा को भी बड़ी जिम्मेदारी – मुंबई इंडियंस ने अपने कोचिंग सेटअप में भी बदलाव किया है. वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड अब टीम के हेड कोच होंगे. भारत के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा को बैटिंग कोच और न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल मैक्लेनघन को बॉलिंग कोच बनाया गया है. इसके अलावा भारतीय टीम के पूर्व फील्डिंग कोच टी दिलीप को फील्डिंग कोच की जिम्मेदारी मिली है. मुंबई के अनुभवी तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी डेवलपमेंट बॉलिंग कोच के तौर पर नए कोचिंग सेटअप का हिस्सा होंगे.

सिराज को प्लेइंग इलेवन से बाहर करने पर शास्त्री-गावस्कर और रहाणे ने जताई नाराजगी, बोले-यह चौंकाने वाला फैसला

वेलिंग्टन, एजेंसी। भारत के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने कहा कि मोहम्मद सिराज के अनुभव और आक्रामकता के कारण उन्हें बेसिन रिजर्व में न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट के लिए भारत की अंतिम एकादश में जगह मिलनी चाहिए थी, और उन्होंने सवाल किया कि तेज गेंदबाज को ऐसी पिच पर क्यों बाहर रखा गया जहां सीम मूवमेंट को बढ़ावा मिलता था। रवि शास्त्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'उम्मीद है कि भारत मजबूती से वापसी करेगा। मगर अगर गति, कौशल और सीम मूवमेंट मानदंड थे और 140 क्लिक हासिल करना मुश्किल था, तो किसी को सवाल पूछना होगा। मोहम्मद सिराज कहां थे? अनुभव, आक्रामकता और गेंद के साथ कुछ करने की क्षमता। निश्चित रूप से यह कुछ मायने रखता है।' आंकड़े शास्त्री की बात का समर्थन करते हैं। सिराज वर्तमान विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में 26.81 की औसत से 43 विकेट के साथ भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अंतिम एकादश से बाहर किए गए रवींद्र जड़ेजा भी 33 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वह भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक रहे हैं, उन्होंने 60.76 की औसत से 790 रन बनाकर रन बनाने वालों की सूची में तीसरा स्थान साझा किया है, जिसमें दो शतक और छह अर्द्धशतक शामिल हैं। शास्त्री अकेले



नहीं थे जिनका मानना ??था कि भारत ने सिराज द्वारा गेंदबाजी आक्रमण में लाए गए योगदान को नजरअंदाज कर दिया है। जैसे ही बेसिन रिजर्व में पहला दिन बीत गया, अन्य पूर्व खिलाड़ियों ने भी चयन पर सवाल उठाया। भारत के पास न्यूजीलैंड का स्कोर 70/5 था, लेकिन हेनरी निकोल्स (नाबाद 113) और ग्लेन फिलिप्स (नाबाद 94) ने 173 रनों की अटूट साझेदारी की, जिससे स्टंप्स तक मेजबान टीम का स्कोर 243/5 हो गया। यह उस तरह का स्पैल था जिसमें सफलता दिलाने में सक्षम गेंदबाज की सबसे ज्यादा जरूरत थी। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के प्रसारण पर महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी सिराज के वेलिंगटन में नहीं खेलने पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि संकेत तब थे जब उन्हें 50 ओवरों की टीम में शामिल किया गया था और उन्होंने केवल आखिरी गेम खेला था। दरअसल, जब उन्होंने आखिरी गेम खेला था, तो मैंने सोचा था कि वे उन्हें यहां मैच के लिए तैयार कर रहे थे। मगर अंतिम एकादश में उनका नाम न देखना एक आश्चर्य है, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि उन्होंने भारत को निराश किया है, उन्होंने कभी भी भारत को निराश नहीं किया है। उनकी गेंदबाजी में कुछ भी गलत नहीं हुआ है। उनकी लय अच्छी है। हमने उन्हें बीच-बीच में देखा है कि उन्होंने जो भी क्रिकेट खेला है, वह ठीक रहा है। उन्हें क्यों नहीं चुना गया यह कुछ ऐसा है जो मुझे नहीं पता। '

वेलिंगटन टेस्टः

निकोलस का शतक, फिलिप्स सैकड़े के करीब, पहले दिन न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर 243 रन बनाए

वेलिंगटन, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेले जा रहे टेस्ट मैच का पहला दिन समाप्त हो गया। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय न्यूजीलैंड ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 243 रन बना लिए हैं। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पारी की शुरुआत करने उतरे कप्तान टॉम लैथम और डेवन कोनवे जल्दी आउट हो गए। लैथम 0 और कोनवे 4 के स्कोर पर आउट हुए। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए हेनरी निकोलस ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन रचिन रवींद्र (15), डेरिल मिशेल (1) और विकेटकीपर-बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल (5) के विकेट गिरने से टीम की मुश्किलें बढ़ गईं। 70 के स्कोर पर 5 विकेट गंवा चुकी मेजबान टीम को निकोलस और सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए ग्लेन फिलिप्स ने संभाल लिया है।



प्रीमियर लीगः

मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए पोचेटिनो करेंगे डेब्यू, ऐतिहासिक उपलब्धि पर होगी आर्सेनल की नजर



नई दिल्ली, एजेंसी। प्रीमियर लीग के 11वें मैचवीक में कई बड़े मुकाबले देखने को मिलेंगे। एनफील्ड में लिवरपूल के खिलाफ होने वाले हाई-प्रोफाइल मुकाबले में मॉरिसियो पोचेटिनो पहली बार मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर के तौर पर उतरेंगे। वहीं, न्यूकैसल यूनाइटेड के खिलाफ मैच में आर्सेनल एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने की कोशिश करेगा। अपने पहले 11 लीग मैचों में 10वीं जीत की तलाश कर रही आर्सेनल, प्रीमियर लीग के इतिहास में ऐसा करने वाली केवल पांचवीं टीम बन सकती है। इससे पहले केवल चेल्सी (2005-06), मैनचेस्टर सिटी (2011-12 और 2017-18) और लिवरपूल (2019-20) ही ऐसा कर पाई हैं। दूसरी ओर, मैनचेस्टर यूनाइटेड प्रीमियर लीग में लगातार 8 मैचों से जीत नहीं पाई है, जिसमें 5 ड्रॉ और 3 हार शामिल हैं। इस सीजन में यह किसी भी टीम का सबसे लंबा बिना जीत वाला सिलसिला है। इससे पहले, क्लब को नवंबर 1989 से फरवरी 1990 के बीच ऐसे ही दौर से गुजरना पड़ा था, जब वह लगातार 11 मैचों तक कोई जीत हासिल नहीं कर पाया था।

पोचेटिनो मैनचेस्टर यूनाइटेड के ऐसे पहले मैनेजर बन जाएंगे, जो क्लब के साथ प्रीमियर लीग में अपना डेब्यू लिवरपूल के खिलाफ करेंगे। लिवरपूल को कोडी गैकपो से भी काफी उम्मीदें होंगी। इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने यूनाइटेड के खिलाफ प्रीमियर लीग में 5 गोल किए हैं, जो किसी भी अन्य प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ किए गए उनके गोलों से अधिक हैं। मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ अपने पिछले 3 मैचों में से हर बार उन्होंने गोल किया है।

वहीं, मैनचेस्टर सिटी अपने घरेलू मैदान पर फुलहम का सामना करेगी और लंदन के इस क्लब के खिलाफ अपनी शानदार जीत की लय को आगे बढ़ाना चाहेगी। सिटी ने सभी प्रतियोगिताओं में फुलहम के खिलाफ अपने पिछले 20 मुकाबले जीते हैं, जिसमें लगातार 17 लीग मैच भी शामिल हैं। इंग्लिश फुटबॉल में एक टीम द्वारा दूसरी टीम के खिलाफ दर्ज की गई यह सबसे लंबी जीत की लय है। हालांकि, एंजो मारेस्का की टीम (चेल्सी) को इस सीजन में अपने पिछले तीन प्रीमियर लीग मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि फुलहम अपने पिछले 4 मैचों में अजेय रही है, जिसमें उन्होंने 2 जीत हासिल की हैं और 2 मैच ड्रॉ खेले हैं। एस्टन विला में उनाई एमरी प्रीमियर लीग में 150 मैचों में टीम को मैनेज करने का मुकाम हासिल करेंगे। मार्टिन ओ'नील के बाद, ऐसा करने वाले वह विला के दूसरे मैनेजर बन जाएंगे। एमरी ने अपने पहले 149 लीग मैचों में 76 जीत, 33 ड्रॉ और 40 हार दर्ज की हैं। इस सीजन में विला के फॉरवर्ड निकोलस जैक्सन भी सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। उन्होंने 6 गोल किए हैं और उनसे आगे केवल एर्लिंग हालैंड (9 गोल) और अलेक्जेंडर इसाक (7 गोल) हैं। बोर्नमाउथ का सामना नॉटिंघम फॉरेस्ट से होगा, तो उनकी कोशिश पहली बार लगातार 5 टॉप-फ्लाइट मैच जीतने की होगी।

रबाडा-हार्मर का चला जादू, साउथ अफ्रीका ने पहले टेस्ट में बांग्लादेश को 9 विकेट से रौंदा

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को पहले टेस्ट में 9 विकेट से रौंदा। द वांडरर्स क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश से मिले महज 12 रनों के लक्ष्य को साउथ अफ्रीका ने एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। टेस्ट के पांचवें और आखिरी दिन अपने 100/5 के स्कोर से आगे खेलते हुए बांग्लादेश की पूरी टीम दूसरी पारी में 168 रन बनाकर सिमटी। टीम की ओर से लिटन दास ने 38 गेंदों में सर्वाधिक 39 रन बनाए, जबकि महफिजुल इस्लाम ने 32 रनों का योगदान दिया। हालांकि, इन दोनों को छोड़कर बांग्लादेश के बाकी बल्लेबाजों ने साउथ अफ्रीका के गेंदबाजों के आगे आसानी से घुटने टेक दिए। तौहीद हिरदॉय ने 23 रन बनाए जबकि मुशफिकुर रहीम ने 22 रनों का योगदान दिया। मेहदी हसन मिराज ने 15 रन बनाए। दूसरी पारी में बांग्लादेश के पांच बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। गेंदबाजी में साउथ अफ्रीका की ओर से साइमन हार्मर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 12.3 ओवर में 51 रन देकर 6 विकेट चटकाए। वहीं, पहली पारी में 5 विकेट लेने वाले कगिसो रबाडा ने दूसरी इनिंग में भी 3 विकेट झटके। मार्को जानसेन ने एक विकेट अपने नाम किया।



रबाडा ने दोनों पारियों को मिलाकर कुल 8 विकेट झटके और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इससे पहले, बांग्लादेश ने पहली पारी में तौहीद हिरदॉय द्वारा खेली गई 137 और लिटन दास की 120 रनों की शानदार पारियों की बदौलत 400 रन बनाए, जो टीम का टेस्ट क्रिकेट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर भी रहा। तंजीद हसन तमीम ने 67 रनों का योगदान दिया। रबाडा ने पहली पारी में 5, जबकि डेन पैटरसन ने 4 विकेट निकाले। इसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने 557 रन बनाए। टीम की ओर से मार्क्वेस एकरमैन ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 157 रनों की लाजवाब पारी खेली।

वहीं, रयान रिकेल्टन ने 102 रन बनाए। जुबैर हमजा ने 83 और कप्तान टेंबा बावुमा ने 68 रनों का योगदान दिया। पहली पारी में गेंद से 5 विकेट लेने वाले रबाडा ने बल्ले से भी अहम योगदान दिया और 72 रनों की बेहतरीन पारी खेली। साउथ अफ्रीका ने पहली पारी के आधार पर 157 रनों की बड़ी बढ़त हासिल की। इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

हॉन्गकॉन्ग ओपनः

रक्षिता रामराज ने टोक्यो ओलंपिक चैंपियन को हराया, लक्ष्य सेन अगले दौर में; जानें अन्य नतीजे

हॉन्गकॉन्ग, एजेंसी। भारतीय खिलाड़ियों ने हॉन्गकॉन्ग ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। महिला एकल वर्ग में रक्षिता रामराज ने टोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन यू फेई को हराया। वहीं, पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य सेन अगले दौर में पहुंच गए। भारत की रक्षिता रामराज ने गुरुवार को हॉन्गकॉन्ग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उलटफेर करते हुए टोक्यो ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी चीन की चेन यू फेई को सीधे गेम में हरा दिया। कोयंबटूर की 19 वर्षीय रक्षिता ने यूफेई को 21-18, 24-22 से हराकर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की यादगार जीत में से एक दर्ज की। रक्षिता का अगला मुकाबला थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से होगा।



रक्षिता ने करियर की सबसे बड़ी जीत बताया – रक्षिता ने शुरुआती दौर में डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट को भी हराकर उलटफेर किया था। मैच के बाद रक्षिता ने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरे करियर की अब तक की सबसे बड़ी जीत में से एक है। वह मेरी सबसे बड़ी आदर्श हैं और मुझे अब भी विश्वास नहीं हो रहा कि मैंने उन्हें हरा दिया। यह मेरे बैडमिंटन करियर के सबसे यादगार दिनों में से एक रहेगा।

चेसः

टोटल चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप में अर्जुन एरिगैसी और प्रज्ञानंद ने अपने मुकाबले जीते, जानें किसे हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिन में पहले, भारतीय खिलाड़ी अपने चार ब्लिट्ज गेम में से दो और एक फास्ट क्लासिक मुकाबला हार गए थे। उन्हें दो रैपिड गेम में से एक में जीत मिली, जबकि दूसरे में हार का सामना करना पड़ा। एरिगैसी अब नौवें स्थान के लिए मैच में हाइक एम. मार्टिरोसियन से भिड़ेंगे। अर्जुन एरिगैसी ने जॉर्डन वैन फॉरेस्ट को आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हराकर टोटल चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप टूर पायलट में अपना मैच जीता। वहीं, आर. प्रज्ञानंद ने नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया। प्रज्ञानंद की जीत के साथ ही उनकी बहन



आर. वैशाली के साथ होने वाला संभावित मुकाबला टल गया। एरिगैसी ने पहले दिन का मुकाबला 11.5-8.5 से जीता था। फॉरेस्ट ने बुधवार को वापसी करते हुए दूसरे दिन 12-8 से जीत हासिल की। इससे नौवें से 12वें स्थान के लिए आर्मागेडन में एक निर्णायक मुकाबला हुआ। काले मोहरों से खेलते हुए, वैन फॉरेस्ट ने टाई-ब्रेक में ज्यादातर समय जीत की स्थिति बनाए रखी। लेकिन उन्होंने 34वें मूव पर अपना फायदा गंवा दिया। इसका फायदा एरिगैसी को मिला और भारतीय खिलाड़ी ने जीत हासिल कर ली। दिन में पहले, भारतीय खिलाड़ी अपने चार ब्लिट्ज गेम में से दो और एक फास्ट क्लासिक मुकाबला हार गए थे। उन्हें दो रैपिड गेम में से एक में जीत मिली, जबकि दूसरे में हार का सामना करना पड़ा। एरिगैसी अब नौवें स्थान के लिए मैच में हाइक एम. मार्टिरोसियन से भिड़ेंगे। आर. प्रज्ञानंद ने उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव को हराकर 21वें स्थान के लिए मुकाबले में अपनी जगह पक्की की। फास्ट क्लासिक गेम से पहले वह 3.5-8.5 से पीछे चल रहे थे, लेकिन काले मोहरों से खेलते हुए जीत के साथ वापसी की और दिन का स्कोर 11.5-8.5 कर दिया। अब उनका सामना अभिमन्यु मिश्रा से होगा। अगर प्रज्ञानंद यह मुकाबला हार जाते, तो उन्हें 23वें और 24वें स्थान के लिए वैशाली के खिलाफ खेलना पड़ता।

2027 में इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होंगे ऐश बार्टी और शिंगो कुनिदा

नई दिल्ली, एजेंसी । चार बार की मेजर चैंपियन और पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 ऐश बार्टी को खिलाड़ी श्रेणी में इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए चुना गया है। जापान के शिंगो कुनिदा, जो चार बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता और 50 बार के मेजर चैंपियन हैं, उन्हें 'व्हीलचेयर टेनिस कैटेगरी' में चुना गया है। इस श्रेणी में उन खिलाड़ियों को जगह दी जाती है, जिनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन और उपलब्धियों का रिकॉर्ड रहा हो। बार्टी तीन बार की मेजर सिंगल्स चैंपियन हैं। उन्होंने रोलैंड-गैरोस (फ्रेंच ओपन) 2019, विंबलडन 2021 और ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 के खिताब जीते हैं। इसके अलावा, उन्होंने 2018 यूएस ओपन में अपना पहला मेजर डबल्स खिताब भी जीता था। सिंगल्स में वह 2019 में वर्ल्ड नंबर 1 बनीं। वह कुल 121 हफ्तों तक टॉप पर रहीं, जिसमें लगातार 114 हफ्ते शामिल रहे। इसके साथ ही 2019 से 2021 तक लगातार तीन साल तक वह 'ईयर-एंड नंबर 1' (साल के अंत में नंबर 1) रहीं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 जीतने के बाद, जब वह वर्ल्ड नंबर 1 रैंकिंग पर थीं, तब उन्होंने संन्यास का ऐलान कर दिया था। वह इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली 35वीं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बनेंगी और 2013 के बाद यह सम्मान पाने वाली



पहली ऑस्ट्रेलियाई महिला होंगी। बार्टी ने कहा, 'मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे ऑस्ट्रेलिया के उन महान खिलाड़ियों को देखने का मौका मिला, जिन्होंने इस खेल को नई दिशा दी और बहुत गर्व के साथ हमारे देश का प्रतिनिधित्व किया। उनके साथ मेरा नाम लिया जाना एक अद्भुत अहसास है। मेरा करियर एक 'टीम एफर्ट' (सामूहिक प्रयास) था, इसलिए यह सम्मान मेरे परिवार, मेरे कोचों और उन सभी लोगों का भी है, जिन्होंने इस सफर में मेरी मदद की। ' वहीं, शिंगो कुनिदा इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले जापान के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वह इतिहास के सबसे सफल पुरुष व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी हैं, जिनके नाम रिकॉर्ड 28 मेजर सिंगल्स खिताब और कुल 50 मेजर खिताब दर्ज हैं। चार बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता शिंगो 'करियर गोल्डन स्लैम' पूरा करने वाले पहले पुरुष व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी बने और उन्होंने रिकॉर्ड 582 हफ्तों तक विश्व नंबर 1 सिंगल्स रैंकिंग अपने नाम रखी। 2010 में हॉल ऑफ फेम द्वारा इस श्रेणी को शामिल किए जाने के बाद से कुनिदा इसमें जगह पाने वाले आठवें व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी बन गए हैं। बार्टी और कुनिदा को यह खबर हॉल ऑफ फेम के सह-अध्यक्ष किम क्लाइस्टर्स और पैट्रिक मैकेनरो द्वारा किए गए सरप्राइज वीडियो कॉल के जरिए मिली।

खेल के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में उनकी जगह को सम्मान देते हुए इस वीडियो कॉल में हॉल ऑफ फेम के लगभग 20 अन्य सदस्य भी शामिल हुए। ट्रेसी ऑस्टिन, जिम कूरियर, रोजर फेडरर, मार्टिना नवरातिलोवा, पैट राफ्टर, पैम श्राइवर, एस्टर वर्गीर और अन्य हॉल ऑफ फेम सदस्यों ने उन्हें बधाई संदेश दिए और आधिकारिक तौर पर इस खास क्लब में उनका स्वागत किया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली लू ले लो आ

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष
इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन
का की कू घ ङ छ के को हा

अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क
ही हू हे हो डा डी डू डे डो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह
मा मी मू मे मो टा टी टू टे

स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या
टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला
रा री रु रे रो ता ती तू ते

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक
तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेंगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु
ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर
भे जा जी खी खू खे खो गा गी

एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

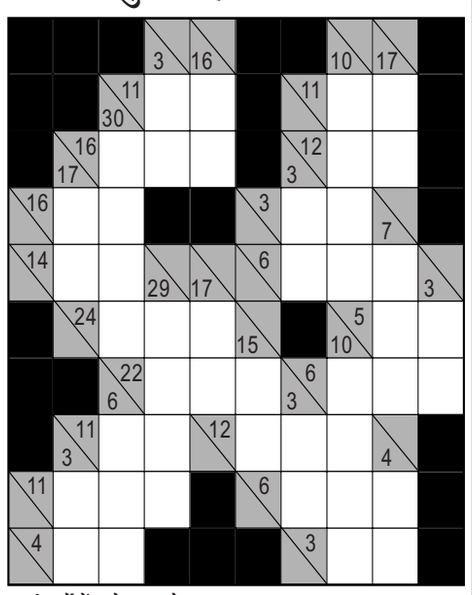
कुंभ
गू गे गो सा सी सू से सो दा

सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन
दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

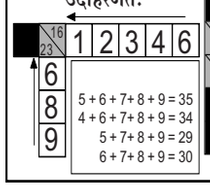
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 4073



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4072 का हल

	4	7						
3	1	2	10		9	30	8	4
6	3	1	2	17	8	9	3	2	1
	7	4	3	7 19	1	6	8 23	5	3
		3 12	1	2	14	7	6	1	
	15 17	3	4	8	17 3	8	9	10	4
11	9	2	11 23	9	2	5 12	8	1	3
24	8	7	9	4 16	1	3	3	2	1
		13	6	7	7	2	1	4	
		17	8	9		5	2	3	

हंसी के फव्वारें

रामू के घर से चिट्ठी आयी.

राजी-खुशी के समाचार के बाद लिखा था कि उसकी घरवाली ने लड़के को जन्म दिया है. इसी खुशी में रामू ने सबको मिठाई बांटी. फिर अगले दिन जब वह सामान बांधने लगा तो उसके मित्र ने पूछा- ''रामू घर जा रहे हो ?''

''हां !''

फिर उदास होता हुआ बोला-''दो वर्ष हो गये घर की शक्ल देखे ! अब सोचा कि कुछ दिन के लिए हो ही आऊं.''

□ □ □

टेलीफोन रखकर डाक्टर ने झपटकर अपना थैला उठाया और हड़बड़ाकर बाहर जाने लगा. डाक्टर की जवान बेटी अन्दर आ रही थी. उसने पिता को हड़बड़ी में देखकर पूछा-''इतनी जल्दी आप कहां जा रहे हैं, पिताजी ?''

''एक टेलीफोन आया था !'' डाक्टर बोला -''इमरजेंसी कॉल है शायद ! एक आदमी कह रहा था-'मैं मरा जा रहा हूं, आप यहां फौरन आ जाएँ'.''

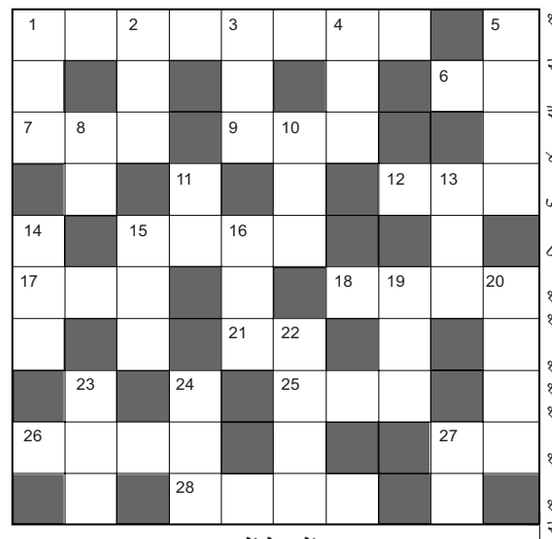
इस पर डाक्टर की बेटी ने शरमाकर कहा-''तब वह आपका नहीं, मेरा टेलीफोन रहा होगा, पिताजी !''

□ □ □

जज -'मुजरिम, तुमने झूठ बोलने की कोशिश की है.'

मुजरिम -'माई-बाप, वकील के होते मुझे क्या जरूरत पड़ी है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 4073



बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौन थी ?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिशमा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4072

ह	म	तु	म		बं	दि	श			जं
स्ती		म	हा	रा	जा		रा	जा		जी
	दी		न		र		बी			र
दी	वा	ना		जी	न	त		क		
	र		अं	त		ला	वा	रि		स
आ		दा	दा		जो	श		श्मा		
क्रो	ध		ज	मी	र		अ			इं
श		आ		रा		ज	मा	न		त
	म	ह	ल		जीं		न			का
दो	स्त		क्ष्य		स	पू	त			म

सूडोकु -4073

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4072 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली -4073



बाएँ से दाएँ
1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूर्ण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरैया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली -4072 का हल

	व	र	दा	न		अ	प	मा	न	
स			य		म		ह			ह
र		श	रा	र	त	क	र	ना		व
क	ल	ह			वा			का	न	न
ना		र		अं	ला	व		रा	ख	
	दा		का	म		च	प्पू		रा	
	व	जु		न	म	न		पा		मु
क	त	रा			हा			ल	ल	क
ल		ब	लि	दा	न	क	र	ना		र
म			ख		ता		ई			ना
	ना	ना	ना	नी		फि	स	ल	ना	

रेसिपी



गाजर-कॉर्न सूप

सामग्री

- 1/2 कप फ्रोजन स्वीट कॉर्न
- 1 बे लीफ
- 5 लहसुन
- 1/2 चम्मच जैतून का तेल
- काली मिर्च
- 1 ग्राम कटा हुआ गाजर
- 1 प्याज
- 2 चम्मच मक्खन
- 1 कप पानी नमक स्वादानुसार

विधि

एक पैन में धीमी आंच पर पानी गर्म कर लें और इसमें गाजर और कॉर्न डालकर उबाल लें। इसके बाद कुछ देर छोड़ दे, फिर उबले हुए गाजर और कॉर्न की प्यूरी बना लें। धीमी आंच पर पैन रखकर उसमें ऑयल के साथ मक्खन डालें। मक्खन मेल्ट होने के बाद पिसा हुआ लहसुन, बारीक कटा प्याज और बे लीफ डालें। सभी को थोड़ी देर भूनें और प्याज को नरम होने दें। सब भून जाने के बाद गाजर और कॉर्न की प्यूरी को पैन में डालें और ऊपर से थोड़ा से नमक और काली मिर्च छिड़कें। इसको चलाते रहें ताकि गांठ न पड़ें। इसके बाद बची हुई गाजर को डालें और उबाल आने दें। एक बार उबाल आने के बाद आंच कम कर दें और कुछ देर तक पकने दें। जब अच्छी तरह पक कर गाढ़ा हो जाए, तो इसे कटोरे में निकाल लें और धनिया पत्ती को गार्निश करें और गर्म-गर्म परोसें।

रेसिपी



बादाम का हलवा

सामग्री

- ढाई कप चीनी
- 1 कप दूध
- 2 कप भिगोए बादाम
- आधा चम्मच केसर
- 1 कप घी

विधि

बादाम का हलवा बनाने के लिए सबसे पहले गर्म पानी में बादाम को एक घंटे तक भिगोकर छोड़ दें। इसके बाद बादाम के छिलके निकालकर उन्हें पीस लें। इसके बाद बादाम के इस पेस्ट में दूध चीनी और केसर डालकर इसे अच्छे से फेंट लें। एक कड़ाही लें और इसमें घी डालें। इसे तेज आंच पर गर्म करें। घी गर्म हो जाए तो इसमें बादाम का पेस्ट डाल दें। इसे लगातार चलाते रहें ताकि इसका तला न लगे। जब यह पेस्ट सूखकर हलवा हो जाए, गैस बंद कर दें। हलवे को बादाम और केसर से गार्निश करके गरमागरम सर्व करें।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words



Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/



'आई प्ले रॉकी' के प्रीमियर पर कार्तिक आर्यन ने दिया सपनों, दृढ़ संकल्प और खुद पर विश्वास रखने के महत्व का संदेश

मुंबई फिल्म 'आई प्ले रॉकी' के प्रीमियर पर कार्तिक आर्यन ने सपनों, दृढ़ संकल्प और खुद पर विश्वास रखने के महत्व को लेकर एक दिल छू लेने वाला संदेश दिया। फिल्म को सपने देखने वालों और अपने सपनों पर विश्वास करने वालों की कहानी बताते हुए अभिनेता ने कहा कि यह उन सभी लोगों से जुड़ाव महसूस कराएगी, जिन्हें कभी न कभी यह कहा गया है कि उनकी महत्वाकांक्षाएं पूरी नहीं हो सकतीं।

अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा, 'यह फिल्म उन सभी लोगों के बारे में है, जो सपने देखते हैं और अपने सपनों पर विश्वास करते हैं। ऐसे लोग, जिनसे अक्सर कहा जाता है कि 'नहीं हो सकता, यह तू कभी नहीं बन सकता, यह कभी नहीं बन सकती।' मेरा मानना है कि यह फिल्म आपको विश्वास दिलाएगी कि आप यह कर सकते हैं और अपने सपनों को हासिल कर सकते हैं, चाहे कुछ भी हो जाए।'

अपने सफर से फिल्म की तुलना करते हुए कार्तिक ने बताया कि किस तरह ओरिजिनल फिल्म 'रॉकी' कई पीढ़ियों को प्रेरित करती आई है। उन्होंने यह भी साझा किया कि फिल्म का मशहूर गाना 'आई ऑफ द टाइगर' मुश्किल वक्त में उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, 'मेरे सफर में कई बार ऐसा हुआ है कि जब भी मैं खुद को निराश महसूस करता हूं, तो 'आई ऑफ द टाइगर' एक ऐसा गाना है, जो मेरे लिए थीम सॉन्ग की तरह है और मुझे बहुत प्रेरित करता है। इसके बाद मैं बाकी चीजों से ध्यान हटाकर दोबारा अपने सपनों की दिशा में काम करना शुरू कर देता हूं।'

कार्तिक की ये बातें उस समय और भी खास हो गईं, जब उन्होंने ऐसे संदेश पर बात की, जो फिल्म इंडस्ट्री में उनके अपने सफर से काफी हद तक जुड़ा हुआ है। चुनौतियों का सामना करने से लेकर अपनी अलग पहचान बनाने तक, कार्तिक की कहानी फिल्म के बड़े संदेश यानी दृढ़ता और आत्मविश्वास को दर्शाती है। प्रीमियर पर उनकी स्पीच ने इस बात को रेखांकित किया कि आलोचनाओं, असफलताओं और दूसरों की सोच की परवाह किए बिना अपने सपनों पर ध्यान केंद्रित रखना कितना जरूरी है।

फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए कार्तिक ने सिनेमा और 'आई प्ले रॉकी' के नाम एक जाम उठाया। साथ ही उन्होंने दर्शकों से फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट सीन मिस न करने की अपील की। उन्होंने बताया कि वह खुद फिल्म देख चुके हैं और इसे दोबारा देखने की योजना बना रहे हैं। उनके मुताबिक, फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट सीन दर्शकों के लिए एक प्यारा सा सरप्राइज है। प्रीमियर पर अपनी बातों के जरिए कार्तिक ने दर्शकों को एक खास संदेश दिया कि अपने सपनों पर विश्वास रखें, उन्हें पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करते रहें और किसी को भी यह न कहने दें कि आप अपने सपने पूरे नहीं कर सकते।





'गन मास्टर जी9' में दिखेगा अपारशक्ति का खतरनाक अवतार

जब भी अपारशक्ति खुराना का नाम आता है, तो सबसे पहले स्त्री के प्यारे और मजेदार दोस्त बिट्टू की याद आती है, जो 'सॉफ्ट चिट्ठी, वॉर्म चिट्ठी' कहते नजर आते हैं। लेकिन अब अपारशक्ति ने अपने इस पुराने अंदाज को पीछे छोड़ दिया है। 'गन मास्टर जी9' में वह एक ऐसे खतरनाक विलेन के रूप में नजर आने वाले हैं, जिसे देखकर अच्छे-अच्छों के पसीने छूट जाएं!

फिल्म का शानदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है और इसमें अपारशक्ति का ऐसा रूप देखने को मिला है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। इतना तो तय है कि फिलहाल बिट्टू की मासूमियत को भूल जाइए, क्योंकि अब पर्दे पर उनका खतरनाक अंदाज छाने वाला है।

फिल्म में अपारशक्ति की पहली झलक से ही साफ हो जाता है कि वह इस बार एक अलग ही रूप में नजर आने वाले हैं। उनकी डरावनी नजरें, चेहरे के भाव और डायलॉग बोलने का अंदाज उनके किरदार को और भी खतरनाक बनाता है। सिर्फ इतना ही नहीं, एक्शन के मामले में भी वह किसी से पीछे नहीं हैं। उनके लड़ाई वाले दृश्य और जबरदस्त अंदाज उनके किरदार में एक अलग ही रोमांच पैदा करते हैं। फिल्म में अपारशक्ति, इमरान हाशमी के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर सामने आते हैं। ऐसे में दोनों के बीच होने वाली टक्कर को पर्दे पर देखना काफी दिलचस्प होने वाला है। अपारशक्ति का लुक भी उनके इस नए किरदार को खास बनाता है। कंधों तक लंबे और बिखरे हुए बाल, रंग-बिरंगी प्रिंट वाली शर्ट, धातु के फ्रेम वाला चश्मा और बोलने का अलग अंदाज उनके किरदार को एकदम देसी और खुरदरा रूप देते हैं। खास बात यह है कि अपारशक्ति अपने किरदार को दमदार बनाने के लिए न तो किसी बड़े फिल्मी अंदाज में एंट्री लेते हैं और न ही ऊंची आवाज में चिल्लाते हैं। उनका अंदाज और उनका बेखौफ व्यक्तित्व ही उनकी मौजूदगी का एहसास करा देता है। ट्रेलर देखकर तो यही लगता है कि बॉलीवुड में अब विलेन के किरदारों को एक नए अंदाज में पेश किया जा रहा है और अपारशक्ति इस बदलाव की एक शानदार मिसाल बनने वाले हैं! 'गन मास्टर जी9 आगामी 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



साउथ एक्टर्स को हिंदी एक्सेंट के लिए ट्रोल करना 'बिल्कुल सही नहीं' है

'जेलर 2' की एक्ट्रेस अपेक्षा पोरवाल ने कहा कि साउथ इंडियन एक्टर्स को उनके हिंदी एक्सेंट के लिए ट्रोल किया जाना 'बिल्कुल सही नहीं' है। खास बातचीत में अपेक्षा ने बताया कि मजाक उड़ाने के बजाय एक्टर की मेहनत पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग एक्टर्स को ट्रोल कर रहे हैं, अगर उनसे कहा जाए तो शायद वे खुद भी कोई दूसरी भाषा नहीं बोल पाएंगे।

अपेक्षा से पूछा गया, 'आजकल, साउथ इंडियन एक्टर्स को अक्सर सोशल मीडिया पर उनके हिंदी एक्सेंट और बोलने के तरीके के लिए ट्रोल किया जाता है। आप इस ट्रेंड को कैसे देखती हैं? क्या उन आर्टिस्ट्स का मजाक उड़ाना सही है, जो दूसरी भाषा में बात करने की कोशिश कर रहे हैं?'

यह समझाते हुए कि जिस भाषा को आप अच्छी तरह नहीं जानते, उसमें काम करना कितना मुश्किल है, उन्होंने आईएएनएस को बताया, 'हमें यह समझना चाहिए कि जब कोई किसी खास भाषा में कम्फर्टेबल नहीं होता, लेकिन फिर भी उसे सीखने और बोलने की कोशिश कर रहा होता है, तो हमें उस कोशिश की तारीफ करनी चाहिए, न कि उस पर हंसना या उसे ट्रोल करना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि अगर इन्हीं ट्रोल्स से दूसरी भाषा बोलने के लिए कहा जाए, तो शायद वे खुद ऐसा नहीं कर पाएंगे। जब कोई कड़ी मेहनत कर रहा हो और कोशिश कर रहा हो, तो उसकी तारीफ होनी चाहिए, बुराई नहीं।'

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को हाल ही में अपने हिंदी एक्सेंट के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। चैट शो 'कॉफी विद करण' के सीजन 9 में आने के दौरान 'एनिमल' फेम एक्ट्रेस ने बताया कि अपने पूरे करियर में उन्हें अपने एक्सेंट को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा है। हालांकि, रश्मिका ने कहा कि उन्होंने कभी भी आलोचना को अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री और भाषाओं में काम करने से रोकने नहीं दिया। रश्मिका ने बताया कि साउथ इंडिया से होने की वजह से उनका एक्सेंट नेचुरली आता है। एक्ट्रेस ने आगे जोर देकर कहा कि वह खुद को एक इंडस्ट्री तक लिमिट करने के बजाय कई भाषाओं में काम करना चाहती हैं।



ग्लोबल म्यूजिक स्टेज पर दोसांझ, दुआ लीपा और मैडोना संग परफॉर्म करेंगे दिलजीत दोसांझ

पंजाबी म्यूजिक का जलवा अब दुनियाभर में देखने को मिल रहा है। सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ एक बार फिर अपने म्यूजिक से इंटरनेशनल स्टेज पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। दिलजीत दुनिया के सबसे बड़े म्यूजिक फेस्टिवल्स में शामिल कोचेला वैली म्यूजिक एंड आर्ट्स फेस्टिवल 2027 में परफॉर्म करते नजर आएंगे। फेस्टिवल के आयोजकों ने अगले साल होने वाले इस इवेंट की कलाकारों की लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें दिलजीत के साथ दुआ लीपा, टेम इम्पाला और एसजेडए जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इसके अलावा पॉप म्यूजिक की दिग्गज सिंगर मैडोना, जेआईएसओ, फोएबे ब्रिजर्स और रोबिन भी इस फेस्टिवल का हिस्सा होंगी। कोचेला 2027 का आयोजन कैलिफोर्निया के इंडियो स्थित एम्पायर पोलो क्लब में होगा। यह फेस्टिवल दो वीकेंड में आयोजित किया जाएगा। पहला वीकेंड 9 से 11 अप्रैल और दूसरा वीकेंड 16 से 18 अप्रैल तक चलेगा। इस बार शुक्रवार को दुआ लीपा, शनिवार को टेम इम्पाला और रविवार को एसजेडए हेडलाइनर के तौर पर परफॉर्म करेंगे। तीनों कलाकार अपने अलग-अलग म्यूजिक स्टाइल के लिए जाने जाते हैं। जहां दुआ लीपा अपने पॉप म्यूजिक से दर्शकों का मनोरंजन करेंगी, वहीं टेम इम्पाला साइकेडेलिक रॉक और एसजेडए आरएंडबी म्यूजिक का रंग जमाएंगी।

2023 में भी कोचेला का हिस्सा बने थे दिलजीत

भारतीय फैंस के लिए इस बार दिलजीत दोसांझ का नाम लिस्ट में शामिल होना खास है। दिलजीत इससे पहले साल 2023 में भी कोचेला फेस्टिवल में परफॉर्म कर चुके हैं। उस समय उन्होंने पंजाबी भाषा में गाने गाकर दुनियाभर के दर्शकों का ध्यान खींचा था। वह इस फेस्टिवल के मंच पर परफॉर्म करने वाले शुरुआती पंजाबी भाषा के कलाकारों में शामिल थे। अब 2027 में उनकी वापसी से एक बार फिर पंजाबी म्यूजिक को इंटरनेशनल पहचान मिलने की उम्मीद है।

मैडोना समेत ये बड़े कलाकार भी आएंगे नजर

इस बार कोचेला की लिस्ट में पॉप म्यूजिक की दिग्गज सिंगर मैडोना का नाम भी शामिल है। वह शुक्रवार को डांस टेंट में परफॉर्म करेंगी। वहीं डैडी यांकी को 'इन द डेजर्ट' स्पेशल बिलिंग दी गई है। इलेक्ट्रॉनिक म्यूजिक की मशहूर जोड़ी जस्टिस भी अपने गाने 'ब्लाइंडेड बाय द लाइट्स' के साथ बंकर में डेब्यू करेगी। फेस्टिवल के पहले दिन यानी शुक्रवार को जारा लार्सन, स्टीव लैसी, जेआईएसओ, पैगी गू, केलेनी, लियोन थॉमस और जॉर्जियो मोरोडर जैसे कलाकार परफॉर्म करेंगे। वहीं शनिवार को फोएबे ब्रिज, वीजर, रोबिन, मैनेस्किन, एनसीटी, लियोन ब्रिजेस, टिएस्टो, मार्टिन गैरिक और अंडरवर्ल्ड जैसे नाम शामिल हैं। रविवार को डॉन टॉलिवर, डोम डॉला, कायगो, एम्पायर ऑफ द सन, फोर टेट, द नेबरहुड, बेकी जी, बेबीमॉन्स्टर, विक्टोरिया मोनेट और जोरजा स्मिथ अपनी परफॉर्मेंस देंगे।

नील आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं



अभिनेत्री कशिका कपूर सॉन्ग 'बेवफा से' में नील नितिन मुकेश के साथ नजर आ रही हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए कशिका ने बताया कि वह कभी आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं। अभिनेत्री कशिका कपूर ने बातचीत में अभिनेता नील नितिन मुकेश के साथ काम करने के अनुभव को मजेदार बताते हुए कहा, 'किसी सीनियर एक्टर से आपको हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है और नील को इंडस्ट्री में कई साल काम करने का काफी अनुभव है। यह एक शानदार सीखने वाला अनुभव था और हमने खूब मस्ती भी की। कभी ऐसा लगा ही नहीं कि मैं किसी इतने सीनियर एक्टर के साथ काम कर रही हूं।' अभिनेत्री ने बताया कि शूट होने से पहले उन्हें गाने के बारे में ज्यादा बातें नहीं बताई गई थीं। उन्होंने कहा, 'नील नितिन मुकेश के आने से कुछ महीने पहले ही यह प्रोजेक्ट लॉक हो गया था, लेकिन हमें नहीं पता था कि यह गाना सच में बनेगा या इसका कॉन्सेप्ट क्या होगा। आखिर में जब नील नितिन मुकेश फाइनल हुए तो मेकर्स ने गाने की धुन को देखते हुए इसमें एक डांस नंबर जोड़ने का फैसला किया। हमने रिहर्सल शुरू की और सब कुछ काफी अच्छा हुआ। तभी कहानी भी तैयार हुई।'

कशिका कपूर ने बताया, 'मुझे उम्मीद थी कि गाना लोगों को पसंद आएगा, लेकिन जो रिस्पॉन्स मिल रहा है, वो कमाल का है। मुझे लगता है जेन जी इस कहानी से इसलिए जुड़ रहे है, क्योंकि हमारी जनरेशन में ऐसी चीजें काफी आम होती जा रही हैं। ओपन रिलेशनशिप और धोखा जैसी चीजें हम अपने आसपास देखते हैं और शायद यही वजह है कि दर्शक इस गाने से इतना जुड़ाव महसूस कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'लोगों ने हमारे गाने को खुले दिल से अपनाया है और इतना प्यार दिया है। मैं इस रिस्पॉन्स के लिए बहुत आभारी हूं। लोग मेरे डांस और एक्सप्रेशन्स की तारीफ कर रहे हैं और मुझे लगता है सबको यह गाना पसंद आ रहा है। यही हमारी सबसे बड़ी कामयाबी है।



संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में 27 ट्रांसजेंडर सैनिकों को सेना से निकालने पर लगी रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय अपीलीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को 27 से अधिक ट्रांसजेंडर सैनिकों को सेना से बाहर करने से रोक दिया है। अदालत ने मंगलवार को पेंटागन की उस मांग को खारिज कर दिया, जिसमें फैसले पर रोक लगाने की अपील की गई थी। तीन जजों की पीठ ने 2-1 से यह फैसला सुनाया। इससे पहले जून में अदालत ने माना था कि ट्रांसजेंडर सैनिकों को उनकी लैंगिक पहचान के आधार पर बाहर करने की नीति गलत है। हालांकि, इस फैसले से नए ट्रांसजेंडर सैनिकों की भर्ती का रास्ता नहीं खुला है। मामला दोबारा अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट पहुंच सकता है।

आयरलैंड के एयरपोर्ट पर कुल्हाड़ी से अमेरिकी सैन्य विमान तबाह

डबलिन , एजेंसी। आयरलैंड के शैनन एयरपोर्ट पर एक व्यक्ति ने अमेरिकी सैन्य विमान को भारी नुकसान पहुंचाया। अमेरिकी अभियोजकों के मुताबिक, 48 वर्षीय दाइथी ओ'कोरेन ने अप्रैल में एयरपोर्ट की सुरक्षा घेराबंदी तोड़कर सी-130 हरक्यूलिस विमान में घुसपैठ की थी। उसने विमान की हाइड्रोलिक लाइनें काटीं, कॉकपिट के उपकरण तोड़े और ईंधन टैंक में धातु के गोले डाल दिए। करीब 60 मिलियन डॉलर का यह विमान अब उड़ान भरने लायक नहीं बचा है। आरोपी पर अमेरिकी सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। दोषी साबित होने पर उसे 10 साल तक की जेल हो सकती है।

इस्राइल की संसद को मिला नया स्पीकर

येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल की संसद ने मंगलवार को मातान कहाना को नया स्पीकर चुन लिया। उन्हें 120 सदस्यीय संसद में 66 वोट मिले, जबकि बेंजामिन नेतन्याहू के समर्थन वाले उम्मीदवार ओफिर काट्ज को 52 वोट मिले। कहाना, नेतन्याहू के विरोधी गठबंधन के नेता गादी आइजेनकोट के सहयोगी हैं। 27 अक्तूबर को हुए चुनाव में नेतन्याहू और उनके सहयोगियों ने संसदीय बहुमत खो दिया था। नया स्पीकर चुने जाने से विपक्षी गठबंधन को संसद में विधायी एजेंडा आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। गठबंधन न्यायपालिका से जुड़े विवादित कानूनों को बदलने और सात अक्तूबर 2023 के हमले की जांच कराने की तैयारी में है। इस्राइल में नेतन्याहू विरोधी गठबंधन संसद में कई विवादित कानूनों को बदलने की तैयारी कर रहा है। नए स्पीकर मातान कहाना के चुनाव से विपक्ष को विधायी प्रक्रिया में बढ़त मिली है। गठबंधन प्रधानमंत्री के कार्यकाल की सीमा तय करने, न्यायपालिका की शक्तियां कमजोर करने वाले कानूनों को पलटने और सात अक्तूबर 2023 के हमले की सरकारी जांच कराने वाले प्रस्ताव लाया है। हालांकि, गठबंधन के नेता गादी आइजेनकोट के पास सरकार बनाने के लिए पांच सप्ताह तक का समय है। यदि वह सरकार बनाने में नाकाम रहते हैं तो राष्ट्रपति नेतन्याहू को फिर मौका दे सकते हैं।

इटली में यहूदी-विरोधी भावना रोकने के लिए नया कानून

रोम, एजेंसी। इटली की संसद ने यहूदी-विरोधी भावना से निपटने के लिए नए कानून को मंजूरी दे दी है। निचले सदन में इसे 147 वोट मिले, जबकि 93 सांसदों ने विरोध किया और पांच ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। कानून में अंतरराष्ट्रीय होलोकॉस्ट रिमेंबरेंस एलायंस की यहूदी-विरोधी भावना की परिभाषा को शामिल किया गया है। समर्थकों का कहना है कि इससे यहूदी-विरोधी घटनाओं से निपटने में मदद मिलेगी। वहीं, आलोचकों को आशंका है कि इसका इस्तेमाल इस्राइल की नीतियों की आलोचना रोकने के लिए हो सकता है। कानून में नए अपराध या सजा का प्रावधान नहीं किया गया है।

अमेरिका में हवाई यातायात व्यवस्था पर फिर संकट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने पिछले सप्ताह हवाई यातायात व्यवस्था में आई गड़बड़ी के बाद नए राउटर लगाने पर रोक लगा दी है। पहले से लगाए गए जुनिपर राउटर भी बंद कर दिए गए हैं। जांच में पता चला कि अर्कांसस के एल डोराडो में लगाया गया एक राउटर खराबी की वजह बना था। इससे देश के 22 में से 17 क्षेत्रीय हवाई यातायात नियंत्रण केंद्र प्रभावित हुए थे। फिलहाल व्यवस्था चलाने के लिए 25 साल पुराने सिस्को राउटर इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

नेतन्याहू की बढ़ीं मुश्किलें: संसद में विपक्ष का बहुमत, आइजेनकोट के करीबी मतान कहाना बने नए स्पीकर

यरूशलेम, एजेंसी। इस्राइल की संसद (नेसेट) ने मंगलवार को नए स्पीकर का चुनाव किया। इसे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली निवर्तमान सरकार की नीतियों को पलटने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। नए स्पीकर के रूप में मतान कहाना को चुना गया है, जो गादी आइजेनकोट के करीबी सहयोगी हैं। आइजेनकोट फिलहाल नेतन्याहू की जगह नई सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके गठबंधन ने कहाना के चुनाव के बाद नेतन्याहू की कुछ सबसे विवादित नीतियों को वापस लेने का वादा किया है।

कहाना को कितने वोट मिले : 120 सदस्यीय संसद में कहाना को 66 वोट मिले। उन्हें यह समर्थन यहूदी नेतृत्व वाले विपक्षी दलों के साथ-साथ अरब नेतृत्व वाले दलों से भी मिला। वहीं, नेतन्याहू के गठबंधन की ओर से समर्थित उम्मीदवार ओफिर काट्ज को 52 वोट मिले। स्पीकर के चुनाव को लेकर संसद में सात घंटे से अधिक समय तक तीखी बहस चली। मतदान से पहले आइजेनकोट ने कहा, 'मतान कहाना की नेसेट स्पीकर के रूप में नियुक्ति एक उचित लोकतांत्रिक कदम है। यह बदलाव के पक्ष में स्पष्ट बहुमत को दर्शाती है।'

यह चुनाव 27 अक्तूबर को हुए संसदीय चुनावों के कुछ सप्ताह बाद हुआ है। इन चुनावों में नेतन्याहू और उनके सहयोगियों ने संसद में अपना बहुमत खो दिया था। इसके बाद इस्राइल के राष्ट्रपति ने आइजेनकोट



को नई गठबंधन सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी थी।

आइजेनकोट के पास कितना समय : आइजेनकोट के पास गठबंधन बनाने के लिए जरूरी समर्थन जुटाने के लिए अधिकतम पांच सप्ताह का समय और है। सरकार गठन को लेकर बातचीत जारी रहने के बीच उनका गुट और असंबद्ध अरब नेतृत्व वाले दल नवगठित संसद में अपने बहुमत का इस्तेमाल विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए कर सकते हैं। पिछले सप्ताह इन दलों ने कई विधेयक पेश किए थे। इनमें प्रधानमंत्री के पद पर कार्यकाल की सीमा तय करना, सात अक्तूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में हुए हमलों की जांच के लिए सरकार के नेतृत्व में जांच आयोग गठित करना और न्यायपालिका की शक्तियों को सीमित करने वाले कानूनों को वापस लेना शामिल है।

स्पीकर के पास संसद का एजेंडा तय करने की अहम भूमिका : यरुशलम स्थित थिंक टैंक इस्राइल डेमोक्रेसी इंस्टीट्यूट के असाफ शापिरा के मुताबिक, कहाना के स्पीकर बनने से विपक्षी गठबंधन को विधायी प्रक्रिया में बड़ा फायदा मिला है। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि समय बहुत कम है। नेसेट का स्पीकर विधायी प्रक्रिया को बहुत तेज या बहुत धीमा कर सकता है। कहाना ने नेतन्याहू के सहयोगी अमीर ओहाना की जगह ली है। आइजेनकोट और उनके सहयोगियों पर आने वाले सप्ताहों में अपनी विधायी प्राथमिकताओं को तेजी से आगे बढ़ाने का दबाव है।

फिलहाल आइजेनकोट की याशर पार्टी के सदस्य रॉय फोकमैन अस्थायी समिति के प्रमुख हैं। सरकार बनने तक संसद के ज्यादातर कामकाज से जुड़े फैसले यही समिति करती है। अगर आइजेनकोट सरकार बनाने में नाकाम रहते हैं, तो इस्राइल के राष्ट्रपति नेतन्याहू को सरकार बनाने का एक और मौका दे सकते हैं। ऐसी स्थिति में नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को समिति का नियंत्रण मिलने की संभावना है।

शापिरा ने कहा कि भले ही नेतन्याहू के विरोधियों के पास तब भी संसद में बहुमत बना रहे, लेकिन उन्हें लगेगा कि उनकी राजनीतिक गति धीमी पड़ गई है। इससे कुछ विधेयकों के अटकने का वास्तविक खतरा पैदा हो सकता है।

संसद में सात अक्तूबर के हमले को लेकर तीखी बहस : मंगलवार को संसद में हुई बहस के दौरान सात अक्तूबर के हमले के जख्म भी सामने आए। बहस शुरू होने के कई घंटे बाद लिकुड पार्टी की सदस्य तालिक ग्विली ने अरब ज्वाइंट लिस्ट के वरिष्ठ सदस्य अहमद तिबी के भाषण के बीच हस्तक्षेप किया।

ग्विली का बेटा पुलिस अधिकारी था, जिसकी सात अक्तूबर को फलस्तीनी आतंकियों ने हत्या कर दी थी। उस समय तिबी संसद में दक्षिणपंथी सांसदों की नस्लवादी टिप्पणियों की आलोचना कर रहे थे। इसी दौरान ग्विली ने चिल्लाते हुए पूछा, 'मेरे बेटे को किसने मारा?' इस पर तिबी ने जवाब दिया, 'आप मुझे इसके लिए जिम्मेदार क्यों ठहराने लगी हैं? किसी अरब सांसद से ऐसा सवाल मत पूछिए।' इसके बाद दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। संसद के आसन से तिबी ने ग्विली से बिना किसी आधार के आरोप लगाने से बचने को कहा।

न्यूयॉर्क मेयर ममदानी बोले- हिंदू-सिखों के खिलाफ नफरत बढ़ी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने अमेरिका में हिंदू और सिख समुदाय के खिलाफ बढ़ती नफरत पर चिंता जताई है। ममदानी ने मंगलवार को अपने कार्यालय में दिवाली कार्यक्रम के दौरान कहा कि पिछले एक साल में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया और सिख समुदाय के खिलाफ भी नफरत फैलाई गई। रामायण और महाभारत का जिक्र करते हुए ममदानी ने कहा कि रामायण हमें सिखाती है कि हमें कैसा भाई, पति, पत्नी और दोस्त बनना चाहिए। महाभारत परिवारों की असली तस्वीर दिखाती है। ममदानी की मां मीरा नायर पंजाबी हिंदू परिवार से आती हैं। 35 साल के ममदानी न्यूयॉर्क के पहले भारतीय-अमेरिकी मेयर हैं।

वॉशिंगटन हो या दिल्ली, नफरत फैलाने वाली राजनीति को रोकना होगा : ममदानी ने अमेरिका और भारत की राजनीति का जिक्र करते हुए कहा कि लोगों की जिम्मेदारी है कि वे समाज में डर और नफरत फैलाने वाली बातों का विरोध करें। उन्होंने कहा, चाहे वॉशिंगटन हो या दिल्ली, हमें ऐसी राजनीति को खारिज करना चाहिए जो हमारी जिंदगी में अंधेरा लाती है। उन्होंने यह भी बताया कि बचपन से ही वह अपने परिवार के साथ दिवाली मनाते आए हैं। अब न्यूयॉर्क के मेयर के तौर पर पूरे शहर के लोगों के साथ यह त्योहार मनाना उनके लिए सम्मान की बात है।

हिंदू समुदाय के खिलाफ दो घटनाएं हुईं : इलिनॉय के मंदिर में गोलीबारी की कोशिश: 11 अक्टूबर को अमेरिका के इलिनॉय राज्य के औरोरा शहर में एक हिंदू मंदिर पर गोलीबारी की कोशिश हुई थी। पुलिस के मुताबिक 19 साल का एलेक्जेंड्रोस पापोराकिस हथियार और गोलियां लेकर मंदिर पहुंचा था। उस समय मंदिर में नवरात्रि मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। आरोपी की राइफल जाम हो गई थी, जिसके बाद वह वहां से चला गया। उसके एक साथी कर्मचारी ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच में उसके घर से राइफल, 300 से ज्यादा गोलियां और नाजी विचारधारा से जुड़ी चीजें मिलीं। आरोपी पर आतंकवादी धमकी देने और अवैध हथियार रखने के आरोप लगे हैं।

सिएटल में दिवाली कार्यक्रम में हंगामा: 7 नवंबर 2026 को अमेरिका के सिएटल में दिवाली कार्यक्रम के दौरान दो लोगों ने ने हंगामा किया। दोनों विवादित पोस्टर लेकर कार्यक्रम में घुस आए। पोस्टर पर लिखा था- 'सभी भारतीयों को देश से निकालो'। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सांसद प्रमिला जयपाल ने इसकी निंदा की। 17 नवंबर को 13 अमेरिकी सांसदों ने FBI से मामले की जांच संभावित हेट क्राइम के तौर पर करने की मांग की। गुरुद्वारे की दीवारों पर नफरत भरी बातें लिखीं: 27 दिसंबर 2025 को न्यूयॉर्क के क्वींस इलाके में बाबा माखन शाह लुबाना सिख सेंटर की दीवारों पर अज्ञात लोगों ने आपत्तिजनक बातें लिख दीं।

कुवैत में ड्रोन हमलों का अलर्ट, सेना ने एक्टिवेट किया एयर डिफेंस सिस्टम

कुवैत सिटी, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच ईरानी मीडिया ने किया विस्फोटों का दावा कुवैत सिटी। मध्य पूर्व और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनीतिक व सैन्य तनाव के बीच कुवैत में ड्रोन हमलों का हाई अलर्ट जारी किया गया है। कुवैती सेना ने बुधवार को पुष्टि की कि देश की हवाई रक्षा प्रणालियां सक्रिय रूप से शत्रुतापूर्ण ड्रोन हमलों का मुकाबला कर रही हैं। सेना के जनरल स्टाफ ने स्पष्ट किया है कि देश के विभिन्न हिस्सों में सुनाई दे रही तेज धमाकों की आवाजें इन हवाई हमलों को हवा में ही रोकने (इंटरसेप्ट करने) की कार्रवाई का नतीजा हैं। कुवैती आर्मी ने सोशल मीडिया पर जारी किया बयान, ईरानी मीडिया ने दी विस्फोटों की खबरहवाई हमलों को नाकाम करने में जुटी सेनाः कुवैत आर्मी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, 'कुवैत की हवाई रक्षा प्रणालियां इस समय शत्रुतापूर्ण ड्रोन हमलों का मुकाबला कर रही हैं।' जनरल स्टाफ के अनुसार, एयर डिफेंस यूनिट्स पूरी सतर्कता के साथ हवाई खतरों को निष्क्रिय करने में जुटी हुई हैं, जिससे आसमान में धमाकों की आवाजें सुनाई दे रही हैं।

अरब सूत्रों के हवाले से विस्फोटों का दावा: दूसरी ओर, बीबीसी फारसी से मिली जानकारी के अनुसार, ईरानी मीडिया ने 'अरब सूत्रों' के हवाले से कुवैत में कई विस्फोट होने की खबरें प्रसारित की हैं। खाड़ी क्षेत्र में गहराता सैन्य टकराव, ईरान ने दी है अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने की चेतावनी

बहरीन के बाद अब कुवैत में हलचलः गौरतलब है कि यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका और ईरान के बीच सीधा तनाव चरम पर है। पिछले कुछ दिनों में ईरान ने बहरीन स्थित अमेरिकी रडार ठिकानों पर हमले करने की घोषणा की थी। तेहरान ने इसे केशम और सिरिक सहित खाड़ी के तटीय इलाकों में हुए अमेरिकी हवाई हमलों की जवाबी कार्रवाई करार दिया था।

अमेरिका: 83 महिला सांसदों की अश्लील डीपफेक तस्वीरें ऑनलाइन? पेरिस हिल्टन के खुलासे से मचा हड़कंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ऑनलाइन यौन उत्पीड़न और बिना सहमति के बनाई गई अश्लील तस्वीरों (अश्लील डीपफेक) का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। मॉडल और रियलिटी टीवी स्टार पेरिस हिल्टन ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए दावा किया है कि अमेरिकी कांग्रेस की 156 महिला सांसदों में से 83 की अश्लील डीपफेक तस्वीरें फिलहाल इंटरनेट पर मौजूद हैं। हिल्टन ने मंगलवार शाम सीएनएन के कार्यक्रम 'द लीड' में एंकर जेक टैपर से बातचीत के दौरान यह जानकारी साझा की। उनका यह खुलासा सुनकर टैपर भी हैरान रह गए।

हिल्टन इन दिनों अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) से डीईएफआईएएनसीई एक्ट पारित कराने की मांग कर रही हैं। यह



विधेयक इंटरनेट पर बिना सहमति के बनाई और साझा की जाने वाली यौन तस्वीरों और डीपफेक सामग्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से लाया गया है। मंगलवार को उन्होंने इस कानून को पारित कराने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के नेतृत्व से मुलाकात भी की। हिल्टन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जनवरी में कांग्रेस में डेमोक्रेटिक बहुमत आने से पहले मौजूदा सत्र में ही यह विधेयक पारित हो जाएगा। इससे पहले यह विधेयक अमेरिकी सीनेट से पारित हो चुका है।

विधेयक पारित नहीं हुआ तो पीड़ितों के लिए होगा दुखद : सीएनएन के एंकर जेक टैपर ने जब हिल्टन से पूछा कि क्या इस विधेयक को प्रतिनिधि सभा में पर्याप्त समर्थन मिल रहा है, तो उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस का मौजूदा सत्र समाप्त होने से पहले इसे पारित नहीं किया गया, तो यह पीड़ितों के लिए बेहद दुखद होगा। हिल्टन ने इस मुद्दे को किसी राजनीतिक दल से जुड़ा मामला मानने से इनकार किया। उन्होंने कहा, 'यह रिपब्लिकन या डेमोक्रेटिक पार्टी का मुद्दा नहीं है।' उनके मुताबिक, ऑनलाइन यौन डीपफेक एक महामारी की तरह फैल रहे हैं और इससे निपटने के लिए कई स्तरों पर प्रयास करने की जरूरत है। हिल्टन ने प्रतिनिधि सभा की सांसद अलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज (डेमोक्रेट-न्यूयॉर्क) और लॉरिल ली (रिपब्लिकन-फ्लोरिडा) की सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों सांसदों ने इस विधेयक पर उनके साथ काम किया है और इस मुद्दे को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने बताया कि उनकी टीम ने इस विषय पर एक अध्ययन किया है। इसके मुताबिक, अमेरिकी कांग्रेस की कुल 156 महिला सांसदों में से 83 की यौन डीपफेक तस्वीरें इस समय ऑनलाइन मौजूद हैं। हिल्टन ने कहा कि यह समस्या सभी को प्रभावित कर रही है। यह आंकड़ा सुनकर जेक टैपर ने हैरानी जताते हुए कहा, 'यह वाकई भयावह है।' डीईएफआईएएनसीई एक्ट का उद्देश्य बिना सहमति के किसी व्यक्ति की अश्लील या यौन तस्वीरें बनाने और उन्हें इंटरनेट पर साझा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का रास्ता मजबूत करना है।

अलास्का में भी जीते डेमोक्रेट्स: मैरी पेल्टोला ने रिपब्लिकन से छीना राज्य, 70 साल बाद सीनेट में सबसे बड़ी बढ़त

अलास्का , एजेंसी। अलास्का में अमेरिकी सीनेट की कड़े मुकाबले वाली दौड़ में, पूर्व प्रतिनिधि मैरी पेल्टोला ने रिपब्लिकन सीनेटर डैन सुलिवन को हरा दिया है। इस जीत के साथ ही, रिपब्लिकन पार्टी के कब्जे वाली एक और सीट (कुल नौवीं सीट) डेमोक्रेट्स के खाते में चली गई है। यह पिछले लगभग 70 वर्षों में किसी मध्यावधि चुनाव (मिडटर्म इलेक्शन) में डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए सबसे बड़ी बढ़त है।

अलास्का के लिए यह जीत क्यों है खास : पूर्व अमेरिकी कांग्रेसवुमन पेल्टोला, अलास्का की पहली डेमोक्रेटिक सीनेटर बनेंगी। उनसे पहले मार्क बेगिच इस सीट पर थे, जो 2009 से 2015 तक इस पद पर रहे थे। बता



दें कि वह अमेरिकी सीनेट के लिए चुनी जाने वाली अलास्का की पहली मूल निवासी महिला हैं। वह उन केवल दो मूल निवासी महिलाओं में से एक हैं जो इस पद पर पहुंची हैं; दूसरी महिला पैगी फ्लैनागन हैं, जिन्होंने इस साल मिनेसोटा में सीनेट का चुनाव जीता है। अलास्का का मुकाबला मध्यावधि चुनावों में सीनेट की आखिरी दौड़ थी, जिसका परिणाम घोषित किया गया। इस मुकाबले में एक निर्दलीय उम्मीदवार को लेकर विवाद भी हुआ, जिसका नाम सुलिवन के नाम से मिलता-जुलता था।

पहले क्या थे ये आंकड़े : इससे पहले, 1958 में रिपब्लिकन राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर के दूसरे कार्यकाल के दौरान, डेमोक्रेट्स ने मध्यावधि चुनाव में नौ या उससे अधिक सीनेट सीटें जीती थीं। उस साल, डेमोक्रेट्स ने रिपब्लिकन पार्टी के कब्जे वाली 13 सीटें छीन ली थीं और अलास्का की दो नई बनी सीटों पर भी जीत हासिल की थी, जिससे उन्हें कुल 15 सीटों का फायदा हुआ था।

पेल्टोला की जीत के बाद, जनवरी में जब नई कांग्रेस शुरू होगी, तब डेमोक्रेट्स के पास 56-44 का बहुमत होगा। पिछले 16 वर्षों में सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी की यह सबसे बड़ी बढ़त है। 3 जनवरी 2011 को समाप्त हुई 111वीं कांग्रेस के अंतिम दिनों में, डेमोक्रेट्स के पास सीनेट की 58 सीटें थीं। अगर अलास्का की सीट को छोड़ भी दें, तब भी डेमोक्रेट्स को जनवरी 2015 के बाद से सबसे बड़ा बहुमत मिल गया है। 2014 के मध्यावधि चुनावों में, राष्ट्रपति बराक ओबामा के दूसरे कार्यकाल के दौरान, रिपब्लिकन पार्टी ने डेमोक्रेट्स की नौ सीटें जीतकर सत्ता पर अपना नियंत्रण बना लिया था। बुधवार को मिसिसिपी में अमेरिकी सीनेट की दौड़ में डेमोक्रेट स्कॉट कोलोम की जीत के साथ, उनकी पार्टी को रिपब्लिकन पार्टी के कब्जे वाली आठवीं सीट मिल गई।

एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग वापसी को तैयार:कहा- बोर्ड के फैसले पर ही लौटूंगा; चेयरमैन बोले- ऐसा कोई इरादा नहीं

कैलिफोर्निया, एजेंसी। एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग पद पर वापसी के लिए तैयार हैं। उन्होंने इस्तीफे के बाद मंगलवार को पहली बार एक्स पर पोस्ट कर बयान जारी किया। हुआंग ने पिछले हफ्ते एक चीनी महिला जासूस से अफेयर की खबरों के बाद पद छोड़ा था। अपने पोस्ट में हुआंग ने लिखा, अगर बोर्ड फैसला करता है कि मेरी वापसी शेयरहोल्डर्स, कर्मचारियों, कंपनी और अमेरिका के हित में है, तो मैं उन अपीलों का जवाब देने और सीईओ के रूप में लौटने पर सम्मानित महसूस करूंगा। हालांकि, एनवीडिया के चेयरमैन ने साफ कर दिया है कि बोर्ड का जेन्सन हुआंग को फिर से सीईओ बनाने का कोई इरादा नहीं है।

इस्तीफे के बाद जेन्सन का ये बयान क्यों अहम है... ये वापसी की खुली अपील है: हुआंग ने सीधे नहीं कहा- 'मुझे वापस लो।' उन्होंने कहा- 'अगर बोर्ड चाहे तो मैं तैयार हूं।' ये एक तरह से बोर्ड पर जनता और कर्मचारियों का दबाव बनाने वाली रणनीति मानी जा रही है।

गलती मानी, लेकिन डिटेल नहीं दी: उन्होंने गंभीर गलतियां और बोर्ड के लिए समस्याएं मानीं, लेकिन किस अफेयर की बात हो रही है, इसका नाम नहीं लिया।

अमेरिका कार्ड खेला: बयान में 3 बार अमेरिका, अमेरिकी नागरिक, अमेरिका के हित में कहा। ये इसलिए, क्योंकि उन पर आरोप चीन से जुड़े हैं। वो ये दिखाना चाहते हैं कि वो अमेरिका के साथ हैं।

परिवार से माफी: आखिरी लाइन में पत्नी और बच्चों से माफी



मांगी, 'मैं बाकी जिंदगी तुम्हारे लायक बनने में बिताऊंगा। '

हुआंग की वापसी के समर्थन में आए 1.90 लाख लोग : जेन्सन हुआंग की एनवीडिया में वापसी की मांग वाली ऑनलाइन याचिका पर 1 लाख 90 हजार से ज्यादा लोग हस्ताक्षर कर चुके हैं। टेक इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी उनकी वापसी का समर्थन किया है।

अमेरिकी संसद की समितियों के सामने पेश होंगे हुआंग : एनवीडिया के चिप्स चीन भेजने और अमेरिकी नियमों के उल्लंघन को लेकर कंपनी की जांच चल रही है। अमेरिकी संसद की प्रमुख समितियों ने मंगलवार को बताया कि जेन्सन हुआंग जांच में अपना पक्ष रखने के लिए तैयार हो गए हैं। वह 1 दिसंबर को समितियों के सामने पेश होंगे। इसके अगले दिन, 2 दिसंबर को कंपनी के जनरल काउंसल टिम टेटर से सवाल-जवाब होंगे। इस बीच, एनवीडिया ने नियमों की निगरानी के लिए बोर्ड की एक नई समिति बनाई है। यह समिति देखेगी कि कंपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और दूसरे देशों को चिप्स बेचने से जुड़े अमेरिकी नियमों का पालन कर रही है।

ट्रंप को मारना चाहता था पाकिस्तानी, अमेरिका ने सुनाई 27 साल 6 महीने की सजा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रचने वाले पाकिस्तानी नागरिक आसिफ मर्चेंट को 27 साल छह महीने जेल की सजा सुनाई गई है। अभियोजकों का कहना है कि यह साजिश ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के निर्देश पर रची गई थी। हालांकि, अमेरिकी जांच एजेंसियों ने समय रहते इसे नाकाम कर दिया और किसी हमले को अंजाम नहीं दिया जा सका। अमेरिकी न्याय विभाग ने मंगलवार को बताया कि न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन स्थित संघीय अदालत में जिला न्यायाधीश एरिक आर. कोमिटी ने मर्चेंट को 330 महीने की सजा सुनाई। 48 वर्षीय मर्चेंट को छह मार्च को जूरी ने हत्या के लिए सुपारी देने और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से परे आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देने की कोशिश के आरोपों में दोषी ठहराया था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, मर्चेंट ने एक अमेरिकी राजनीतिक नेता की हत्या के लिए पेशेवर हत्यारों की तलाश की थी। हालांकि, जिन लोगों को उसने इसके लिए पैसे दिए, वे वास्तव में एफबीआई के अंडरकवर एजेंट थे। जांच एजेंसी ने हमले से पहले ही पूरी योजना का खुलासा कर दिया। मर्चेंट ने अदालत में गवाही दी। उसका मानना था कि इस साजिश का मुख्य निशाना ट्रंप थे। अभियोजकों के मुताबिक, उस



समय के राष्ट्रपति जो बाइडेन और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली भी संभावित निशानों में शामिल थे। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने सजा की घोषणा करते हुए कहा, ''न्याय विभाग हमारे नेताओं के खिलाफ विदेशी आतंकवादी साजिशों को बर्दाश्त नहीं करेगा।'' अभियोजकों का दावा था कि इस साजिश का मकसद ईरानी सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या का बदला लेना था। सुलेमानी जनवरी 2020 में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान इराक में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए थे। हालांकि, मर्चेंट ने अभियोजन पक्ष के इस दावे पर सवाल उठाया था कि वह वास्तव में हत्या की योजना को अंजाम देने के लिए तैयार था। उसने अदालत में कहा था कि ईरान में उसके परिवार की सुरक्षा को लेकर उसे डर था और उसका इरादा कभी भी हत्या करवाने का नहीं था। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, मर्चेंट स्वेच्छा से रिवोल्यूशनरी गार्ड के खुफिया अभियान में शामिल हुआ था और अमेरिका आने से पहले उसे प्रशिक्षण दिया गया था। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, एक रिश्तेदार के माध्यम से उसकी पहचान ईरान में मौजूद एक हैंडलर से कराई गई थी। इसके बाद तेहरान में दोनों की कई मुलाकातें हुईं।

मर्चेंट को कथित तौर पर काउंटर इंटेलिजेंस का प्रशिक्षण दिया गया और राजनीतिक रैली के दौरान हत्या को अंजाम देने के लिए अपराधियों की भर्ती करने के निर्देश दिए गए। मर्चेंट अप्रैल 2024 में ईरान में कुछ समय बिताने के बाद अमेरिका पहुंचा। उसने इस योजना में मदद के लिए अपने एक परिचित से संपर्क किया, लेकिन उस व्यक्ति ने एफबीआई को इसकी जानकारी दे दी और जांच एजेंसी के लिए मुखबिर बन गया। मुकदमे के दौरान पेश की गई एक रिकॉर्डिंग में मर्चेंट को कथित तौर पर यह समझाते हुए सुना गया कि किसी राजनीतिक नेता की रैली के दौरान हत्या किस तरह की जा सकती है। बाद में उसने उन लोगों से मुलाकात की, जिन्हें वह सुपारी लेकर हत्या करने वाले पेशेवर अपराधी समझ रहा था। उसने उन्हें बताया कि वह विदेश में मौजूद कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर काम कर रहा है। अमेरिकी अभियोजकों के अनुसार, प्रस्तावित गतिविधियों में दस्तावेजों की चोरी, राजनीतिक रैलियों में विरोध प्रदर्शन आयोजित करना और एक राजनीतिक नेता की हत्या करना शामिल था।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)